नई सोच एक्सप्रेस

हर खबर पर पैनी नजर

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

www.naisochlive.com | पटना, गुरुवार, 26 नवंबर 2026, वर्ष- 09, अंक- 269, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

पेज : 12

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाजों का जलवा, पंत छठे, गिल...



मोदी कैबिनेट के 5 बड़े फैसले

भारत में बनेंगे क्रेन-बुलडोजर; असम को मिलेगा नया एयरपोर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में पांच बड़े फैसले लिए गए हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन फैसलों की जानकारी दी। सरकार ने भारत में निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े भारी उपकरणों के उत्पादन को बढ़ावा देने वाली योजना को मंजूरी दी है। इसके अलावा तमिलनाडु के कामराजर पोर्ट पर दूसरा कंटेनर टर्मिनल विकसित किया जाएगा और असम के सिलचर के पास डोलू में नया एयरपोर्ट बनाया जाएगा। कैबिनेट के पांच में से दो फैसले डाक विभाग से जुड़े हैं। इनके तहत पोस्टल ऑपरेशंस स्कीम और डाक विभाग की एस्टेट मैनेजमेंट स्कीम को पांच साल के लिए आगे बढ़ाने की मंजूरी दी गई है।

असम के सिलचर ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के विकास को मंजूरी : केंद्र सरकार असम के सिलचर जिले के डोलू में 2,014 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे का विकास करेगी। एयरपोर्ट से पूर्वोत्तर भारत की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विकास गलियारों (ग्रोथ



कॉरिडोर) के साथ कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय की योजना को मंजूरी दी। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि योजना के तहत प्रमुख बुनियादी ढांचे के तौर पर 12,351 वर्ग मीटर की टर्मिनल बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा। व्यस्ततम समय में एयरपोर्ट की क्षमता 800 यात्रियों की होगी। इसमें 2,705 मीटर x 45 मीटर का रनवे होगा। साथ ही छह एयरबस ए-320 विमानों के लिए एप्रन पार्किंग क्षमता होगी।

डाक संचालन और संपदा प्रबंधन योजनाओं के विस्तार को मंजूरी



नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में डाक सेवा के संचालन और ढांचागत सुविधाओं के रखरखाव के लिए दो अलग-अलग फैसलों में 1,141 और 1,491 करोड़ की दो योजनाओं के अगले 5 सालों के संचालन को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने डाक विभाग की योजना को मंजूरी दी। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। वैष्णव ने बताया कि डाक संचालन योजना को 16वें वित्त आयोग की पांच साल की अवधि के लिए मंजूरी दी गई है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में डाक सुविधाओं को अपग्रेड करना, मेल और पार्सल सेवाओं को संचालित करना, ई-कॉमर्स और अंतरराष्ट्रीय डाक लॉजिस्टिक्स को मजबूत करना और डिलीवरी सुविधाओं के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के साथ उनकी सुविधाओं में वृद्धि करना है।

कामराजर बंदरगाह पर दूसरे कंटेनर टर्मिनल के विकास को मंजूरी, 4,288 करोड़ रुपये होंगे खर्च



नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चेन्नई के निकट स्थित कामराजर बंदरगाह (एन्नोर पोर्ट) पर दूसरे कंटेनर टर्मिनल के विकास को मंजूरी दे दी है। सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण (डीबीएफओटी) आधार पर विकसित होने वाली इस परियोजना पर 4,288.26 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत आएगी। इस टर्मिनल की वार्षिक कंटेनर संचालन क्षमता 20 लाख टीईयू होगी। इसके लिए 900 मीटर लंबा बर्थ और 18 मीटर गहरा जलमार्ग विकसित किया जाएगा। परियोजना को दो चरणों में पूरा किया जाएगा और यहां 24,000 से अधिक टीईयू क्षमता वाले विशाल कंटेनर जहाजों को भी संभालने की सुविधा होगी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि कामराजर बंदरगाह में कंटेनर टर्मिनल विकसित करने की व्यापक संभावनाएं हैं। इसकी विशेषता यह है कि बंदरगाह की आंतरिक परिवहन संपर्क व्यवस्था काफी अच्छी है और यहां तक रेलवे की सीधी कनेक्टिविटी भी उपलब्ध है।

भाजपा का 'प्लान 55', यूपी में जिन सीटों पर अब तक नहीं मिली जीत, वहां संगठन को मजबूत करने की तैयारी

एजेंसी। नई दिल्ली



उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। पार्टी की चुनावी रणनीति में अब उन विधानसभा सीटों पर विशेष ध्यान देने की तैयारी है, जहां भाजपा को अब तक जीत हासिल नहीं हो पाई है। सूत्रों के मुताबिक इसी कड़ी में पार्टी का 'प्लान 55' चर्चा में है। इसके तहत प्रदेश की 55 ऐसी विधानसभा सीटों को अलग श्रेणी में रखकर उनके लिए विशेष रणनीति तैयार की जा रही है। इस कवायद का मकसद इन सीटों पर संगठन की कमजोरियों को समझना और जमीनी स्तर पर पार्टी की मौजूदगी बढ़ाना है। पार्टी के लिए ये सीटें इसलिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर अपनी संगठनात्मक सक्रियता बढ़ाने की व्यापक तैयारी के बीच इन 55 सीटों के लिए अलग से काम करने की जरूरत महसूस की जा रही है। पार्टी सूत्रों के अनुसार इन सीटों पर पार्टी का फोकस केवल चुनाव के समय प्रचार करने तक सीमित नहीं रहेगा। संगठनात्मक स्तर पर यह समझने की कोशिश होगी कि किन कारणों से पार्टी को इन क्षेत्रों में सफलता नहीं मिल पाई। स्थानीय राजनीतिक समीकरण, सामाजिक प्रतिनिधित्व, प्रत्याशियों की स्थिति और बूथ स्तर पर संगठन की सक्रियता जैसे पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। हाल ही में लखनऊ और मथुरा में हुई भाजपा की कोर कमेटी की बैठक में भी 2022 के विधानसभा चुनाव में हारी हुई सीटों पर विशेष ध्यान देने और नेताओं की जिम्मेदारियां तय करने पर चर्चा हुई । इन क्षेत्रों में बूथ समितियों को फिर से सक्रिय करने और केंद्रीय नेताओं के दौरे कराने की रणनीति भी बनाई गई है। भाजपा की रणनीति में स्थानीय संगठन की भूमिका महत्वपूर्ण रहने वाली है। पार्टी इन क्षेत्रों में स्थानीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के साथ वरिष्ठ नेताओं की जिम्मेदारी भी तय कर सकती है। इसके साथ ही संभावित प्रत्याशियों को लेकर भी समय रहते फीडबैक जुटाने की रणनीति पर काम हो सकता है। पार्टी का जोर चुनाव से कुछ महीने पहले नहीं, बल्कि अभी से इन क्षेत्रों में लगातार सक्रिय रहने पर है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर संगठनात्मक तैयारी का लक्ष्य रखा है। इस तरह 'मिशन 403' के बीच 'प्लान 55' को उन विधानसभा क्षेत्रों पर केंद्रित विशेष रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है, जहां पार्टी अपनी स्थिति मजबूत करना चाहती है। कुल मिलाकर, 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की रणनीति में उन क्षेत्रों को विशेष महत्व दिया जा रहा है, जहां पार्टी को पिछले चुनाव में सफलता नहीं मिली। अब देखना होगा कि इस विशेष योजना के तहत संगठनात्मक स्तर पर क्या बदलाव किए जाते हैं और इन सीटों के लिए जिम्मेदारियां किस तरह तय होती हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमित शाह गुरुवार को 'संविधान गौरव दिवस' कार्यक्रम को करेंगे संबोधित



नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित 'संविधान गौरव दिवस' समारोह को संबोधित करेंगे। दिल्ली प्रदेश भाजपा की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी शामिल होंगी। कार्यक्रम दोपहर 3:30 बजे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविक सेंटर में आयोजित किया जाएगा। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि अमित शाह समारोह में मुख्य अतिथि और प्रमुख वक्ता होंगे। समारोह में दिल्ली के सांसदों के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्ध नागरिकों को भी आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में अधिवक्ताओं, चार्टर्ड अकाउंटेंट, चिकित्सकों, प्राध्यापकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों की भागीदारी भी रहेगी। इसका उद्देश्य भारतीय संविधान के मूल्यों और सिद्धांतों के प्रति नागरिकों में जागरूकता बढ़ाना तथा संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के योगदान को याद करना है। यह आयोजन भाजपा के 'संविधान गौरव अभियान' के तहत किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत में प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है। इसी दिन 1949 में संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकार किया था। हालांकि संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ और इसी दिन भारत गणराज्य बना। केंद्र सरकार ने वर्ष 2015 में 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। वर्ष 2026 में संविधान अंगीकार किए जाने के 77 वर्ष पूरे हो रहे हैं।

भारत मंडपम में 27 नवंबर को होगी आईओआरए मंत्रिपरिषद की बैठक, जयशंकर करेंगे अध्यक्षता

नई दिल्ली। भारत की मेजबानी में हिंद महासागर क्षेत्रीय सहयोग संगठन (आईओआरए) की 25वीं मंत्रिपरिषद की बैठक 27 नवंबर को दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसमें संगठन के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। बैठक से पहले 25 एवं 26 नवंबर को आईओआरए के वरिष्ठ अधिकारियों की समिति (सीएसओ) की 29वीं बैठक आयोजित की जा रही है। इसमें संगठन के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा करने और सदस्य देशों के बीच समन्वय से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। मालदीव की विदेश मंत्री इब्राहिम आदम बैठक में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली पहुंच चुकी हैं। इसके अलावा मलेशिया, सोमालिया, सिंगापुर, मॉरीशस, सेशेल्स, संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और इंडोनेशिया के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के भी बैठक में शामिल होने का कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय के अनुसार मलेशिया के उप महासचिव दातो डॉ. अहमद फैसल मुहम्मद 25 नवंबर की रात दिल्ली पहुंचेंगे। सोमालिया के विदेश एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग राज्यमंत्री अली मोहम्मद उमर, सिंगापुर के विदेश एवं राष्ट्रीय विकास राज्यमंत्री डेरिल यामिन और मॉरीशस के विदेश मामलों, क्षेत्रीय एकीकरण एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री धनंजय रामफुल 26 नवंबर को पहुंचेंगे। इसी दिन सेशेल्स के विदेश एवं प्रवासी मामलों के मंत्री बैरी फॉरे, संयुक्त अरब अमीरात के मंत्री अनवर अनलान, श्रीलंका के विदेश, विदेशी रोजगार एवं पर्यटन मंत्री एचएम विजिता हेराथ, ऑस्ट्रेलिया के हिंद महासागर मामलों के विशेष दूत टिम वाट्स और इंडोनेशिया के उप विदेश मंत्री अरिफ हवास ओएग्रोसेनो के भी नई दिल्ली पहुंचने का कार्यक्रम है।

मजबूत सुधारों और निवेश से आकार ले रहा विकसित भारत 2047 : प्रधानमंत्री मोदी



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि विकसित भारत 2047 यात्रा मजबूत सुधारों और मुख्य सेक्टर्स में निवेश से आकार ले रही है। पीएमओ इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष आर. मुकुंदन के एक लेख का जिक्र किया। इसमें उन्होंने बताया कि कैसे बुनियादी ढांचे में निवेश, जीएसटी, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, कॉर्पोरेट टैक्स में सुधार, पीएलआई योजनाओं और व्यापार समझौतों के जरिए विकास की नींव रखी गई है। पोस्ट में आगे कहा कि भारत की आर्थिक क्षमता को स्थायी समृद्धि में बदलने के लिए सरकार और उद्योग जगत को टीम भारत के रूप में मिलकर काम करना चाहिए। आर. मुकुंदन ने एक प्रमुख वित्तीय दैनिक समाचार पत्र में एक लेख लिखा। इसमें उन्होंने कल्पना की है कि अगस्त 2047 में, भारत की स्वतंत्रता के 100वें वर्ष पर, सीआईआई (भारतीय उद्योग परिसंघ) के अध्यक्ष क्या लिखेंगे। साथ ही, उन्होंने एक विकसित भारत तक पहुंचने के लिए जरूरी रोडमैप भी पेश किया है। मुकुंदन भारत को एक उच्च-आय वाले देश के रूप में देखते हैं, जहां मैन्युफैक्चरिंग का कुल उत्पादन में 25 प्रतिशत योगदान हो, औपचारिक रोजगार और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़े, और भारतीय कंपनियां सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा तथा फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में अग्रणी हों। वर्तमान आर्थिक पैमानों का जिक्र करते हुए, मुकुंदन ने कहा कि 2025 तक प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) 2,760 डॉलर थी, विनिर्माण का जीवीए (सकल मूल्य वर्धन) में योगदान लगभग 15 प्रतिशत था, और आरएंडडी (अनुसंधान और विकास) पर खर्च जीडीपी का 0.84 प्रतिशत था।

उमर खालिद और शरजील इमाम को अंतरिम जमानत से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, याचिकाओं पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी

एजेंसी। नई दिल्ली



सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया। हालांकि, दोनों की ओर से दायर जमानत याचिकाओं पर कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को खालिद और इमाम की नई जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान उमर खालिद की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने अंतरिम जमानत पर जल्द विचार करने का आग्रह किया। सिब्बल ने कहा कि वह छह साल से अधिक समय से हिरासत में हैं। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई), जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने अंतरिम जमानत की मांग पर विचार करने से इनकार कर दिया। बेंच ने कहा कि अंतरिम जमानत की मांग पर विचार करने से पहले वह दूसरे पक्ष (दिल्ली पुलिस) की बात सुनेगी। दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी करने के साथ सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि तीन जजों की बेंच गठित करने के लिए इस मामले को प्रशासनिक स्तर पर मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के समक्ष रखा जाए। सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश दिया, नोटिस जारी करें। रजिस्ट्री इस मामले को तीन न्यायाधीशों की पीठ के गठन के लिए प्रशासनिक स्तर पर भारत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखे। यह निर्देश इस साल 22 मई को तस्लीम अहमद मामले में दो जजों की बेंच के एक आदेश के संदर्भ में दिया गया है। यह आदेश गुलफिशा फातिमा मामले और केए नजीब मामले के फैसलों के बीच संभावित विरोधाभास को देखते हुए दिया गया था। केए नजीब मामले में कहा गया था कि लंबी हिरासत और मुकदमे में देरी जमानत का आधार बन सकती है, भले ही यूएपीए के तहत शर्तें कितनी भी सख्त क्यों न हों। सैयद इफ्तिखार अंद्राबी बनाम एनआईए मामले में दो जजों की एक बेंच ने इस साल जनवरी के गुलफिशा फातिमा फैसले के कुछ पहलुओं पर सवाल उठाए। उस फैसले में दिल्ली दंगों से जुड़ी बड़ी साजिश के मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार कर दिया गया था, जबकि पांच अन्य आरोपियों को राहत दे दी गई थी।

अमेजन ने भारत से कुल ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट में पार किया 27 अरब डॉलर का आंकड़ा, 2.4 लाख निर्यातकों को मिला वैश्विक बाजार

नई दिल्ली । अमेजन ने बुधवार को कहा कि उसके प्रमुख निर्यात कार्यक्रम अमेजन ग्लोबल सेलिंग के माध्यम से भारत से होने वाला कुल ई-कॉमर्स निर्यात 27 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गया है। कंपनी ने कहा कि भारतीय निर्यातकों की बढ़ती भागीदारी और वैश्विक बाजारों में मेड इन इंडिया उत्पादों की मजबूत मांग इस उपलब्धि के प्रमुख कारण हैं। वर्ष 2015 में शुरू किए गए अमेजन ग्लोबल सेलिंग कार्यक्रम के जरिए भारतीय व्यवसाय अमेजन के अंतरराष्ट्रीय मार्केटप्लेस पर अपने उत्पाद बेच सकते हैं। पिछले 11 वर्षों में इस प्लेटफॉर्म से 2.4 लाख से अधिक भारतीय निर्यातक जुड़े हैं और उन्होंने दुनिया भर के ग्राहकों को 1 अरब से अधिक मेड-इन-इंडिया उत्पाद बेचे हैं। कंपनी ने बताया कि पिछले एक वर्ष के दौरान उसके निर्यातक आधार में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्तमान में भारत के 28 राज्यों, 7 केंद्रशासित प्रदेशों और 200 से अधिक शहरों एवं कस्बों के विक्रेता इस मंच का उपयोग कर रहे हैं। इन भारतीय विक्रेताओं को अमेजन के 18 से अधिक अंतरराष्ट्रीय स्टोर्स तक पहुंच प्राप्त है, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, कनाडा, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, इटली और स्पेन जैसे प्रमुख बाजार शामिल हैं।

सऊदी अरब पर हूतियों का बड़ा हमला: 2 भारतीयों समेत 11 घायल

रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में मंगलवार को यमन के हूती लड़ाकों ने एक बार फिर ड्रोन हमला किया, जिसमें कम से कम 11 लोग घायल हो गए। घायलों में दो भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। यह हमला सऊदी अरब के पब्लिक इन्वेस्टमेंट फंड (पीआईएफ) के मुख्यालय वाली इमारत को निशाना बनाकर किया गया। सऊदी सिविल डिफेंस ने घायलों की जानकारी देते हुए बताया कि हमले से इमारत के सामने वाले हिस्से में नुकसान हुआ है, हालांकि क्षति की पूरी सीमा अभी स्पष्ट नहीं है। रियाद स्थित भारतीय दूतावास ने दोनों भारतीय नागरिकों के घायल होने की पुष्टि की है और उनकी हालत से जुड़ी जानकारी जुटाने तथा हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। यह इमारत, जो



शहर की सबसे ऊंची इमारतों में से एक है, एक हफ्ते से भी कम समय में दूसरी बार हमले का निशाना बनी है। इससे पहले 19 नवंबर को भी इसी बिल्डिंग पर हमला हुआ था, हालांकि तब किसी के हताहत होने की खबर नहीं थी। सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने बताया कि मंगलवार का हमला ड्रोन के जरिए किया गया। गठबंधन ने हूती लड़ाकों को चेतावनी देते हुए कहा कि आम लोगों और उनकी संपत्तियों को जानबूझकर निशाना बनाने का जवाब निर्णायक तरीके से दिया जाएगा।

राधे-राधे तो शुरुआत है, सपा के लिए अब राम नाम सत्य का समय : सीएम योगी

एजेंसी। लखनऊ



यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राधे-राधे तो शुरुआत है, सपा के लिए अब राम नाम सत्य का समय आ रहा है। मथुरा में राधे-राधे, अयोध्या में जय श्रीराम और काशी में हर-हर महादेव आस्था के अनुरूप अभिवादन हैं। अंतिम विदाई के दौरान राम नाम सत्य कहा जाता है। अखिलेश यादव के अयोध्या जाने पर उन्होंने कहा कि दो नावों की सवारी करने वाले डूबते हैं। यदि नब्बे के दशक में सपा नेतृत्व को सद्बुद्धि आई होती तो रामभक्तों पर गोलियां नहीं चलतीं। अब उन्हें रामभक्तों और हिंदुओं से माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री बुधवार को एक साक्षात्कार में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने सपा के पीडीए को परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी बताते हुए कहा कि उसकी राजनीति परिवार तक सीमित है। भाजपा का मतदाता प्रत्येक राष्ट्रवादी नागरिक है, जो संविधान और विरासत का सम्मान करता है। उनकी किसी से व्यक्तिगत लड़ाई नहीं है। देश और समाज के सामने चुनौती आने पर उसका सामना करना संन्यासी का दायित्व है। सपा-कांग्रेस गठबंधन चुनाव से पहले ही विफल हो चुका है। एक ओर बैठकें चल रही हैं, दूसरी ओर प्रत्याशी घोषित हो रहे हैं। उन्होंने तंज कसा कि दोनों दलों ने प्याज भी खाया और जूता भी। भाजपा और एनडीए के सहयोगी मिलकर चुनाव लड़ेंगे। प्रत्याशियों का चयन पार्टी की निर्धारित प्रक्रिया से होगा। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सपा विदेशी घुसपैठियों को अपना मानती है जबकि भारतीय नागरिकों पर सवाल उठाती है। उन्होंने कहा कि वह 1992 से गोरखपुर में रह रहे हैं। उत्तराखंड की देवभूमि और सीमा सुरक्षा में वहां के जवानों का योगदान सम्माननीय है। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को उन्होंने मतदाता सूची शुद्ध करने की प्रक्रिया बताया। मृतकों और स्थान बदल चुके मतदाताओं के नाम हटाए जाने चाहिए। प्रत्येक पात्र भारतीय का नाम सूची में रहे लेकिन विदेशी नागरिक को मताधिकार नहीं मिल सकता।

आईसीसीआर के छात्र आगंतुक कार्यक्रम में भारत, थाईलैंड और मंगोलिया के बीच सांस्कृतिक संबंध मजबूत करने पर जोर

एजेंसी। नई दिल्ली



भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) ने भारत और अन्य देशों के बीच सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक संबंधों को मजबूत बनाने के प्रयासों के तहत थाईलैंड और मंगोलिया के छात्रों एवं अतिथियों के लिए छात्र आगंतुक कार्यक्रम आयोजित किया। नई दिल्ली स्थित आईसीसीआर के आजाद भवन ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विदेशी युवाओं को भारत की सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक विरासत, परंपराओं और आधुनिक विकास से परिचित कराना था। आईसीसीआर की महानिदेशक नंदिनी सिंगला ने इस अवसर पर कहा कि भारत का मानना है कि सांस्कृतिक संबंधों की शुरुआत लोगों के आपसी जुड़ाव से होती है। जब दूसरे देशों के युवा भारत आते हैं, यहां की संस्कृति और विविधता को समझते हैं तथा भारतीय लोगों से मिलते हैं तो वे अपने देश लौटकर भारत के मित्र और सांस्कृतिक दूत बनते हैं। ऐसे कार्यक्रम देशों के बीच लंबे समय तक कायम रहने वाले मित्रता के संबंध विकसित करने में मदद करते हैं। परिषद के अपर महानिदेशक डॉ. राजेश रंजन ने कहा कि युवा छात्र अलग-अलग देशों और संस्कृतियों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परिषद का प्रयास है कि विदेशी छात्र भारत की ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विरासत, लोकतांत्रिक मूल्यों और आधुनिक विकास को करीब से समझें। यहां बनने वाले मित्रता के संबंध भविष्य में भारत और उनके देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करेंगे। कार्यक्रम के दौरान थाईलैंड और मंगोलिया से आए छात्रों एवं अतिथियों को भारत की विविध सांस्कृतिक परंपराओं, ऐतिहासिक विरासत और सामाजिक जीवन को समझने का अवसर मिला। इसके साथ ही उन्हें भारतीय समाज और यहां के लोगों के साथ संवाद तथा विचारों के आदान-प्रदान का मौका भी मिला। आईसीसीआर के अनुसार, इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न देशों के युवाओं के बीच आपसी समझ, विश्वास और मित्रता को बढ़ावा मिलता है।

ग्रामीण पेयजल योजनाओं के रखरखाव के लिए कुशल कार्यबल तैयार करने की कवायद

नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की उपस्थिति में बुधवार को यहां जल शक्ति मंत्रालय और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी, जल शक्ति राज्यमंत्री वी. सोमन्ना तथा दोनों मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्रालय के मुताबिक इस समझौते का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण पेयजल योजनाओं के नियमित संचालन एवं रखरखाव के लिए स्थानीय स्तर पर कुशल मानव संसाधन तैयार करना है। इसके माध्यम से ग्रामीण युवाओं को आवश्यक तकनीकी प्रशिक्षण और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उनके लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आठ आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। देश के अशांत उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए दो अभियानों में आठ आतंकवादियों को मार गिराया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह अभियान पेशावर और बन्नू जिलों में चलाए गए। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने बताया कि काउंटर-टेररिज्म डिपार्टमेंट ने सोमवार रात प्रांतीय राजधानी पेशावर के बाहरी इलाके बडबेर में हुई गोलीबारी में पांच आतंकवादियों को मार गिराया। दोनों ओर से 25 मिनट गोलीबारी हुई। इस दौरान इन आतंकवादियों का सरगना तीराह घाटी निवासी कमांडर ताज मोहम्मद उर्फ शिनय भागने



में सफल रहा। पुलिस के अनुसार, मंगलवार को ऐसे ही अभियान में 'जरगुल उर्फ अंकल' समूह के तीन आतंकवादी मारे गए। यह अभियान घररेहा शाहजहां, किंगार और आसपास के गांवों में चलाया गया। इससे पहले सोमवार को प्रांतीय राजधानी से 23 किलोमीटर दक्षिण में स्थित पसानी गांव में ऐसे ही अभियान में तीन आतंकवादी मारे गए। इनकी पहचान अब्दुल रशीद, सईदुल्लाह और सईद नवाब के रूप में हुई है।

संक्षिप्त समाचार

तय समय से पहले योजनाओं को पूरा करें अधिकारी : शिक्षा मंत्री

पटना। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने विभागीय अधिकारियों को तय समय से पहले योजनाओं को पूरा करने का निर्देश दिया है। शिक्षा मंत्री ने बुधवार को विकास भवन स्थित कार्यालय में विभागीय कार्यों की समीक्षा की। बैठक में अपर मुख्य सचिव सीके अनिल सहित अन्य निदेशालयों के निदेशक मौजूद रहे। इस दौरान शिक्षा मंत्री ने विभाग की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों के साथ एक-एक योजना की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की। सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, वहां योजनाओं को निर्धारित समय से पहले पूरा करने का प्रयास किया जाए। उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और निर्धारित लक्ष्यों को समय पर हासिल करने के लिए जरूरी निर्देश भी दिए।

संविधान की मूल भावना सामाजिक न्याय, समानता और बंधुत्व को मजबूत करना हम सभी का राष्ट्रीय दायित्व : सुमन

पटना।हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा से. के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लघु जल संसाधन मंत्री, बिहार सरकार डॉ. संतोष कुमार सुमन ने संविधान दिवस की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय संविधान केवल शासन चलाने का दस्तावेज नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक के सम्मान, अधिकार, स्वतंत्रता और समान अवसरों की गारंटी देने वाला हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर सहित संविधान सभा के सभी महान सदस्यों का योगदान देश सदैव याद रखेगा।डॉ. सुमन ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में निहित सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्शों को धरातल पर उतारना हम सभी की जिम्मेदारी है। विशेष रूप से गरीबों, दलितों, महादलितों, पिछड़ों, अतिपिछड़ों, महिलाओं और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को शिक्षा, रोजगार, सम्मान और विकास के समान अवसर उपलब्ध कराना ही संविधान की भावना का वास्तविक सम्मान है।उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम संविधान के अधिकारों के साथ-साथ उसमें निहित लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहें। बाबा साहेब के विचारों और संवैधानिक आदर्शों को आत्मसात कर एक ऐसे भारत के निर्माण का संकल्प लें, जहां किसी भी नागरिक के साथ जाति, धर्म, वर्ग अथवा आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव न हो और प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर मिले।

सेवा दूत अभियान से प्रधानमंत्री के सेवा और जनकल्याण का संदेश घर-घर पहुंचाएंगे कार्यकर्ता : हरीश द्विवेदी

पटना। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं बिहार भाजपा के संगठन प्रभारी हरीश द्विवेदी ने कहा कि 'सेवा दूत' अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, समर्पण और जनकल्याण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा। इस अभियान के जरिए प्रधानमंत्री के सेवा भाव, विचारों और जनकल्याणकारी कार्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। वे बुधवार को पटना स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित 'सेवा दूत' अभियान की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता सेवा और समर्पण की भावना से समाज के बीच काम करता है। 'सेवा दूत' अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनसेवा को जनआंदोलन बनाने की पहल है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरी प्रतिबद्धता के साथ अभियान को सफल बनाने तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रधानमंत्री के सेवा संदेश को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यशाला में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री एवं बिहार के सह प्रभारी रोहन गुप्ता तथा प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया उपस्थित रहे। इसके अलावा बिहार सरकार के मंत्री प्रमोद कुमार चंद्रवंशी, प्रदेश महामंत्री नितिन अभिषेक, विधायक संजय गुप्ता और त्रिविक्रम नारायण सिंह सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

कार्यशालाओं में शिक्षण को सरल और व्यावहारिक बनाने पर जोर

पटना। महेन्द्रू स्थित राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् (एससीईआरटी) में विज्ञान एवं गणित विभाग की ओर से आयोजित दो कार्यशालाओं का बुधवार को समापन हो गया। तीन दिवसीय पहली कार्यशाला में गणित एवं विज्ञान विषय की संदर्शिका तैयार करने पर चर्चा हुई। इसका उद्देश्य शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए इन विषयों को सरल, रोचक और गतिविधि आधारित बनाना है। संदर्शिका की मदद से शिक्षक कक्षा में पढ़ाई को अधिक प्रभावी बना सकेंगे। वहीं, विद्यार्थी विषयों को आसानी से समझ सकेंगे। दूसरी कार्यशाला में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के लिए तैयार लैब मैनुअल की समीक्षा और संशोधन किया गया। इसके माध्यम से विद्यार्थी विज्ञान के प्रयोग स्वयं करके सीख सकेंगे। इससे विद्यालयों में प्रायोगिक शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। दोनों कार्यशालाओं में विषय विशेषज्ञों, विद्यालयों के शिक्षकों, शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के व्याख्याताओं, विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों और विभागीय पदाधिकारियों ने भाग लिया। तीन दिनों तक अध्ययन सामग्री की विषय-वस्तु, गुणवत्ता और उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की गई। इन कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य गणित एवं विज्ञान की पढ़ाई को सरल, गुणवत्तापूर्ण और व्यावहारिक बनाना है। साथ ही, विद्यार्थियों को रटने के बजाय समझकर और प्रयोग करके सीखने के लिए प्रेरित करना है। समीक्षा और संशोधन के बाद तैयार सामग्री का उपयोग शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की पढ़ाई में किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के शासन प्रमुख के रूप में कार्यकाल की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचायें : सम्राट

नई सोच एक्सप्रेस



पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भारतीय जनता पार्टी कार्यालय के अटल सभागार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन प्रमुख के रूप में लगातार 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा दूत एवं विधानसभा समन्वय प्रशिक्षण कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने नेतृत्व में देश को विकास और सुशासन की नई दिशा दी है। उनके नेतृत्व में देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। बिहार में भी एन०डी०ए० सरकार विकास के कार्यों को गति प्रदान कर राज्य को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का सपना देखा है। हम सभी ने वर्ष 2037 तक बिहार को समृद्ध बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। भारतीय जनता पार्टी संघर्ष और जनसेवा के मार्ग पर चलते हुए आज इस मुकाम तक पहुँची है। पार्टी ने अपनी विचारधारा के अनुरूप अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं, जिनमें धारा 370 की समाप्ति तथा अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण प्रमुख है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सेवा संकल्प एवं कायाकल्प' अभियान के तहत राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में आवास निर्माण, जीर्णोद्धार तथा अन्य बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कार्य किया जा रहा है। इस दिशा में लगभग 22 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बिहार में 65 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 43 लाख लोगों को आवास उपलब्ध कराया जा चुका है, शेष पर कार्य जारी है। राज्य में प्रत्येक घर में शौचालय का निर्माण कराया गया है। उन्होंने कहा कि बिहार में 1 करोड़ 92 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली मुफ्त दी जा रही है। इस पर राज्य सरकार लगभग 23 हजार करोड़ रुपये की सब्सिडी खर्च कर रही है। वहीं, 1 करोड़ 9 लाख लोगों को प्रत्येक महीने की 10 तारीख को वृद्धावस्था, दिव्यांग एवं विधवा पेंशन के रूप में 1,100 रुपये की राशि उनके खाते में उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में औद्योगिक विकास को भी गति दी जा रही है। बक्सर में कोका कोला बॉटलिंग प्लांट तथा सीमेंट फैक्ट्री स्थापित की गई है। नवादा, बांका, किशनगंज, मधुबनी और मुजफ्फरपुर में भी सीमेंट फैक्ट्री स्थापित करने की दिशा में कार्य चल रहा है। वर्तमान में राज्य में लगभग 10 हजार मेगावाट बिजली की खपत हो रही है। वर्ष 2030 तक 30 हजार मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे उद्योगों को भी पर्याप्त ऊर्जा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि 1 दिसंबर से 25 दिसंबर तक सेवा दूत अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान सभी सेवा दूत घर-घर जाकर केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी देंगे। वे लोगों से संवाद करेंगे, योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं, इसकी जानकारी प्राप्त करेंगे तथा जनता की समस्याओं और सुझावों को सरकार तक पहुँचाएंगे। 25 दिसंबर को श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई जाती है। इस अभियान के माध्यम से सरकार के कार्यों की जानकारी जन-जन तक पहुँचाई जाएगी और जनता का विश्वास मजबूत किया जाएगा।

कृषि उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रही एनडीए सरकार : अनुप्रिया यादव

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। जदयू की प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अनुप्रिया यादव ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बिहार के कृषि उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की परिकल्पना को वर्तमान एनडीए सरकार साकार करने की दिशा में काम कर रही है। कृषि उत्पादों के परिवहन, भंडारण, प्रसंस्करण और विपणन के लिए बेहतर लॉजिस्टिक्स नेटवर्क विकसित करने के प्रयासों से किसानों को व्यापक बाजार उपलब्ध होगा और उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के कार्यकाल में वर्ष 2008 में प्रथम कृषि रोड मैप लागू किया गया था। इसके माध्यम से कृषि क्षेत्र में योजनाबद्ध विकास, उन्नत तकनीक, सिंचाई, बेहतर बीज, कृषि मशीनीकरण और कृषि आधारित गतिविधियों को बढ़ावा दिया गया। इसके बाद तीन कृषि रोड मैप लागू किए गए और वर्तमान में चौथे कृषि रोड मैप के माध्यम से कृषि विकास को गति दी जा रही है। डॉ. यादव ने कहा कि बिहार में खाद्यान्न उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2004-05 में धान का उत्पादन लगभग 26 लाख मीट्रिक टन था, जो 2023-24 में बढ़कर करीब 95 लाख मीट्रिक टन हो गया। इसी तरह गेहूं का उत्पादन 32 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 2024-25 में करीब 78 लाख मीट्रिक टन पहुंच गया। मक्का उत्पादन भी 15 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 66 लाख मीट्रिक टन से अधिक हो गया है। इससे बिहार देश के प्रमुख मक्का उत्पादक राज्यों में शामिल हुआ है। उन्होंने कहा कि कृषि रोड मैप के जरिए सब्जी, फल, मशरूम और शहद उत्पादन को भी बढ़ावा मिला है। पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन और पोल्ट्री क्षेत्र में हुई प्रगति से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है तथा किसानों और पशुपालकों के लिए आय एवं रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि किसानों को उन्नत बीज, सिंचाई सुविधा, कृषि मशीनीकरण, फसल विविधीकरण और रियायती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने जैसी पहल से कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने में मदद मिली है। अब कृषि उत्पादों के लिए बेहतर परिवहन, भंडारण, प्रसंस्करण और विपणन व्यवस्था का विस्तार बिहार के किसानों की आर्थिक समृद्धि को नई गति देगा। इससे राज्य को कृषि उत्पादों के व्यापार और निर्यात के क्षेत्र में भी नई पहचान मिलेगी।

सोनपुर मेले में सहकारिता मंडप का उद्घाटन, 15 स्टॉलों पर दिखेंगी विभागीय योजनाएं और उपलब्धियां

नई सोच एक्सप्रेस



पटना।ऐतिहासिक हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेले में बुधवार को सहकारिता मंडप का उद्घाटन सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने किया। मंडप में 15 स्टॉलों के माध्यम से सहकारिता विभाग की योजनाओं, उपलब्धियों और ग्रामीण उद्यमिता की गतिविधियों को प्रदर्शित किया जा रहा है। यहां प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, बुनकर एवं मखाना उत्पादक समितियों, शहद उत्पादन, सब्जी विपणन, सहकारी बैंकिंग, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और भारत टैक्सी से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी दी जा रही है। इस अवसर पर मंत्री राम कृपाल यादव ने कहा कि बिहार में सहकारिता आंदोलन को आधुनिक और मजबूत बनाने के लिए बिहार राज्य सहकारिता नीति, 2026 लागू की गई है। इसके माध्यम से किसानों, युवाओं, महिलाओं और उद्यमियों को सहकारिता से जोड़कर आत्मनिर्भरता तथा सामूहिक समृद्धि को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सात निश्चय-3 के तहत सकरी में सहकारी चीनी मिल एवं सह-विद्युत उत्पादन इकाई और रैयाम में आदर्श शुगर कॉम्प्लेक्स विकसित करने की पहल की जा रही है। मंत्री ने कहा कि 'हर थाली में बिहारी तरकारी' के लक्ष्य के तहत राज्य में 534 प्राथमिक सब्जी उत्पादक सहकारी समितियों और आठ क्षेत्रीय संघों का गठन किया गया है। इनसे 1.18 लाख से अधिक किसान जुड़ चुके हैं। सब्जी क्षेत्र के विकास के लिए 106.39 करोड़ रुपये की योजनाएं स्वीकृत की गई हैं। वहीं, रबी 2026-27 से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू की गई है। खरीफ विपणन मौसम 2026-27 में साधारण धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2441 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। अधिप्राप्ति के 48 घंटे के भीतर किसानों को भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 7452 गोदामों का निर्माण पूरा हो चुका है, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 19.95 लाख मीट्रिक टन है। सहकारिता में सहकार पहल के तहत 186 दुग्ध समितियों, 618 पैक्स, 19 प्राथमिक सब्जी उत्पादक समितियों और सात अन्य सहकारी समितियों को बैंक मित्र के रूप में विकसित किया गया है। इसके अलावा सभी 23 जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों और बिहार राज्य सहकारी बैंक का कोर बैंकिंग सिस्टम (सीबीएस) अपग्रेडेशन पूरा कर लिया गया है। मंत्री ने कहा कि पैक्स के माध्यम से कॉमन सर्विस सेंटर, खाद-बीज व्यवसाय, जन वितरण प्रणाली, जन औषधि केंद्र और एफपीओ जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। सहकारी समितियों को राष्ट्रीय स्तर की बहुराज्यीय सहकारी संस्थाओं से भी जोड़ा जा रहा है। सहकारिता विभाग के सचिव धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में रोजगार और उद्यमशीलता की व्यापक संभावनाएं हैं। सहकारी समितियों को राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम और नाबार्ड के माध्यम से सहकारी बैंकों द्वारा ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान में करीब डेढ़ करोड़ किसान विभिन्न सहकारी समितियों से जुड़े हैं। इस संख्या को और बढ़ाने के लिए समितियों के अध्यक्षों और विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। सोनपुर मेले में सहकारिता मंडप के माध्यम से आम लोगों को विभागीय योजनाओं और सहकारी समितियों के उत्पादों की जानकारी मिलेगी। यहां प्रतिदिन विभिन्न जिलों की सहकारी समितियों के अध्यक्षों और प्रतिनिधियों के साथ परिचर्चा भी आयोजित की जाएगी। मौके पर निबंधक, सहयोग समितियां रजनीश कुमार सिंह सहित विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

बाढ़ प्रबंधन के लिए नदियों से हटाई जाएगी गाद, ड्रेजिंग की बनेगी कार्ययोजना

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। बिहार में बाढ़ प्रबंधन को प्रभावी बनाने और नदियों की जल प्रवाह क्षमता बढ़ाने के लिए जल संसाधन विभाग अब व्यवस्थित तरीके से ड्रेजिंग और गाद (सिल्ट) हटाने की योजना तैयार करेगा। इसके तहत नदियों के उन स्थानों को चिह्नित किया जाएगा, जहां गाद और बालू के टीलों के कारण नदी के प्रवाह में बाधा उत्पन्न हो रही है। इस संबंध में बुधवार को सिंचाई भवन में उप मुख्यमंत्री सह जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी की अध्यक्षता में विशेषज्ञ एजेंसियों के साथ बैठक हुई। बैठक में भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के निदेशक अरविन्द कुमार सहित ड्रेजर और बार्ज बनाने वाली 12 कंपनियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान एजेंसियों ने ड्रेजिंग, सिल्ट रिमूवल और बार्ज के उपयोग से संबंधित तकनीकी पहलुओं पर प्रस्तुतीकरण दिया। बैठक में उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि बिहार की नदियों में गाद जमने और बालू के टीले बनने से जल प्रवाह की दिशा और प्रकृति प्रभावित होती है। इससे तटबंधों और नदी किनारे के संवेदनशील स्थानों पर कटाव का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि सिल्ट कहीं समस्या है, तो कहीं उपयोगी भी है। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने बिहार जलस्रोत पुनर्स्थापन एवं गाद प्रबंधन नीति, 2026 बनाई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नदियों से कहां और कितनी मात्रा में गाद हटाई जाएगी, इसका फैसला तकनीकी अध्ययन के आधार पर जल संसाधन विभाग करेगा। उन्होंने विशेषज्ञ एजेंसियों से व्यावहारिक तकनीकी समाधान देने की अपेक्षा की और विभाग की ओर से आवश्यक सहयोग का भरोसा दिया। विभाग के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि आगामी बाढ़ प्रबंधन कार्ययोजना में ड्रेजिंग और सिल्ट रिमूवल को व्यवस्थित रूप से शामिल किया जाएगा। सर्वेक्षण और तकनीकी अध्ययन के जरिए गाद हटाने के लिए उपयुक्त स्थलों की पहचान होगी। साथ ही निकाली गई गाद के सुरक्षित परिवहन और वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण की व्यवस्था भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि गाद के परिवहन के अलावा कार्यस्थलों तक उपकरण और निर्माण सामग्री पहुंचाने में बार्ज का उपयोग महत्वपूर्ण होगा। बैठक का उद्देश्य ड्रेजिंग और बाढ़ प्रबंधन कार्यों के लिए सक्षम एजेंसियों की पहचान कर उन्हें सूचीबद्ध करना है, ताकि बाढ़ से पहले और बाढ़ के दौरान जरूरत के अनुसार उनकी सेवाएं ली जा सकें। एजेंसियों के चयन में मशीनरी की उपलब्धता, संचालन, रखरखाव और आपात स्थिति में त्वरित काम करने की क्षमता को प्राथमिकता दी जाएगी। बैठक में अभियंता प्रमुख वरुण कुमार, तकनीकी परामर्शी मनोज रमण, परामर्शी रवीन्द्र शंकर, आई.सी. ठाकुर सहित विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

KCC वितरण में लापरवाही पर बैंकों की तय होगी जवाबदेही : विजय सिन्हा

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। बिहार के पात्र किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) का लाभ दिलाने में बैंकों की उदासीनता पर कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि किसानों को KCC और फसल ऋण उपलब्ध कराने में लापरवाही बरतने वाले बैंकों एवं उनकी शाखाओं को चिह्नित कर जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से लघु एवं सीमांत किसानों को प्राथमिकता के आधार पर ऋण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों की आर्थिक मजबूती से ही बिहार की कृषि व्यवस्था सुदृढ़ होगी। बैंकों को कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए ऋण उपलब्ध कराने में संवेदनशीलता और सक्रियता दिखानी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पात्र किसानों को समय पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में किसी तरह की असहयोगात्मक रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में किसान क्रेडिट कार्ड के तहत 50.25 लाख खातों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके विरुद्ध अब तक 7.38 लाख नए एवं नवीनीकृत KCC स्वीकृत एवं वितरित किए गए हैं। इनके माध्यम से किसानों को 8,344.70 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया है। इसमें 7.12 लाख पुराने खातों का नवीनीकरण हुआ है, जिसके जरिए 8,073 करोड़ रुपये की ऋण राशि किसानों को मिली है। कृषि मंत्री ने चालू तिमाही में फसल ऋण वितरण की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध अब तक मात्र 8.8 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई है। यह स्थिति कृषि क्षेत्र में संस्थागत ऋण की पहुंच बढ़ाने के लिए बैंकों के प्रयासों में सुधार की जरूरत को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक किसानों को ऋण देने में अपेक्षाकृत सक्रिय हैं, लेकिन बड़े वाणिज्यिक और निजी बैंकों को भी अधिक जिम्मेदारी के साथ काम करना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार कुल बैंक ऋण का 40 प्रतिशत प्राथमिकता क्षेत्र के लिए निर्धारित है, जिसमें कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए 18 प्रतिशत का प्रावधान है। श्री सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। सरकार का प्रयास है कि आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण किसी भी पात्र किसान की खेती प्रभावित न हो और उसे बीज, उर्वरक, सिंचाई, मजदूरी सहित कृषि कार्यों के लिए समय पर पर्याप्त ऋण मिल सके।

सभी वर्गों के विकास को कृतसंकल्पित है सरकार:- मंत्री श्रवण कुमार

नई सोच एक्सप्रेस



बिहारशरीफ।बिहार सरकार के ग्रामीण विकास तथा सूचना एवं जनसम्पर्क मंत्री श्रवण कुमार ने बुधवार को बिहारशरीफ प्रखंड की विभिन्न पंचायतों के लाभुकों के बीच सरकार द्वारा संचालित प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं की राशि व स्वीकृति पत्र का वितरण किया। इस कार्यक्रम में डुमरावां, मेघी नगवां, बियाबानी और पचौरी पंचायत के दर्जनों पात्र लाभुकों को लाभान्वित किया गया। वितरण के दौरान निम्नलिखित प्रमुख योजनाओं के तहत लाभुकों को सहायता प्रदान की गई।सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं: मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना, लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना और बिहार राज्य निःशक्तता पेंशन योजना के तहत 20 लाभुकों को 1,100 रुपये प्रतिमाह की दर से पेंशन स्वीकृति प्रदान की गई। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण): मेघी नगवां, डुमरावां, बियाबानी और पचौरी पंचायत की 13 महिला लाभुकों को पक्का मकान बनाने के लिए योजना का लाभ दिया गया।मुख्यमंत्री पारिवारिक लाभ योजना: आपदा व असामयिक निधन से प्रभावित परिवारों के आश्रितों (बलदेव प्रसाद यादव एवं संजीता कुमारी) को 20-20 हजार रुपये की एकमुश्त आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस अवसर पर संबोधित करते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े गरीब, वंचित, वृद्ध और असहाय लोगों के आर्थिक व सामाजिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देश दिया कि सभी पात्र लाभुकों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से और समय पर पहुँचाना सुनिश्चित किया जाए।इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार प्रदेश सचिव गुलरेज अंसारी प्रखंड अध्यक्ष जदयू धनंजय कुमार प्र कुशवाहा युगल किशोर मुखिया बिट्टू कुशवाहा रामवृक्ष प्रसाद रामजन्म रविदास सोनू रविदास रंजीत सिंह संजय राम विश्वास सिंह निरंजना गुप्ता सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

20 दिसंबर को मुंबई में जुटेंगे देश-विदेश के कायस्थ प्रतिनिधि, महिला सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता पर होगा मंथन

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस (जीकेसी) की ओर से 20 दिसंबर को नवी मुंबई के खारघर में विराट कायस्थ सम्मेलन एवं राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन में देश-विदेश से कायस्थ समाज के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसमें सामाजिक एकता, महिला सशक्तीकरण, शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार, कुटीर उद्योग और पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। जीकेसी की प्रबंध न्यासी रागिनी रंजन ने बताया कि ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद के मार्गदर्शन में आयोजित यह सम्मेलन कायस्थ समाज की एकजुटता और सामूहिक विकास को नई दिशा देने का मंच बनेगा। उन्होंने कहा कि समाज की मजबूती के लिए महिलाओं, युवाओं और बच्चों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना जरूरी है। प्रत्येक वर्ग को समान अवसर और प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए उचित मंच मिलना चाहिए। रागिनी रंजन ने कहा कि सम्मेलन में महिला सशक्तीकरण, शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ कुटीर एवं लघु उद्योगों तथा स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। समाज के कमजोर और जरूरतमंद परिवारों को सहयोग देना तथा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल करना संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कायस्थ समाज की पहचान उसकी समृद्ध साहित्यिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत से रही है। इस विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और समाज की प्रतिभाओं को पहचान एवं सम्मान दिलाने की जरूरत है। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण को सामाजिक जिम्मेदारी बताते हुए उन्होंने आर्थिक विकास के साथ प्रकृति की सुरक्षा पर भी ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश-विदेश में रहने वाले कायस्थ परिवारों को एक मंच पर लाकर आपसी संवाद, सहयोग और सामाजिक दायित्व की भावना मजबूत करना सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य है। रागिनी रंजन ने समाज के लोगों से 20 दिसंबर को खारघर में आयोजित विराट कायस्थ सम्मेलन एवं राष्ट्रीय अधिवेशन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की।

संक्षिप्त समाचार

विद्यालयों के पुस्तकालय अध्यक्षों का होगा क्षमता संवर्धन

पटना। राज्य के विद्यालयों में कार्यरत पुस्तकालय अध्यक्षों का क्षमता संवर्धन किया जाएगा। इसके लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल की समीक्षा की जा रही है। इसको लेकर बुधवार को महेंद्रू स्थित राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) के पुस्तकालय में तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। कार्यशाला में विश्वविद्यालयों, एनआईसी, एनआईटी और विद्यालयों के पुस्तकालय अध्यक्षों सहित विभिन्न संस्थानों के विषय विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। इनके सहयोग से प्रशिक्षण मॉड्यूल की समीक्षा की जा रही है। इस प्रशिक्षण से पुस्तकालय अध्यक्षों की कार्यक्षमता बढ़ेगी। वे विद्यार्थियों में पुस्तकों के प्रति रुचि विकसित करने में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे। साथ ही, विद्यार्थियों में नवाचार, रचनात्मकता और पढ़ने की आदत को भी बढ़ावा मिलेगा।

बच्चन जयंती पर 27 नवंबर को सजेगी 'कविताई एक दुपहरी', कविता और संगीत का होगा संगम

पटना। हिंदी साहित्य के महान कवि एवं पद्म भूषण डॉ. हरिवंश राय बच्चन की जयंती के अवसर पर ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस (जीकेसी) की ओर से 27 नवंबर को विशेष साहित्यिक कार्यक्रम 'कविताई एक दुपहरी' का आयोजन किया जाएगा। जीकेसी के कला-संस्कृति प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम दोपहर तीन बजे रॉयल गार्डन अपार्टमेंट, नागेश्वर कॉलोनी, पटना में होगा। कार्यक्रम में राज्य के प्रतिष्ठित कवि हरिवंश राय बच्चन की कालजयी रचनाओं का काव्यपाठ करेंगे। साथ ही उनके व्यक्तित्व और साहित्यिक योगदान पर चर्चा होगी। 'मधुशाला' की चुनिंदा पंक्तियों की भावपूर्ण प्रस्तुति के साथ गीत-संगीत और सदाबहार हिंदी गीतों की महफिल भी सजेगी। जीकेसी के ग्लोबल अध्यक्ष राजी

प्लैटिनम लव बैंड्स ने पेश किया नया कलेक्शन



पटना। प्लैटिनम लव बैंड्स ने अपना नया कलेक्शन पेश किया है जो दो लोगों को करीब लाने वाले छोटे-छोटे पलों, साझा अनुभवों और साथ निभाने के वादे का जश्न मनाता है। टिकाऊ प्लैटिनम से बने ये आधुनिक बैंड नक्काशीदार लाइनों, ज्यामितीय पैटर्न और इनफ़िनिटी डिज़ाइन के ज़रिए एक नए रिश्ते और गहरे कमिटमेंट को दर्शाते हैं। इस अवसर पर प्लैटिनम गिल्ड इंटरनेशनल में ग्लोबल मार्केट डेवलपमेंट की हेड और इंडिया व मिडिल ईस्ट की मैनेजिंग डायरेक्टर, वैशाली बनर्जी ने कहा कि यह कलेक्शन शादी-ब्याह के क्षेत्र में ब्रांड की अहमियत को और मजबूत करता है साथ ही प्लैटिनम की दुर्लभता और मजबूती कपल्स के कमिटमेंट को स्थायी अर्थ देती है। यह नया कलेक्शन देश भर के प्रमुख ज्वेलरी रिटेल स्टोर्स के साथ-साथ ब्रांड की आधिकारिक वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

अयोध्या कैंट और जनकपुर धाम (नेपाल) के बीच सरयू-कमला एक्सप्रेस का 28 नंवबर से किया जायेगा नियमित परिचालन



पटना।अयोध्या कैंट और जनकपुर धाम (नेपाल) के मध्य गोरखपुर-नरकटियागंज- रक्सौल-सीतामढ़ी-शीशो-जयनगर के रास्ते एक साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 15595/15596 का नियमित परिचालन दिनांक 28.11.2026 से प्रारंभ किया जा रहा है। गाडी सं. 15595/15596 जनकपुर धाम-अयोध्या कैंट-जनकपुर धाम एक्सप्रेस (साप्ताहिक) का नियमित परिचालन जनकपुर धाम से 28.11.2026 से तथा अयोध्या कैंट से 30.11.2026 से प्रारंभ किया जा रहा है । यह ट्रेन जनकपुर धाम से प्रत्येक शनिवार तथा अयोध्या कैंट से प्रत्येक सोमवार परिचालित की जायेगी । इस नई ट्रेन में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 03, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 03, शयनयान श्रेणी के 07 एवं एसएलआर के 02 कोच सहित कुल 17 कोच होंगे । दिनांक 28.11.2026 से प्रत्येक शनिवार को गाड़ी सं. 15595 जनकपुर धाम-अयोध्या कैंट सरयू-कमला एक्सप्रेस जनकपुर धाम (नेपाल) से नेपाली समयानुसार 13.10 बजे खुलकर नेपाली समयानुसार 14.25 बजे जबकि भारतीय समयानुसार 14.10 जयनगर कस्टम यार्ड पहुंचेगी तथा जयनगर कस्टम यार्ड से नेपाली समयानुसार 15.25 बजे जबकि भारतीय समयानुसार 15.10 बजे खुलकर 15.48 बजे मधुबनी, 17.10 बजे शीशो, 19.00 बजे सीतामढ़ी, 21.35 बजे रक्सौल, 22.50 बजे नरकटियागंज, अगले दिन 03.55 बजे गोरखपुर, 05.19 बजे बस्ती, 06.28 बजे मनकापुर, 07.25 बजे अयोध्या धाम रुकते हुए 08.10 बजे अयोध्या कैंट पहुंचेगी । दिनांक 30.11.2026 से प्रत्येक सोमवार को गाड़ी सं. 15596 अयोध्या कैंट-जनकपुर धाम सरयू-कमला एक्सप्रेस अयोध्या कैंट से 17.50 बजे खुलकर 18.20 बजे अयोध्या धाम, 19.30 बजे मनकापुर, 20.37 बजे बस्ती, 22.13 बजे गोरखपुर, अगले दिन 01.50 बजे नरकटियागंज, 03.10 बजे रक्सौल, 04.42 बजे सीतामढ़ी, 06.05 बजे शीशो, 07.00 बजे मधुबनी रुकते हुए भारतीय समयानुसार 08.30 बजे तथा नेपाली समयानुसार 08.45 बजे जयनगर कस्टम यार्ड पहुंचेगी । जयनगर कस्टम यार्ड से यह भारतीय समयानुसार 10.30 बजे जबकि नेपाली समयानुसार 10.45 बजे खुलकर नेपाली समयानुसार 12.40 बजे जनकपुर धाम (नेपाल) पहुंचेगी ।

नीतीश कुमार के 20 वर्षों के विकास कार्यों को जनता तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी - सुनील कुमार

नई सोच एक्सप्रेस



जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जनता दल यूनाइटेड की ओर से सुशासन दिवस के अवसर स्थानीय अब्दुलबारी नगर भवन में आयोजित कार्यक्रम में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नीतीश कुमार के 20 वर्षों के कार्यकाल और इस दौरान राज्य में हुए विकास कार्यों को कार्यकर्ताओं एवं आम लोगों के बीच रखा गया। वक्ताओं ने 2005 के बिहार और 2026 के बिहार की तुलना करते हुए कहा कि इन दो दशकों में राज्य में सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण, रोजगार और कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है। कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री मोहम्मद ज़मा खान, घोसी विधायक ऋतुराज कुमार, जिला अध्यक्ष सुशील कुमार सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान जदयू नेता सुनील कुमार समेत अन्य नेताओं ने भी मंच से अपनी बातें रखीं। अतिथियों ने नीतीश कुमार के कार्यकाल की चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं से सरकार की उपलब्धियों को आम जनता तक पहुंचाने की अपील की। इस मौके पर सुनील कुमार ने कहा कि उनका परिवार लंबे समय से जदयू से जुड़ा है। उनके पिता चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को पार्टी ने जहानाबाद संसदीय क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया था। एक अति पिछड़े समाज से आने वाले व्यक्ति को लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाकर पार्टी ने सामाजिक न्याय और सभी वर्गों को राजनीतिक भागीदारी देने की अपनी सोच को प्रदर्शित किया। जनता ने भी पार्टी के इस विश्वास पर मुहर लगाते हुए उन्हें जीत दिलाई। उन्होंने कहा कि जदयू ऐसी पार्टी है जो समाज के सभी वर्गों को आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देती है। नीतीश कुमार के कार्यकाल से हमलोगों को सीखने की जरूरत है। उन्होंने बिहार की अर्थव्यवस्था और विकास को नई दिशा देने का काम किया है। जिस तरह जननायक कर्पूरी ठाकुर ने सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए काम किया था, उसी तरह नीतीश कुमार ने भी सभी वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि वे लोग नीतीश कुमार के नेतृत्व में काम करते रहे हैं और उनके बाद निशांत कुमार को भविष्य में पार्टी का नेतृत्व करते देखना चाहते हैं। उन्होंने निशांत कुमार को बिहार के अगले मुख्यमंत्री के रूप में देखने की अपनी इच्छा भी जाहिर की। कार्यक्रम के दौरान अन्य वक्ताओं ने भी नीतीश कुमार के 20 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

साहित्यिक पत्रिकाएं नवलेखकों को देती हैं मंच : डॉ. अनिल सुलभ

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। साहित्यिक पत्रिकाएं किसी भी भाषा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये नवलेखकों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच देने के साथ उनकी भाषा और लेखन क्षमता को भी निखारती हैं। साहित्यिक पत्रिकाओं का प्रकाशन भाषा और साहित्य की बड़ी सेवा है। यह बातें बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने बुधवार को कहीं। वे बीरेन्द्र शाह फाउंडेशन, मुंबई के सौजन्य से प्रकाशित साहित्यिक पत्रिका 'विरासत' के लोकगीत विशेषांक के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पत्रिका की संपादक रागिनी बीरेन्द्र शाह स्वयं विदुषी कवयित्री और लेखिका हैं। वे सेवा भावना के साथ भारतीय संस्कृति और लोकजीवन को अपनी पत्रिका के माध्यम से सामने ला रही हैं। लोकगीत विशेषांक में प्रकाशित रचनाएं देश की समृद्ध लोक परंपरा को उजागर करने के साथ लोक साहित्य को भी मजबूती प्रदान करती हैं। इस अंक की अतिथि संपादक डॉ. पूनम आनंद के योगदान की भी उन्होंने सराहना की। समारोह में सम्मेलन के उपाध्यक्ष डॉ. उपेन्द्रनाथ पाण्डेय ने कहा कि वर्तमान समय में लोकजीवन में लोक तत्वों का ह्रास हो रहा है। ऐसे में 'विरासत' का लोकगीत विशेषांक लोक साहित्य और लोक परंपराओं को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। इस अवसर पर वरिष्ठ कवि रमेश कंवल, साहित्यकार डॉ. रत्नेश्वर सिंह, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी बच्चा ठाकुर, वरिष्ठ अधिवक्ता उपेंद्र प्रसाद, गौरव हिन्दुस्तानी, डॉ. पूनम आनंद और फाउंडेशन के कार्यक्रम संयोजक राजेंद्र कुमार ने भी अपने विचार रखे। लोकार्पण समारोह के बाद आयोजित कवि-गोष्ठी की शुरुआत चंदा मिश्र की वाणी वंदना से हुई। पत्रिका की संपादक रागिनी बी. शाह सहित प्रो. सुनील कुमार उपाध्याय, श्याम बिहारी प्रभाकर, सुनील कुमार मलंग, शुभचंद्र सिन्हा, सुजाता मिश्र, इरफान अहमद बेलहारवी, कुमार अनुपम, इंजीनियर अशोक कुमार, जयप्रकाश पुजारी, सुनीता रंजन, इन्दुभूषण सहाय, विनोद किसलय, रंभा गुप्ता और नेहाल कुमार सिंह 'निर्मल' ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्मानंद पाण्डेय ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन फाउंडेशन की सदस्य रुचिका प्रसाद ने किया। समारोह में सम्मेलन के पुस्तकालय मंत्री डॉ. नागेश्वर प्रसाद यादव, भवन अभिरक्षक प्रवीर कुमार पंकज, परवेज आलम, बांके बिहारी साव, सरोज जायसवाल, राजीव प्रसाद, विभारानी श्रीवास्तव, डॉ. मनोज गोवर्धनपुरी, निर्मला सिंह, अभिराम बुद्धवाहा, मीना पाण्डेय, नम्रता कुमारी और राजीव कुमार सहित बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी एवं प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

संपत्ति विवाद में मारपीट और धमकी का आरोप, न्याय की गुहार लेकर एसपी कार्यालय पहुंचा पीड़ित परिवार

नई सोच एक्सप्रेस



जहानाबाद (हसनैनदीवाना)। जिले के भेलावर थाना क्षेत्र के मुरासा गांव में संपत्ति विवाद को लेकर एक महिला ने अपने ससुराल पक्ष के लोगों पर मारपीट करने, जान से मारने की धमकी देने और घर से बेदखल करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि घटना की शिकायत लेकर थाना पहुंचने के बावजूद स्थानीय पुलिस की ओर से प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई और न ही कोई ठोस कार्रवाई की गई। इसके बाद पीड़ित परिवार पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा और एसपी से मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाई। पीड़िता रंभा कुमारी, पति अजयेंद्र शर्मा ने एसपी को दिए आवेदन में बताया है कि 18 नवंबर की सुबह करीब छह बजे उनके ससुराल पक्ष के लोगों ने उनके साथ विवाद करते हुए मारपीट की। आवेदन के अनुसार, इस घटना में उनकी सास मनिता देवी, ससुर उमेश शर्मा, ननद बुची देवी, ननदोई उपेंद्र शर्मा, भगीना अतुल कुमार और भगीनी रुचि कुमारी शामिल थे। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि इन लोगों ने उन्हें, उनके पति और बच्चों को जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता के अनुसार, विवाद की मुख्य वजह घर और जमीन की संपत्ति है। उनके ससुर कथित तौर पर संपत्ति बेचकर अपनी छोटी बेटी और उसके परिवार को देने की बात कह रहे हैं, जबकि पीड़िता और उनके परिवार को संपत्ति में हिस्सा नहीं देने की बात कही जा रही है। इसी बात का विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई और घर से निकालने का प्रयास किया गया। पीड़िता ने आवेदन में उसी दिन रात करीब 8:53 बजे भगीना अतुल कुमार द्वारा फोन पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि घटना के बाद वह शिकायत लेकर भेलावर थाना पहुंचीं लेकिन उनकी शिकायत पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने थाना प्रभारी पर प्राथमिकी दर्ज नहीं करने का भी आरोप लगाया है। इसी से परेशान होकर पीड़ित परिवार ने एसपी कार्यालय पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी पुलिस अधीक्षक को दी है। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने पीड़ित परिवार से बातचीत की और उनकी पूरी बात सुनी। उन्होंने आश्वासन दिया कि न्याय सभी के लिए है और पुलिस प्रशासन निष्पक्ष तरीके से काम करेगा। एसपी ने भेलावर थाना को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि दोनों पक्षों की बात पूरी तरह सुनने, तथ्यों की जांच करने और साक्ष्यों के आधार पर ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाएगा। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने पीड़ित परिवार से यह भी कहा कि घरेलू और पारिवारिक विवादों को संभव हो तो आपसी बातचीत और समझौते के माध्यम से सुलझाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई थाना पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराता है तो पुलिस उसकी मदद अवश्य करेगी। उन्होंने पीड़ित परिवार से पुलिस प्रशासन पर भरोसा रखने, जांच के लिए पर्याप्त समय देने और जांच में पूरा सहयोग करने की अपील की। एसपी के आश्वासन के बाद पीड़ित परिवार ने निष्पक्ष जांच और न्याय मिलने की उम्मीद जताई है।

स्वच्छता ही सेवा है गंगा घाटों पर चला महा स्वच्छता अभियान



नई सोच एक्सप्रेस

पटना।स्वच्छता ही सेवा है' कार्यक्रम के अंतर्गत प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने गंगा घाटों पर महा स्वच्छता अभियान चलाया। सुबह से ही फाउंडेशन के दर्जनों स्वयंसेवक झाड़ू, फावड़ा और बाल्टी लेकर घाटों पर पहुंच गए। स्वयंसेवकों ने घाट की सीढ़ियों पर जमी मिट्टी, रेत, प्लास्टिक और कचरे को साफ किया। घंटों के श्रमदान के बाद पूरा घाट चमक उठा। अभियान के दौरान युवाओं ने वहां मौजूद श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को भी जागरूक किया। लोगों से अपील की गई कि गंगा में प्लास्टिक और कचरा न डालें, घाट को स्वच्छ रखें। फाउंडेशन की ओर से बताया गया कि गंगा हमारी माई है इसे कमाई के जरिया न बनाये । गंगा की पवित्रता को देखते हुए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। सभी प्रमुख गंगा घाटों को साफ-सुथरा बनाया जाएगा, ताकि गंगा स्नान करने बालो को कोई परेशानी न हो। फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने कहा कि स्वच्छ घाट स्वस्थ पटना - यही हमारी सेवा है। उन्होंने लोगो से अपील किया कि गंगा में मूर्ति , पूजन सामग्री, पशु या मानव का शव प्रवाहित न करें । मौके पर मुख्य स्वयंसेवक दिलीप कुमार, देवानंद, अशोक दास, स्नेहा समेत दर्जनों स्वयंसेवक मौजूद रहे ।

38वीं राज्य स्तरीय क्लासिक बेंच प्रेस एवं डेडलिफ्ट चैंपियनशिप का भव्य उद्घाटन

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। बिहार स्टेट पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में तथा पटना जिला एड-हॉक कमिटी के संयुक्त सहयोग से आयोजित 38वीं राज्य स्तरीय क्लासिक बेंच प्रेस एवं डेडलिफ्ट चैंपियनशिप तथा पटना जिला स्तरीय क्लासिक पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026 का भव्य उद्घाटन मुख्य सचेतक, बिहार विधानसभा एवं दीघा विधायक संजीव चौरसिया एवं मधु मंजरी की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत 38वीं राज्य स्तरीय क्लासिक बेंच प्रेस चैंपियनशिप (पुरुष एवं महिला), ओपन क्लासिक डेडलिफ्ट चैंपियनशिप तथा पटना जिला पुरुष एवं महिला वर्ग की सब-जूनियर, जूनियर, सीनियर एवं मास्टर श्रेणियों में क्लासिक डेडलिफ्ट प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसके अतिरिक्त पटना जिला सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर पुरुष तथा ओपन महिला वर्ग की क्लासिक पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026 का भी आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर विधायक संजीव चौरसिया ने विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों एवं बिहार स्टेट पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के महासचिव अशोक कुमार मेहता जी को आश्वस्त किया कि वे प्रारंभ से ही पावरलिफ्टिंग खेल से जुड़े रहे हैं और भविष्य में भी इस खेल के संरक्षक के रूप में अपना आशीर्वाद एवं सहयोग देते रहेंगे। बिहार स्टेट पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के मीडिया कोऑर्डिनेटर लॉयन राजीव भार्गव ने बताया कि प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की गई हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एसोसिएशन राज्य में पावरलिफ्टिंग खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

90% शहरी भारतीयों का मानना है कि तकनीक आधारित सुरक्षा जरूरत है, विलासिता नहीं: गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने घरों को 'सुरक्षा के साथ डिजाइन' करने की अपील की

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। आज आधुनिक घरों की पहचान अक्सर उनकी उन सुविधाओं से होती है, जो लोगों को आपस में जोड़ती हैं, लोगों के रोज़मर्रा के कामों को स्वचालित बनाती हैं और उनकी रोजमर्रा की जिंदगी आसान करती हैं। लेकिन जैसे-जैसे शहरी भारत स्मार्ट जीवनशैली अपना रहा है, उपभोक्ता अब एक बुनियादी सवाल भी पूछने लगे हैं कि उनका घर उन्हें कितना सुरक्षित महसूस कराता है? गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के सिक्योरिटी सॉल्यूशंस के बिजनेस हेड, पुष्कर गोखले ने कहा, "यह शोध ग्राहकों की बदलती जरूरतों की ओर स्पष्ट इशारा करता है। उपभोक्ता तेजी से तकनीक-आधारित सुरक्षा को आधुनिक घर का एक अनिवार्य हिस्सा मान रहे हैं। सुरक्षा समाधान व्यवसाय में अग्रणी होने के नाते, हम इसे इस श्रेणी को आगे बढ़ाने के एक अवसर के रूप में देखते हैं—जहां सुरक्षा को मुख्य रूप से पजेशन के बाद की खरीदारी मानने के बजाय, घर बनाने और खरीदने की यात्रा का एक शुरुआती और अधिक विचारशील हिस्सा बनाया जाए। 'सिक्योर बाय डिजाइन' के माध्यम से, हम बिल्डरों, डेवलपर्स, आर्किटेक्ट्स और डिजाइनरों से आग्रह करते हैं कि वे योजना, स्पेसिफिकेशन और हैंडओवर की बातचीत में सुरक्षा को शामिल करें। हंसा रिसर्च द्वारा किए गए 'सिक्योर बाय डिजाइन स्टडी 2026' के अनुसार, 90% शहरी भारतीयों का मानना है कि तकनीक आधारित सुरक्षा विलासिता नहीं, बल्कि एक खास जरूरत है। यह निष्कर्ष बताता है कि आधुनिक घरों को लेकर उपभोक्ताओं की अपेक्षाएं बदल रही हैं। साथ ही, आवास क्षेत्र के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा करता है कि जब सुरक्षा जरूरी मानी जाने लगी है, तो क्या इसे घर का कब्जा मिलने के बाद ही जोड़ा जाना चाहिए या घर की योजना, डिजाइन और निर्माण के दौरान ही इसका ध्यान रखा जाना चाहिए? 'होम सेफ्टी मंथ' के हिस्से के रूप में, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का सिक्योरिटी सॉल्यूशंस व्यवसाय 'सिक्योर बाय डिजाइन' पहल के माध्यम से इस चर्चा को आगे बढ़ा रहा है।

घोषी बीआरसी में विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित, विद्यार्थियों ने मॉडल और नवाचारों से दिखाई प्रतिभा

नई सोच एक्सप्रेस



जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। घोषी प्रखंड संसाधन केंद्र में विज्ञान में महिलाएं विकसित भारत के निर्माण में उत्प्रेरक थीम पर प्रखंड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा छह से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने विभिन्न वैज्ञानिक विषयों पर आधारित मॉडल, प्रयोग और परियोजनाओं के माध्यम से अपनी वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड विकास पदाधिकारी सरिता कुमारी, अंचल अधिकारी अजीत कुमार एवं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी आफाक अंसारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न विज्ञान मॉडलों और परियोजनाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से उनके मॉडल की कार्यप्रणाली और उपयोगिता के बारे में जानकारी ली। साथ ही बच्चों की वैज्ञानिक अभिरुचि और रचनात्मक प्रयासों की सराहना की।प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विज्ञान, पर्यावरण संरक्षण, तकनीक, सामाजिक उपयोगिता और भविष्य की संभावनाओं से जुड़े विषयों पर मॉडल प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल के मूल्यांकन के बाद दो वर्गों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों का चयन किया गया। कक्षा छह से आठ के वर्ग में मध्य विद्यालय कुर्रे की सिंपल कुमारी ने प्रथम, मध्य विद्यालय हरिदासपुर की निशि कुमारी ने द्वितीय तथा पीएम श्री हाई स्कूल घोषी की अंशु कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा नौ से 12 के वर्ग में एमकेडी भारतु के मधु कुमार ने प्रथम, उच्च विद्यालय हरिदासपुर की निधि कुमारी ने द्वितीय तथा एमकेडी भारतु की पल्लवी कुमारी ने तृतीय स्थान हासिल किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि विज्ञान केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं है बल्कि समाज और देश के विकास का महत्वपूर्ण आधार है। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जिज्ञासा, प्रयोग करने की प्रवृत्ति और नवाचार की भावना विकसित करना जरूरी है। उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिला वैज्ञानिकों की उपलब्धियां देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने का अवसर मिलता है। इस कार्यक्रम में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

टीवीएस ज्युपिटरः भारत का स्कूटर, एक करोड़ भारतीय करते हैं इस स्कूटर पर भरोसा

नई सोच एक्सप्रेस



पटना।टीवीएस वेणु के भाग तथा दुनिया भर में दोपहिया एवं तिपहिया बनाने वाली अग्रणी निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी ने आज बताया की कि तमिलनाडु के होसुर स्थित कंपनी की मैनुफैक्चरिंग युनिट से टीवीएस ज्युपिटर का एक करोड़वाँ यूनिट तैयार हो गया है। इस उपलब्धि के साथ, टीवीएस ज्युपिटर एक करोड़ यूनिट्स के कुल उत्पादन तक पहुँचने वाला भारत का सबसे तेज़ और सबसे युवा स्कूटर ब्रांड बन गया है। तथा देश के सबसे प्रतिष्ठित मोबिलिटी ब्रांड्स में से एक के रूप में इसकी स्थिति और मज़बूत हुई है। इस उपलब्धि पर बात करते हुए, टीवीएस मोटर कंपनी के इंडिया टू-व्हीलर बिज़नेस में पीपल मोबिलिटी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, अनिरुद्ध हलदर ने कहा, "पिछले एक दशक में, भारत की सोच बदली है। हम कमी की सोच से आगे बढ़कर आत्मविश्वास, विकास और प्रचुरता की ओर बढ़े हैं, जहाँ ग्राहक अब और ज़्यादा की चाह रखते हैं। ज़्यादा की सोच के साथ, टीवीएस ज्युपिटर इस बदलते भारत और इसकी बढ़ती उम्मीदों का प्रतीक बन गया है। एक करोड़ भारतीयों के लिए, टीवीएस ज्युपिटर उनके रोज़मर्रा के सफर का हिस्सा रहा है और उनके जीवन में खुशियाँ लेकर आया है। यह उपलब्धि उस भरोसे को दर्शाती है जिसे टीवीएस ज्युपिटर ने बनाया है और जो हमारे ग्राहकों ने हम पर जताया है। यह हमारे कर्मचारियों, डीलर पार्टनर्स और सप्लायर्स की कड़ी मेहनत, तथा हमारी इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग और डिस्ट्रीब्यूशन क्षमताओं की मज़बूती को भी दिखाता है। मुझे पूरा विश्वास है कि जैसे-जैसे भारत तरक्की करेगा और नई ऊँचाइयों को छुएगा, हमारे सामने ऐसी और भी कई उपलब्धियाँ आएँगी।" पिछले 13 वर्षों में, टीवीएस ज्युपिटर भारत के साथ-साथ विकसित हुआ है और देश भर के परिवारों के लिए रोज़मर्रा की आवाजाही का अहम हिस्सा बन गया है। 2013 में ज़्यादा का फ़ायदा की सोच के साथ पेश किए गए इस ब्रांड ने, ग्राहकों को और ज़्यादा देकर रोज़मर्रा की मोबिलिटी के अनुभव को एक नई परिभाषा दी है। आज, टीवीएस ज्युपिटर लगातार बेहतर परफॉरमेंस, ज़्यादा माइलेज, ज़्यादा आराम और ज़्यादा सुविधाएँ दे रहा है। भारत के बढ़ते आत्मविश्वास, नई उम्मीदों और बदलती ज़रूरतों के साथ, टीवीएस ज्युपिटर का ज़्यादा देने का वादा भी लगातार विकसित हो रहा है। टीवीएस ज्युपिटर अपने अगले पड़ाव में कदम रख रहा है, इसका मुख्य फोकस भारत की बदलती उम्मीदों के साथ आगे बढ़ना और रोज़मर्रा के सफर को और भी बेहतर बनाना है। ज़्यादा को अपने मूल में रखते हुए, टीवीएस ज्युपिटर भारत की बदलती ज़रूरतों के साथ विकसित होता रहेगा। यह रोज़मर्रा के सफर में और ज़्यादा बेहतर बनाएगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक भरोसेमंद साथी बना रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

52 गेंदों में दोहरा शतक जड़कर वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, समस्तीपुर के ताजपुर में जश्न का माहौल

समस्तीपुर।समस्तीपुर के ताजपुर निवासी युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने यूएई के खिलाफ महज 52 गेंदों में दोहरा शतक लगाकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 के इस मुकाबले में भारत की ओर से खेलते हुए वैभव ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से विपक्षी गेंदबाजों को संभलने का कोई मौका नहीं दिया और 204 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली। अपनी इस तूफानी पारी के दौरान उन्होंने 28 गगनचुंबी छक्के और सात चौके लगाए, जिसकी शुरुआत पहले ही ओवर में लगातार तीन छक्के जड़कर की थी। जैसे ही टीवी स्क्रीन पर वैभव का दोहरा शतक पूरा हुआ, समस्तीपुर और उनके पैतृक क्षेत्र ताजपुर में उत्सव का माहौल बन गया। स्थानीय क्रिकेट प्रेमियों ने आतिशबाजी कर और एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया।ताजपुर के गांधी चौक पर उमेश कौशिक के नेतृत्व में लोगों ने केक काटकर इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाया और वैभव के समर्थन में जमकर नारे लगाए। इसके साथ ही वैभव के घर पर भी बधाई देने वालों का तांता लगा रहा, जहां स्थानीय नागरिकों ने उनके परिवार को शुभकामनाएं दीं। क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों और खेल प्रेमियों का मानना है कि एक छोटे से कस्बे से निकलकर वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले वैभव की यह सफलता स्थानीय युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

भूमि विवाद के 05 मामलों का त्वरित निष्पादन, दोनों पक्षों की दलीलें सुनकर किया गया न्यायसंगत निराकरण



समस्तीपुर। अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार की अध्यक्षता में अनुमंडल कार्यालय प्रकोष्ठ में भूमि विवाद निराकरण को लेकर सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान भूमि विवाद से संबंधित प्राप्त आवेदनों पर गंभीरतापूर्वक विचार किया गया। इस क्रम में दोनों पक्षों को अपना-अपना पक्ष एवं दलील प्रस्तुत करने का पूरा अवसर दिया गया। दोनों पक्षों की बातों एवं उपलब्ध तथ्यों की गहन समीक्षा के उपरांत कुल 05 मामलों का निष्पादन किया गया। अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार ने निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ मामलों का न्यायसंगत निराकरण सुनिश्चित किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य भूमि विवाद से जुड़े मामलों का त्वरित निष्पादन कर आम लोगों को अनावश्यक परेशानी से राहत दिलाना तथा आपसी विवादों को कम करना है।

कुरआन शरीफ हिफ्ज़ कर हाफिज बने आतिफ आलम, परिवार में खुशी की लहर

मोतिहारी।सुगौली प्रखंड क्षेत्र के सुकुल पाकड़ पंचायत के बेलवतिया गांव निवासी नासिर आलम के पुत्र हाफिज आतिफ आलम ने कुरआन शरीफ को हिफ्ज़ मुकम्मल कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने मदरसा मोहम्मदिया हफीजुल कुरान, पकही में कुरआन शरीफ को पूरी तरह कंठस्थ कर हाफिज बनने का गौरव प्राप्त किया है। उनकी इस कामयाबी से परिवार सहित पूरे गांव में खुशी और उत्साह का माहौल है।आतिफ आलम की इस उपलब्धि को लेकर परिजनों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। गांव के लोगों ने भी उन्हें मुबारकबाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। परिजनों के अनुसार, कुरआन शरीफ को हिफ्ज़ करना एक कठिन और समर्पण भरा कार्य है, जिसके लिए निरंतर मेहनत, अनुशासन और लगन की आवश्यकता होती है। पुत्र की इस कामयाबी पर पिता नासिर आलम ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आतिफ की सफलता पूरे परिवार के लिए गर्व और खुशी का क्षण है। उन्होंने बताया कि बेटे की इस उपलब्धि के पीछे उसकी मेहनत, लगन और शिक्षकों का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा है। वहीं हाफिज आतिफ आलम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, उस्तादों और परिवार के सहयोग को दिया। उन्होंने कहा कि कुरआन शरीफ को हिफ्ज़ करना उनके जीवन का महत्वपूर्ण लक्ष्य था, जिसे पूरा कर उन्हें बेहद खुशी मिली है। उनकी इस उपलब्धि को क्षेत्र के लिए भी गौरवपूर्ण माना जा रहा है। वहीं मुखिया अशफाक अहमद,मो. भुलन,बसिरुल हक,मो.शाहिद अनवर,एहसानूल हक,मोहम्मद नौशाद, इम्तेयाज आलम,हाफिज रियाजुद्दीन,मो.समीम,बाबर अली,जिले अहमद सहित कई गणमान्य लोगों ने बधाइयां दी।

बिहार की लोकसंस्कृति के रंगों से सजा सोनपुर मेला, कलाकारों ने मोहा मन



छपरा।विश्वप्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला-2026 में मंगलवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार धूम रही। जिला प्रशासन, सारण की ओर से आयोजित रंगारंग कार्यक्रमों में लोकगीत, संगीत, भजन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। दिनभर चले कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं, पर्यटकों और मेले में पहुंचे लोगों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन के साथ सूचना एवं जनसंपर्क विभाग तथा आईसीडीएस विभाग की सहभागिता रही। इस दौरान सारण के स्थानीय कलाकार चंदन कुमार सिंह, धीरज राम, मनोज कुमार मयंक, रवीन्द्र कुमार मिश्रा सहित अन्य कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। वहीं संजीत कुमार यशस्वी एवं उनकी टीम तथा आलोक के नेतृत्व में प्रस्तुत विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने आयोजन में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम के दौरान बिहार गौरव गान और लोकगीत-भजन की प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। पूरे आयोजन स्थल पर उत्साह और सांस्कृतिक उल्लास का माहौल बना रहा। जिला प्रशासन की ओर से सोनपुर मेले में स्थानीय कलाकारों को मंच उपलब्ध कराने के साथ बिहार की समृद्ध लोककला, लोकसंस्कृति और सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहित किया जा रहा है। ऐसे आयोजनों से कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है, वहीं मेले की सांस्कृतिक पहचान भी और समृद्ध हो रही है।

कार्तिक पूर्णिमा पर भजन-कीर्तन और भंडारे का आयोजन, पूरी रात भजनों पर झूमते रहे श्रद्धालु

नई सोच एक्सप्रेस



डेहरी ऑन सोन (रोहतास)। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मयूर नवयुवक क्लब, राधे गोविंद मंदिर शिवगंज की ओर से भजन-कीर्तन एवं भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूरी रात भक्ति और संगीत की धारा बहती रही। कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भजनों पर श्रद्धालु झूमते रहे और पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य पार्षद प्रत्याशी कमलेश सिंह उर्फ शालू सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में कार्तिक पूर्णिमा का विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व है। इस दिन गंगा स्नान, दीपदान, हवन-यज्ञ और दान-पुण्य करने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इन कार्यों से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। उन्होंने छठ पूजा के दौरान मयूर नवयुवक क्लब की ओर से छठ गेट, लाइटिंग और घाट पर की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए क्लब के सदस्यों को बधाई दी। डॉ. मालती पाण्डेय एवं वरिष्ठ अधिवक्ता मुनमुन पाण्डेय ने कहा कि शक्ति सिंह के नेतृत्व में क्लब की ओर से छठ पर्व के बाद प्रत्येक वर्ष कार्तिक पूर्णिमा पर भजन-कीर्तन और भंडारे का आयोजन किया जाता है। क्लब का यह प्रयास धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता और सेवा-भाव को भी मजबूत करता है। उन्होंने आयोजन के लिए क्लब के सदस्यों की सराहना की। कार्यक्रम की शुरुआत व्यास नन्हकू चौधरी एवं राधे गोविंद मंदिर के महंत मनोहर दास ने भजन-कीर्तन से की। इस दौरान शालू सिंह ने अतिथियों को फूलों की माला और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। अजय सिंह उर्फ बड़े गायक और ढोलक वादक नरेश चौधरी के निर्गुण भजनों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। नरेश चौधरी, ननकू बमडी, गंगा, रामनारायण, बम चौधरी, इंदर चौधरी एवं बलदेव पासवान सहित अन्य कलाकारों ने भी भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर सत्यम सिंह, अखिलेश सिंह, विनोद सिंह, कइल मिस्त्री, टाइगर बबलू, विशाल, दीपक कुमार, क्रांति यादव सहित क्लब के सदस्य पिंटू, राजकुमार, हरिओम, गोलू एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण

नई सोच एक्सप्रेस



हरनौत।स्थानीय प्रखंड के रूपसपुर गांव स्थित बीआरसी भवन में बुधवार को विभिन्न सरकारी विद्यालयों के 25 शिक्षकों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।मास्टर ट्रेनर के रूप में यूएमएस मुढ़ारी के शिक्षक निशांत कुमार एवं यूएमवी गोनावां के शिक्षक विजय कुमार ने शिक्षक-शिक्षिकाओं को प्रशिक्षित किया।उन्होंने बताया कि प्रखंड में 47 मध्य विद्यालय एवं 18 उच्च विद्यालय हैं। प्रत्येक विद्यालय से दो-दो शिक्षकों का चयन किया गया है। यह प्रशिक्षण 25 नवम्बर से 28 नवम्बर तक संचालित किया जाएगा। एक बैच में 25-25 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को स्वस्थ रूप से बढ़ना, भावनात्मक कल्याण एवं मानसिक स्वास्थ्य, पारस्परिक संबंध, मूल्य और जिम्मेदार नागरिक, जेंडर समानता, पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता, पदार्थ के दुरुपयोग की रोकथाम और प्रबंधन, स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना, प्रजनन स्वास्थ्य और बीमारियों की रोकथाम, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग आदि विषयों पर जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि विद्यालय स्वास्थ्य एवं आरोग्य कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 6 से 12 तक संचालित विद्यालयों में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग एवं शिक्षा विभाग की संयुक्त पहल से यह कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।इसके तहत प्रशिक्षित शिक्षक हर बुधवार को कक्षा 6 से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को उक्त विषयों पर कक्षा में जानकारी देंगे।

बीडीओ, बीपीआरओ ने प्रशिक्षु ऑफिसर को अपने कार्यालय की दी जानकारी

नई सोच एक्सप्रेस



हरनौत।स्थानीय प्रखंड मुख्यालय परिसर में मंगलवार को विलेज इमर्शन कार्यक्रम के तहत बीपार्ड (बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान) गयाजी जिले से आए प्रशिक्षु अधिकारियों को बीडीओ डॉ. पंकज कुमार एवं बीपीआरओ उमेश कुमार ने अपने-अपने कार्यालय की कार्यप्रणाली की जानकारी दी।इस दौरान बीडीओ ने प्रखंड कार्यालय में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। वहीं बीपीआरओ उमेश कुमार ने पंचायती राज विभाग की कार्यप्रणाली, पंचायत सरकार भवन के संचालन सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रखंड में कुल 16 पंचायत हैं और हर पंचायत में विकास कार्यों को गति देने के लिए पंचायत सचिवों के साथ नियमित बैठक की जाती है।बीपार्ड से आए प्रशिक्षु अधिकारियों ने कार्यालय के विभिन्न पटलों का भ्रमण कर अभिलेखों के संधारण, फाइलों के निष्पादन एवं आम लोगों की समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया को करीब से समझा। इस दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों ने ट्रांसफर आदि को लेकर कई सवाल भी पूछे, जिनका अधिकारियों ने जवाब दिया। **क्या बोले प्रशिक्षु अधिकारी:**मौके पर प्रशिक्षु अधिकारी चंद्रलोक कुमार (राजस्व अधिकारी) ने बताया कि हम लोग बीपार्ड 70वें बैच के प्रशिक्षु हैं। जीविका के तहत विलेज इमर्शन के लिए निकले हैं। हम लोगों का कुल 60 लोगों का दल है। हरनौत में हमारे ग्रुप में 10 लोग हैं। उन्होंने कहा कि आज हम लोगों ने यहाँ के बीडीओ, सीओ और बीपीआरओ सर से मुलाकात की। फील्ड एक्सपीरियंस के बारे में जानकारी ली कि आखिर ये किस प्रकार काम करते हैं, फील्ड में क्या-क्या चुनौतियाँ हैं और इसका समाधान कैसे किया जा सकता है, जनता से वो कैसे भागीदारी बनाते हैं।

विश्व विरासत सप्ताह (19 से 25 नवंबर) के अवसर पर विश्वविद्यालय इतिहास विभाग द्वारा शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस



विश्व विरासत सप्ताह के अवसर पर 19 से 25 नवंबर, 2026 के अवसर पर ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के स्नातकोत्तर इतिहास विभाग, बिहार विरासत विकास समिति तथा कला एवं संस्कृति विभाग, बिहार सरकार के संयुक्त तत्त्वावधान में विश्व प्रसिद्ध प्राकृतिक स्थल "चिरांद, छपरा" का शैक्षणिक परिभ्रमण कार्यक्रम 23 नवंबर, 2026 को आयोजित किया गया। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के पीजी इतिहास विभाग के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम हेतु कुलपति प्रोफेसर संजय कुमार चौधरी ने पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामना देते हुए उचित मार्गदर्शन किया। उन्होंने विद्यार्थियों से उत्साह पूर्वक भाग लेने का आह्वान करते हुए इस भ्रमण से शैक्षणिक ज्ञान प्राप्त करने पर बल दिया। इस शैक्षणिक परिभ्रमण में कुल 42 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें 30 छात्राएं, आठ छात्र एवं दो शोधार्थियों के साथ ही एक कार्यालय सहायक तथा विभागाध्यक्ष की सहभागिता रही। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ अनिल कुमार चौधरी के नेतृत्व में यह परिभ्रमण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस परिभ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को बिहार की प्राचीन ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत से परिचित कराना था। चिरांद अपने प्राचीन प्राकृतिक महत्त्वपूर्ण अवशेषों के लिए प्रसिद्ध है। यह शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे, जिसके माध्यम से विद्यार्थी प्राचीन इतिहास और प्राकृतिक के विभिन्न अवशेष एवं महत्त्वों को प्रत्येक रूप से समझने का अवसर प्राप्त किया।

पीयूष पुजारा के नेतृत्व में 150 छात्रों ने किया प्रदर्शन, चार दिनों के लिए बढ़ी नामांकन की तिथि

नई सोच एक्सप्रेस



पूर्णिया। पूर्णिया विश्वविद्यालय में स्नातक पांचवें सेमेस्टर में नामांकन को लेकर आ रही परेशानियों के विरोध में बुधवार को करीब 150 छात्र-छात्राओं ने सीनेट हॉल में प्रदर्शन किया। छात्र राजद के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन का नेतृत्व विश्वविद्यालय अध्यक्ष पीयूष पुजारा ने किया। छात्रों की समस्याओं को लेकर कुलपति से हुई वार्ता के बाद नामांकन की तिथि चार दिनों के लिए बढ़ा दी गई। प्रदर्शनकारी छात्रों ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय की तकनीकी और प्रशासनिक त्रुटियों के कारण सैकड़ों विद्यार्थी नामांकन से वंचित होने की स्थिति में हैं। कई छात्र पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल हुए थे, लेकिन विश्वविद्यालय के रिकॉर्ड में उन्हें अनुपस्थित (Absent) दर्ज कर दिया गया है। वहीं, शैक्षणिक रिकॉर्ड पूरी तरह स्पष्ट होने के बावजूद कई विद्यार्थियों को नामांकन कराने में तकनीकी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान पीयूष पुजारा ने कुलपति से वार्ता कर विद्यार्थियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की गलतियों का खामियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। परीक्षा में शामिल होने के बावजूद अनुपस्थित दर्ज किए गए छात्रों के रिकॉर्ड में सुधार किया जाना चाहिए। साथ ही, योग्य विद्यार्थियों का नामांकन बिना किसी अनावश्यक परेशानी के सुनिश्चित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों के आंदोलन के बाद नामांकन की तिथि चार दिनों के लिए बढ़ाई गई है। यह विद्यार्थियों की एकजुटता और संघर्ष की जीत है। हालांकि, केवल तिथि बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। विश्वविद्यालय प्रशासन को प्रभावित छात्रों की मूल समस्याओं का भी तत्काल समाधान करना चाहिए। विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। छात्र राजद छात्रों को न्याय मिलने तक उनकी आवाज उठाता रहेगा। पीयूष पुजारा ने मांग की कि परीक्षा में उपस्थित रहने के बावजूद अनुपस्थित दर्ज किए गए विद्यार्थियों के रिकॉर्ड की जांच कर तत्काल सुधार किया जाए तथा सभी योग्य छात्रों का नामांकन सुनिश्चित किया जाए। मौके पर राजद विश्वविद्यालय मीडिया प्रभारी करण कुमार सहित छात्र राजद कार्यकर्ता रोशन कुमार और ज्योतिष कुमार समेत अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सारण जिला सीनियर क्रिकेट लीग में त्रिशूल क्रिकेट एकेडमी को मिली वॉकओवर से जीत



नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। सारण जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित सारण जिला सीनियर क्रिकेट लीग प्रतियोगिता के निर्धारित मुकाबले में स्कूल ऑफ क्रिकेट की टीम के अनुपस्थित रहने के कारण त्रिशूल क्रिकेट एकेडमी, परसा को वॉकओवर दे दिया गया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार त्रिशूल क्रिकेट एकेडमी, परसा और स्कूल ऑफ क्रिकेट के बीच मुकाबला होना था। मैच के निर्धारित समय पर त्रिशूल क्रिकेट एकेडमी की पूरी टीम मैदान पर पहुंच गई, लेकिन स्कूल ऑफ क्रिकेट की टीम उपस्थित नहीं हुई। निर्धारित समय तक इंतजार करने के बाद भी विपक्षी टीम के नहीं पहुंचने पर मैच के नियमानुसार त्रिशूल क्रिकेट एकेडमी, परसा को वॉकओवर प्रदान किया गया। इस अवसर पर सारण जिला क्रिकेट संघ की अध्यक्ष इंदु कुमारी (अन्नू सिंह), जिला उपाध्यक्ष उज्ज्वल मिश्रा, सुरेश प्रसाद सिंह, राजन प्रसाद यादव, कैशर अनवर एवं संघ के पूर्व संयुक्त सचिव चंदन शर्मा सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

अयोध्या से जनकपुर धाम के बीच सफर होगा आसान, 28 नवंबर से चलेगी नई 'सरयू-कमला एक्सप्रेस'

नई सोच एक्सप्रेस



समस्तीपुर। समस्तीपुर रेल मंडल से भारत और नेपाल के बीच धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए रेलवे ने एक बड़ा कदम उठाया है। अयोध्या कैंट और नेपाल के जनकपुर धाम के बीच नई साप्ताहिक 'सरयू-कमला एक्सप्रेस' का नियमित परिचालन शुरू होने जा रहा है। समस्तीपुर रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी द्वारा जारी सूचना के अनुसार, गाड़ी संख्या 15595 जनकपुर धाम-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस का परिचालन 28 नवंबर से प्रत्येक शनिवार को किया जाएगा, जबकि वापसी में गाड़ी संख्या 15596 अयोध्या कैंट-जनकपुर धाम एक्सप्रेस 30 नवंबर से प्रत्येक सोमवार को चलेगी। यह ट्रेन गोरखपुर, नरकटियागंज, रक्सौल, सीतामढ़ी, शीशो और जयनगर के रास्ते अपनी यात्रा पूरी करेगी। कुल 17 कोचों वाली इस एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिए वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 2, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 3, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 3, शयनयान श्रेणी के 7 और एसएलआर के 2 कोच लगाए गए हैं। समय-सारणी के अनुसार, 28 नवंबर से प्रत्येक शनिवार को गाड़ी संख्या 15595 जनकपुर धाम से नेपाली समयानुसार दोपहर 1:10 बजे रवाना होगी और 2:25 बजे (भारतीय समय 2:10 बजे) जयनगर कस्टम यार्ड पहुंचेगी। यहां से भारतीय समयानुसार दोपहर 3:10 बजे खुलकर यह ट्रेन मधुबनी, शीशो, सीतामढ़ी, रक्सौल और नरकटियागंज होते हुए अगले दिन तड़के 3:55 बजे गोरखपुर पहुंचेगी।इसके बाद बस्ती, मनकापुर और सुबह 7:25 बजे अयोध्या धाम रुकते हुए सुबह 8:10 बजे अयोध्या कैंट पहुंचेगी। वापसी दिशा में 30 नवंबर से प्रत्येक सोमवार को गाड़ी संख्या 15596 अयोध्या कैंट से शाम 5:50 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन शाम 6:20 बजे अयोध्या धाम, मनकापुर, बस्ती और रात 10:13 बजे गोरखपुर होते हुए अगले दिन नरकटियागंज, रक्सौल, सीतामढ़ी, शीशो और मधुबनी के रास्ते सुबह 8:30 बजे (नेपाली समय 8:45 बजे) जयनगर कस्टम यार्ड पहुंचेगी। यहां आवश्यक प्रक्रिया के बाद ट्रेन भारतीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे खुलकर नेपाली समयानुसार दोपहर 12:40 बजे जनकपुर धाम पहुंचेगी। इस नई रेल सेवा के शुरू होने से दोनों देशों के श्रद्धालुओं और आम यात्रियों को काफी सहूलियत होगी।

रीगल रिसोर्सेस लिमिटेड ने मक्का किसानों को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस



किशनगंज।देश की प्रमुख मक्का आधारित स्टार्च उत्पादक कंपनियों में एक किशनगंज जिले में स्थापित रीगल रिसोर्सेस लिमिटेड ने किसान मैत्री सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर किशनगंज क्षेत्र के मक्का किसानों को पुरस्कार देकर किया सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत रीगल रिसोर्सेस लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल किशोरपुरिया, जीएम विजय चंद्र पाटिल, परचेज जीएम विवेक लिल्हा, डीजीएम अमित कुमार सील, मार्केटिंग हेड सिद्धार्थ वर्मा सहित कंपनी के वरिष्ठ अधिकारीयों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रीगल रिसोर्सेस लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल किशोरपुरिया ने कहा कि लक्ष्य पूरा करने वाले छह किसानों को एक्सयूवी कार, दो किसानों को बैगनआर कार, दो किसानों को टीवीएस बाइक, पांच किसानों को मोबाइल फोन, एक किसान को इनवर्टर, तीन किसानों को टीवी, सात किसानों को ओवेन और 40 करीब किसानों को डिनर सेट देकर पुरस्कृत किया गया है। उन्होंने बताया कि रीगल रिसोर्सेस कंपनी 2018 में 180 टन स्टार्च उत्पादन करना शुरू किया था। आज आठ साल में कंपनी का उत्पादन क्षमता बढ़कर 1650 टन हो गया है। इस उल्लेखनीय प्रगति तक पहुंचने में मक्का किसानों का बड़ा योगदान रहा है। इसके साथ ही कंपनी भविष्य में अपने उत्पादन क्षमता के विस्तार की दिशा में कार्य कर रही है। कंपनी प्रयास कर रही है कि स्थानीय युवाओं एवं बेरोजगारों को ज्यादा से ज्यादा रोजगार उपलब्ध कराया जाए। मौके पर कंपनी के हरीश कुमार सिंह, बीवी बोसु बाबू, हिलाल बरभुईया, नरेश शर्मा, देवकी नंदन अग्रवाल और सुरेश मौर्य, राजेश कुमार सहित शहर के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

संक्षिप्त समाचार

अवैध खनन और परिवहन पर लगेगी रोक, बिहार सरकार को हर साल 100 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिलने का अनुमान

पटना। बिहार में अवैध खनन, खनिजों के अवैध परिवहन और भंडारण पर प्रभावी रोक लगाने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मंत्रिपरिषद ने बिहार खनिज (समानुदान, अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण निवारण) (तृतीय संशोधन) नियमावली, 2026 को स्वीकृति प्रदान कर दी है। नई नियमावली के तहत खनिज परिवहन व्यवस्था की डिजिटल निगरानी की जाएगी। सरकार को इससे प्रतिवर्ष लगभग 100 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिलने का अनुमान है। खान एवं भूतत्व मंत्री प्रमोद कुमार ने कहा कि राज्य में खनिज संपदा की अवैध निकासी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। तकनीक आधारित निगरानी और कठोर कार्रवाई के माध्यम से अवैध खनन एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य खनिज संसाधनों का पारदर्शी उपयोग, राजस्व की सुरक्षा और राज्य के विकास के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाना है। संशोधित नियमावली में लौह अयस्क के गलत ग्रेड निर्धारण पर रोक लगाने के लिए नियम-17 में नया प्रावधान किया गया है। इससे खनिजों के गलत वर्गीकरण के जरिए होने वाली राजस्व क्षति को रोका जा सकेगा। वहीं, खनिज समानुदानधारी या लेटर ऑफ इंटेंट धारक की मृत्यु होने पर उनके विधिक उत्तराधिकारियों को हस्तांतरण की सुविधा भी मिलेगी। नियमावली के तहत पीला बालू पर 20 रुपये, उजला बालू पर 10 रुपये और पत्थर पर 50 रुपये प्रति मीट्रिक टन प्रबंधन शुल्क निर्धारित किया गया है। इससे सरकार को सालाना करीब 100 करोड़ रुपये अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। इसके अलावा लघु खनिजों के परिवहन में इस्तेमाल होने वाले वाहनों का निबंधन और उनका डिजिटल डाटाबेस तैयार किया जाएगा। अन्य राज्यों से खनिज लेकर बिहार आने वाले वाहनों में जीपीएस लगाना अनिवार्य होगा। जीपीएस नहीं लगाने पर ट्रैक्टर-ट्रॉली और हाफ ट्रक पर 50 हजार रुपये, जबकि बड़े वाहनों पर दो लाख रुपये तक का दंड लगाने का प्रावधान किया गया है।nअवैध परिवहन में पकड़े गए वाहनों के मामले में संपूर्ण खनिज मूल्य और शमन शुल्क जमा होने तक संबंधित वाहनों के लिए खनिज चालान जारी नहीं किया जाएगा। सरकार का मानना है कि इन प्रावधानों से अवैध खनन एवं परिवहन पर नियंत्रण मजबूत होगा और खनन व्यवस्था में पारदर्शिता तथा जवाबदेही बढ़ेगी।

डॉ. रणधीर कुमार राणा को 'दीपोत्सव प्रज्ञा सम्मान', साहित्यिक रचना को मिली सराहना

सुपौल। शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में अपनी रचनात्मक सक्रियता और नवाचार के लिए सुपौल के शिक्षक डॉ. रणधीर कुमार राणा को 'दीपोत्सव प्रज्ञा सम्मान' से सम्मानित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय कलम मंच की ओर से दीपावली के अवसर पर उनकी साहित्यिक रचना 'दीपावली का बदलता स्वरूप' को उत्कृष्ट सृजन के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान-पत्र के माध्यम से मंच ने डॉ. राणा की साहित्यिक प्रतिभा, लेखन कौशल, रचनात्मक अभिव्यक्ति एवं साहित्य के प्रति उनके योगदान की सराहना की। साथ ही उनके साहित्यिक उत्थान और उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। डॉ. रणधीर कुमार राणा सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल स्कूल-सह-बीबी बालिका उच्च माध्यमिक (+2) विद्यालय, सुपौल में शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। शिक्षण कार्य के साथ-साथ वे नवाचार, साहित्यिक गतिविधियों और विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए भी लगातार प्रयासरत रहते हैं। उनकी रचनाओं में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं भावनात्मक विषयों की अभिव्यक्ति देखने को मिलती है। दीपावली के बदलते स्वरूप, सामाजिक परिवर्तनों और पर्व की मूल भावनाओं को केंद्र में रखकर लिखी गई उनकी रचना को मिला यह सम्मान उनके साहित्यिक सफर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। डॉ. राणा की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार, शिक्षकों, साहित्यप्रेमियों एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है तथा भविष्य में भी उत्कृष्ट साहित्यिक सृजन जारी रखने की उम्मीद जताई है।

कायाकल्प अभियान से बदलेगी पंचायत सरकार भवनों की तस्वीरः आरटीपीएस काउंटर व नागरिक सुविधा पट्ट लगाने का आदेश

कटिहार। जिले में 'कायाकल्प अभियान' के तहत सरकारी भवनों के जीर्णोद्धार, रंग-रोगन और सौंदर्यीकरण कार्यों में तेजी लाई जा रही है। इसी क्रम में जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने बुधवार को क्षेत्र भ्रमण के दौरान समेली प्रखंड स्थित पंचायत सरकार भवन, चांदपुर पूर्वी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने भवन की छत, दीवारों, खिड़की-दरवाजों, फर्श की मरम्मत, रंग-रोगन, परिसर की साफ-सफाई, शौचालय, पेयजल, विद्युत व्यवस्था और अभिलेखों के रख-रखाव की बारीकी से जांच की। उन्होंने कार्य एजेंसी को स्पष्ट हिदायत दी कि निर्माण व रंग-रोगन का कार्य निर्धारित मानक और गुणवत्ता के अनुरूप होना चाहिए, इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि पंचायत सरकार भवन ग्रामीण जनता का अपना भवन है और यहां आम लोगों को सभी सरकारी सेवाएं एक ही छत के नीचे मिलनी चाहिए। इसलिए भवन न केवल बाहर से आकर्षक दिखे, बल्कि अंदर से भी पूरी तरह व्यवस्थित और सुविधायुक्त हो। उन्होंने भवन में सभी विभागों के लिए नाम पट्ट, सूचना पट्ट व नागरिक सुविधा पट्ट अनिवार्य रूप से लगाने, बैठक हॉल, आरटीपीएस काउंटर और अभिलेखागार को सुव्यवस्थित करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही परिसर में वृक्षारोपण, पार्किंग, दिव्यांगजनों के लिए रैंप, सोलर लाइट और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। डीएम ने समेली के प्रखंड विकास पदाधिकारी और चांदपुर पूर्वी के मुखिया को निर्धारित समय-सीमा के भीतर जीर्णोद्धार कार्य पूरा कराकर भवन के नियमित रख-रखाव और जनसेवाओं का संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने भी इस पहल पर खुशी जताते हुए कहा कि अब उन्हें छोटे-छोटे कार्यों के लिए प्रखंड मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

डीडीसी के आदेश पर भी नहीं हुआ पीएम आवास की सूची की जांच

तेतरिया। तेतरिया प्रखंड के सभी पंचायतों में बड़े पैमाने पर पीएम आवास योजना की सूची में गड़बड़ी होने की शिकायत मनियारपुर गांव के समाजसेवी राहुल कुमार सिंह ने डीडीसी को आवेदन देकर जांच कराने की मांग किया था। शिकायत पर डीडीसी ने 13 नवंबर को बीडीओ अर्चना कुमारी को पत्र भेज कर पीएम आवास योजना की सूची जांच कर अपात्र लोगों का नाम सूची से बाहर करने का आदेश दिया था।14 दिन बीत जाने के बाद भी सूची कि जांच नहीं कराया गया है।

तेतरिया में पुलिस ओपी खोलने के लिए सीएम को भेजा आवेदन

तेतरिया। तेतरिया प्रखंड, अंचल कार्यालय होने के बाद भी पुलिस थाना नहीं होने से आम जनता में भय व्याप्त है। बर्ष 2007 में नक्सलियों ने तेतरिया प्रखंड, अंचल कार्यालय को उड़ा दिया था। सुरक्षा को लेकर उस समय डीएम, एसपी ने राजेपुर थाना को तेतरिया में शिफ्ट कराया था।तो लोगों में भय खत्म हो गया था। राजेपुर के रानीपटी में नये थाना भवन में राजेपुर थाना चले जाने से तेतरिया क्षेत्र के लोगों में भय व्याप्त हो गया है।तेतरिया मुखिया सुबोध कुमार गुप्ता,शिक्षक विनोद कुमार गुप्ता, पूर्व प्रखंड प्रमुख विनोद कुमार यादव, पूर्व मुखिया अशोक कुमार राय, मुखिया सिया सुन्दरी देवी,मीना देवी,मनोज कुमार यादव, पंचायत समिति सदस्य अभिषेक कुमार यादव, अरविंद कुमार कुशवाहा सहित कई जनप्रतिनिधियों,आम जनता ने सीएम सम्राट चौधरी को आवेदन भेज कर तेतरिया में सुरक्षा की दृष्टि को देखते हुए पुलिस ओपी खोलने की मांग किया है।

रोगाणुरोधी प्रतिरोध से मुकाबले के महत्व को मिलता बढ़ावाः जायसवाल

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।भारतीय फार्मेसी परिषद ने बुधवार,को बापू सभागार, गांधी मैदान, पटना, बिहार में विश्व फार्मासिस्ट दिवस एवं राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह 2026 का राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया। राजकीय फार्मेसी संस्थान, पटना की मेजबानी में आयोजित इस कार्यक्रम ने "स्वस्थ भारतः रोगाणुरोधी प्रतिरोध से मुकाबला" के राष्ट्रीय मिशन के साथ "स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों का सशक्तीकरण" विषय को आगे बढ़ाया।इस कार्यक्रम में बिहार भर से फार्मेसी के विद्यार्थी, संकाय सदस्य, कार्यरत फार्मासिस्ट, सरकारी प्रतिनिधि और विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। समारोह में जागरूकता रैली, उद्घाटन सत्र, पैनल चर्चा तथा शैक्षणिक एवं छात्र गतिविधियाँ शामिल थीं। इनके माध्यम से एंटीबायोटिक दवाओं के विवेकपूर्ण और जिम्मेदार उपयोग तथा रोगियों को परामर्श देने, जिम्मेदारीपूर्वक दवाओं का वितरण करने और जनजागरूकता बढ़ाने में फार्मासिस्टों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।कार्यक्रम की शुरुआत गांधी मैदान (गेट संख्या 5) में एएमआर जागरूकता रैली से हुई। उद्घाटन सत्र में दिलीप कुमार जायसवाल, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री, बिहार सरकार; डॉ. मोंटुकुमार एम. पटेल, अध्यक्ष, पीसीआई; डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी, भारत के औषधि महानियंत्रक; तथा अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों के संबोधन विशिष्ट अतिथियों ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध से मुकाबले के महत्व के साथ-साथ बिहार में फार्मेसी संस्थानों, उद्योग और व्यापक फार्मेसी तंत्र के विकास पर प्रकाश डाला। डॉ. मोंटु कुमार एम. पटेल ने बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं के समग्र विकास पर जोर दिया और राज्य के फार्मेसी क्षेत्र की प्रगति के लिए पीसीआई के सहयोग का आश्वासन दिया।कार्यक्रम में पैनल चर्चा, फार्मा क्विज, साइंटून्स , पोस्टर प्रस्तुतियाँ, सूचना-पत्रक निर्माण, रील निर्माण और नुक्कड़ नाटक शामिल थे। इन गतिविधियों ने विद्यार्थियों को जनस्वास्थ्य संबंधी संदेश प्रसारित करने और रोगाणुरोधी प्रतिरोध से उत्पन्न चुनौतियों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।समापन सत्र एवं आभार आधिकारिक कार्यक्रम में समापन सत्र का प्रावधान था, जिसमें कार्यक्रम की रिपोर्ट, विशिष्ट अतिथियों के संबोधन, पुरस्कार वितरण, सहभागी संस्थानों एवं विशेष योगदानों का सम्मान, धन्यवाद ज्ञापन और बिहार राज्य गीत शामिल थे।स्वस्थ भारत के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता राज्य स्तरीय समारोह ने इस बात को पुष्ट किया कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध से मुकाबला करना एक साझा जिम्मेदारी है। स्वस्थ भारत अभियान के माध्यम से पीसीआई वर्तमान और भावी पीढ़ियों के लिए दवाओं की प्रभावशीलता बनाए रखने हेतु एंटीबायोटिक दवाओं के जिम्मेदार उपयोग, रोगाणुरोधी दवाओं के समुचित प्रबंधन तथा सूचित जनभागीदारी के महत्व को पुनः रेखांकित करती है।

900 रुपये से शुरू होगा सोनपुर मेले का टूर पैकेज, पर्यटकों को मिलेगी एसी बस से लग्जरी कार तक की सुविधा



नई सोच एक्सप्रेस

पटना। विश्वप्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेले का भ्रमण अब पर्यटक विशेष टूर पैकेज के जरिए भी कर सकेंगे। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम ने मेले में आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए अलग-अलग बजट के अनुसार टूर पैकेज तैयार किए हैं। इनकी शुरुआत 900 रुपये प्रति व्यक्ति से हो रही है। वहीं, दो लोगों के लिए छह हजार रुपये का विशेष कपल पैकेज भी उपलब्ध कराया गया है। इन पैकेजों में एसी बस से लेकर लग्जरी कार तक से आने-जाने की सुविधा मिलेगी। पर्यटन निगम की ओर से पटना के दो स्थानों से सोनपुर मेले के लिए वाहनों का परिचालन किया जा रहा है। इनमें वीरचंद पटेल पथ स्थित कौटिल्य विहार होटल और दारोगा राय पथ स्थित सिख हेरिटेज गुरु नानक भवन शामिल हैं। इन दोनों स्थानों से प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से शाम सात बजे तक सोनपुर के लिए वाहन उपलब्ध रहेंगे।

बाइक सवार युवक की गोली मारकर हत्या, घटनास्थल से लोडेड पिस्टल बरामद

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर। बुधवार की सुबह नगर के न्यू तारा चक झपटिया हनुमान मंदिर के पास अज्ञात हमलावरों ने मोटरसाइकिल सवार एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान न्यू तारा चक निवासी प्रमोद राय के 19 वर्षीय पुत्र रौशन कुमार उर्फ किट्टू के रूप में हुई है। वहीं वारदात के बाद हमलावर फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस घटनास्थल से एक पिस्टल, मैगजीन और तीन गोलियां बरामद किया है। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस में मौजूद मृतक के परिजनों ने बताया कि बुधवार की सुबह करीब 7:30 बजे रौशन अपने भाई का मोटरसाइकिल लेकर घर से निकला। थोड़ी ही दूर झपटीया मंदिर के पास पहुंचने पर घात लगाए हमलावरों ने उसे गोली मार दिया। और पैदल ही फरार हो गए। लोगों ने इस घटना की सूचना उनलोगों दी गईं तो वे सभी आनन फानन में घटनास्थल पर पहुंच खून से लथपथ पड़े रौशन को सगुना स्थित निजी अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। रौशन को पीछे की तरफ सिर में गोली लगी थी। परिजनों ने बताया कि रौशन स्नातक का छात्र था और वह सर गणेशदत्त मेमोरियल कॉलेज में पढ़ता था। वहीं इस घटना की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस घटनास्थल से एक पिस्टल बरामद



किया जिसमें तीन गोलियां फंसी हुई मिली। जिसे बड़े ही सावधानी से गोली को पिस्टल से निकाला गया। लोगों के अनुसार रौशन को गोली मारने के बाद घबराहट में हमलावर पिस्टल छोड़ कर फरार हो गए। एसडीपीओ अजीत कुमार ने बताया कि घटनास्थल से लोडेड पिस्टल बरामद की गई है। घटना के पीछे कारण क्या है इसकी जांच किया जा रहा है इसके साथ हमलावरों की पहचान करने एवं उनकी गिरफ्तारी करने में पुलिस जुटी हुई है।

राष्ट्रीय मंच पर चमकीं बिहार की जीविका दीदियां, महिला सशक्तीकरण की साझा की कहानी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। राष्ट्रीय लैंगिक समानता अभियान 'नई चेतना–पहल बदलाव की' के पांचवें संस्करण 'नई चेतना 5.0' का बुधवार को शुभारंभ हुआ। 25 नवंबर से 23 दिसंबर तक चलने वाले इस अभियान के तहत बिहार में जीविका के माध्यम से महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, लैंगिक हिंसा के खिलाफ आवाज बुलंद करने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। नई दिल्ली के भारत रत्न सी. सुब्रमण्यम ऑडिटोरियम में आयोजित राष्ट्रीय शुभारंभ समारोह में बिहार की दो जीविका दीदियों ने अपनी उपलब्धियों और अनुभवों को साझा कर राज्य का प्रतिनिधित्व किया। भागलपुर जिले के कहलगांव प्रखंड की रूबी देवी ने दीदी अधिकार केंद्र के माध्यम से महिला सशक्तीकरण



और महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। वहीं, नालंदा जिले के हरनौत प्रखंड की मीरा देवी ने पैनल चर्चा में सामुदायिक नेतृत्व, महिला सशक्तीकरण और आर्थिक आत्मनिर्भरता के प्रयासों को प्रस्तुत किया।

विशेष भूमि सर्वेक्षण की हर महीने होगी समीक्षा, जिलों की प्रतिदिन होगी मॉनिटरिंग : दिलीप जायसवाल

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार में विशेष भूमि सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने निगरानी व्यवस्था को और सख्त करने का निर्णय लिया है। विभागीय मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल हर महीने सर्वेक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेंगे, जबकि सभी जिलों के कार्यों की प्रतिदिन मॉनिटरिंग की जाएगी। उन्होंने सर्वे निदेशालय में पदस्थापित नोडल पदाधिकारियों को दैनिक प्रगति रिपोर्ट मुख्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। बुधवार को पटना के शास्त्रीनगर स्थित राजस्व सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री ने कहा कि विशेष भूमि सर्वेक्षण सरकार की प्राथमिकता वाला महत्वपूर्ण अभियान है। इसकी प्रगति का आकलन केवल कुल उपलब्धि के आधार पर नहीं, बल्कि प्रत्येक जिले के निर्धारित मासिक लक्ष्य और उसके विरुद्ध हुई उपलब्धि के आधार पर किया जाएगा। इससे पिछड़ रहे जिलों की पहचान कर कार्यों में तेजी लाई जा सकेगी। मंत्री ने नोडल पदाधिकारियों को अपने आवंटित जिलों की प्रतिदिन समीक्षा करने और कार्यों में आ रही बाधाओं की जानकारी मुख्यालय को देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दैनिक मॉनिटरिंग और मासिक समीक्षा से अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित होगी। साथ ही सर्वेक्षण कार्यों में तेजी के साथ गुणवत्ता और पारदर्शिता का भी पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेष भूमि सर्वेक्षण का उद्देश्य भू-अभिलेखों को स्पष्ट, अद्यतन और पारदर्शी बनाने के साथ भूमि विवादों का स्थायी समाधान करना है। सर्वेक्षण पूरा होने से जमीन से जुड़े विवादों और न्यायालयों में मुकदमों का बोझ कम होगा। इसके अलावा आम लोगों को बैंक से ऋण लेने, निवास एवं दखल-कब्जा प्रमाण पत्र प्राप्त करने तथा पारिवारिक संपत्ति के बंटवारे में भी सहूलियत मिलेगी। मंत्री ने बंदोबस्त अधिकारियों को अधीनस्थ कर्मियों के कामकाज की नियमित निगरानी करने और प्रतिदिन कार्यों का आत्ममूल्यांकन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अभियान की सफलता के लिए पूरी टीम की सामूहिक जिम्मेदारी और जवाबदेही जरूरी है। विभाग के सचिव जय सिंह ने भी निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने तथा गुणवत्ता से समझौता नहीं करने का निर्देश दिया। बैठक में भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय के निदेशक सुहर्ष भगत ने बताया कि विशेष सर्वेक्षण के दूसरे चरण में राज्य के सभी 36 जिलों के 444 अंचलों के 37,430 मौजों में सर्वेक्षण का काम चल रहा है। इसके तहत कुल 8 करोड़ 70 लाख 24 हजार 440 खेसरों का सर्वेक्षण किया जाना है। इस कार्य में 6,772 अमीन लगाए गए हैं। बैठक में सचिव सीमा त्रिपाठी, सहायक निदेशक सुबोध कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी अनुपम प्रकाश सहित सभी जिलों के बंदोबस्त पदाधिकारी उपस्थित थे।

बिहपुर-खरीक के किसानों का इंतजार होगा खत्म, 27.48 करोड़ से बनेंगे दो पीपापुल

नई सोच एक्सप्रेस



भागलपुर। बिहपुर और खरीक प्रखंड के सैकड़ों किसानों की लंबे समय से चली आ रही मांग जल्द ही पूरी होने जा रही है। गंगा दियारा क्षेत्र में खेती-किसानी और आवागमन को सुगम बनाने के लिए दो नए पीपापुलों का निर्माण कराया जाएगा। करीब 27.48 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले ये दोनों पुल नरकटिया लतामबाड़ी और नन्हकार ढाला स्थित गंगा मरगंग धार पर बनाए जाएंगे। बुधवार को राज्य के पथ निर्माण मंत्री सह बिहपुर के विधायक इंजीनियर शैलेंद्र ने फोन पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि दोनों पीपापुलों के निर्माण से जुड़ी प्रशासनिक स्वीकृति की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। मंत्री ने कहा कि इन पुलों के बन जाने से बिहपुर प्रखंड के कई गांवों के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और लगभग 20 हजार एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में फैले गंगा दियारा में खेती करना बेहद आसान हो जाएगा। साथ ही, किसानों को खेतों से अनाज और अन्य कृषि उपज घर तक लाने में होने वाली भारी परेशानी से भी स्थायी निजात मिलेगी। इधर, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रो. गौतम ने लागत का ब्योरा देते हुए बताया कि नरकटिया धार पर 14.04 करोड़ रुपये और नन्हकार धार पर 13.44 करोड़ रुपये की लागत से पीपापुल का निर्माण होगा। इन दोनों पुलों के तैयार होने से लत्तीपुर, नरकटिया, गौरीपुर, अमरपुर, बभनगामा, सोनवर्षा, मड़वा और जयरामपुर सहित आसपास के दर्जनों गांवों के किसानों को दियारा में खेती करने और फसल को सुरक्षित घर तक पहुंचाने में बड़ी सहूलियत होगी।

सुगौली में बोलेरो से 316.56 लीटर विदेशी शराब बरामद, दो गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।सुगौली थाना क्षेत्र के छपवा के पास पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक बोलेरो से 316.56 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। इस दौरान बोलेरो में सवार पश्चिमी चंपारण जिले के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शराब के साथ तस्करी में इस्तेमाल बोलेरो को भी जब्त कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान शिकारपुर थाना क्षेत्र के चेगौना गांव निवासी मीर हसन पे० शाहिद मियां तथा चौतरवा थाना क्षेत्र के चंदरपुर बकवा गांव निवासी बालिस्टर सिंह पे० स्व. राजेश्वर सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, बोलेरो का रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 01 पीजी 6899 है। वाहन की तलाशी के दौरान विभिन्न ब्रांड की विदेशी शराब बरामद की गई। इसमें 29 कार्टन 8 पीएम फ्रूटी शामिल है, जिसमें प्रत्येक



कार्टन में 48 पीस के हिसाब से कुल 250.56 लीटर शराब थी। इसके अतिरिक्त रॉयल स्टैग व्हिस्की के तीन कार्टन में 750 एमएल की 12-12 बोतलें तथा दो कार्टन में 375 एमएल की 24-24 बोतलें बरामद की गईं। इनकी कुल मात्रा क्रमशः 27 लीटर और 18 लीटर है। इसके अलावा ब्लेंडर्स प्राइड व्हिस्की के एक कार्टन में 750 एमएल की 12 बोतलें, कुल नौ लीटर तथा किंगफिशर बियर के एक कार्टन में 500 एमएल की 24 बोतलें, कुल 12 लीटर बरामद हुईं। इस प्रकार बरामद विदेशी शराब की को कुल मात्रा 316.56 लीटर बताई गई है। पुलिस दोनों आरोपितों से पूछताछ कर शराब तस्करी के मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

ट्रस्ट म्यूचुअल फंड के नए सीईओ बने अनुप सेठ

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। ट्रस्ट म्यूचुअल फंड ने अनुप सेठ को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति 20 नवंबर 2026 से प्रभावी हो गई है। वित्तीय सेवाओं, रिटेल और डिजिटल प्लेटफॉर्म के क्षेत्र में 26 वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाले अनुप सेठ अब ट्रस्ट म्यूचुअल फंड के विकास के अगले चरण का नेतृत्व करेंगे। नियुक्ति के बाद अनुप सेठ ने कहा कि भारत में लंबी अवधि की बचत और निवेश के लिए म्यूचुअल फंड महत्वपूर्ण माध्यम बनते जा रहे हैं। ऐसे में निवेशकों का विश्वास बनाए रखना और उन्हें बाजार के हर उतार-चढ़ाव के दौरान निवेश के प्रति जागरूक करना उद्योग की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कंपनी का फोकस निवेशकों तक पहुंच बढ़ाने, वितरण नेटवर्क मजबूत करने, बेहतर उत्पाद उपलब्ध कराने और पारदर्शी संवाद के जरिए निवेशकों का भरोसा जीतने पर रहेगा। ट्रस्ट म्यूचुअल फंड के संस्थापक एवं निदेशक उत्पल शेठ ने अनुप सेठ का स्वागत करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व और वितरण नेटवर्क के विस्तार में अनुभव से संस्था को नई गति मिलेगी। उन्होंने म्यूचुअल फंड की स्थापना और विकास में संदीप बागला के योगदान की भी सराहना की। वहीं, ट्रस्ट ग्रुप के अध्यक्ष (रणनीति एवं समन्वय) संदीप बागला ने कहा कि ट्रस्ट म्यूचुअल फंड की विकास यात्रा टीम, निवेशकों और वितरण भागीदारों के विश्वास से संभव हुई है। उन्होंने नए सीईओ को आगामी



जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं। ट्रस्ट म्यूचुअल फंड के मुख्य निवेश अधिकारी मिहिर वोरा ने कहा कि अनुप सेठ का ग्राहक-केंद्रित अनुभव कंपनी की निवेश विशेषज्ञता को और मजबूत करेगा। उल्लेखनीय है कि ट्रस्ट म्यूचुअल फंड में शामिल होने से पहले अनुप सेठ Edelweiss Life Insurance में निदेशक एवं मुख्य वितरण अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। वहां वे वितरण, रणनीति, मार्केटिंग और डिजिटल पहलों की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

उत्तर प्रदेश 2027 : चुनावी महासंग्राम की ओर बढ़ता प्रदेश, जाति-धर्म, मतदाता सूची और गठबंधन की सियासत होगी निर्णायक



आरती कुमारी

उत्तर प्रदेश की राजनीति एक बार फिर बड़े चुनावी महासंग्राम की दहलीज पर खड़ी दिखाई दे रही है। फरवरी-मार्च 2027 में प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव होने की संभावना है। इन चुनावों को केवल उत्तर प्रदेश की सत्ता के लिए संघर्ष के रूप में नहीं, बल्कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय राजनीति की दिशा और दशा तय करने वाले महत्वपूर्ण राजनीतिक पड़ाव के तौर पर भी देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश के साथ पंजाब, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में भी 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। वहीं वर्ष के अंत में गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव निर्धारित हैं। ऐसे में 2027 का चुनावी वर्ष देश की राजनीति के लिए व्यापक महत्व रखता है। लेकिन इन सभी राज्यों में उत्तर प्रदेश का चुनाव सबसे अधिक राजनीतिक, सामाजिक और रणनीतिक चुनौती वाला साबित हो सकता है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है। यहां सत्ता का समीकरण केवल विकास, कानून-व्यवस्था और सरकारी योजनाओं के आधार पर नहीं बनता, बल्कि जातीय पहचान, धार्मिक ध्रुवीकरण, सामाजिक प्रतिनिधित्व, स्थानीय प्रभाव, राजनीतिक गठबंधन और मतदाता सूची जैसे विषय भी चुनावी परिणामों को प्रभावित करते हैं। इस बार इन सभी मुद्दों के एक साथ सक्रिय होने से चुनावी माहौल और अधिक जटिल होता दिखाई दे रहा है। भाजपा, समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी और नए राजनीतिक समीकरणों के बीच मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की होड़ अभी से तेज हो चुकी है।

मतदाता सूची का पुनरीक्षण और चुनावी राजनीति 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर राजनीतिक बहस का बड़ा मुद्दा बन गया है। निर्वाचन आयोग की ओर से 17 नवंबर 2026 को जारी मसौदा मतदाता सूची में उत्तर प्रदेश के कुल 13.58 करोड़ मतदाता दर्ज किए गए हैं। 10 अप्रैल 2026 को एसआईआर के बाद प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची की तुलना में मसौदा सूची में 18,84,113 मतदाताओं की शुद्ध वृद्धि दर्ज की गई है। इसमें महिला मतदाताओं की संख्या में 10,96,828 और पुरुष मतदाताओं की संख्या में 7,87,449 की वृद्धि हुई है। इससे पहले पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान करीब 15.44 करोड़ मतदाताओं की जांच के बाद 12.55 करोड़ नाम बरकरार रखे गए थे और लगभग 2.89 करोड़ नाम सूची से हटाए गए थे। इतने बड़े पैमाने पर नामों के हटने और नए नाम जोड़ने की प्रक्रिया ने राजनीतिक दलों को सतर्क कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया है कि पंचायत और विधानसभा मतदाता सूची के बीच भ्रम तथा अन्य कारणों से करीब 1 करोड़ 27 लाखहिंदू मतदाताओं के नाम सूची मेंशामिल नहीं हो पाए हैं। भाजपा ने इस मुद्दे पर बूथ स्तर तक अभियान चलाकर मतदाताओं के नाम जोड़ने और सूची की निगरानी करने की रणनीति बनाई है। दूसरी ओर समाजवादी पार्टी भी मतदाता सूची में संभावित गड़बड़ियों और नाम काटे जाने के आरोपों को लेकर सक्रिय है। पार्टी कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सूची की निगरानी और मतदाताओं के नामों की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। मुस्लिम समुदाय के विभिन्न वर्गों की ओर से भी मतदाता सूची में नाम काटे जाने को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं। हालांकि, ऐसे आरोपों की पुष्टि निष्पक्ष जांच और निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के आधार पर ही होनी चाहिए। मतदाता सूची का पुनरीक्षण लोकतांत्रिक प्रक्रिया का आवश्यक हिस्सा है, लेकिन इसकी पारदर्शिता, निष्पक्षता और सभी पात्र नागरिकों के मताधिकार की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। चुनाव से पहले मतदाता सूची को लेकर पैदा होने वाला अविश्वास यदि राजनीतिक विवाद का रूप लेता है, तो इसका असर चुनावी माहौल पर पड़ना स्वाभाविक है।

विपक्षी गठबंधन और नए राजनीतिक समीकरण-

उत्तर प्रदेश में भाजपा के सामने मुख्य विपक्षी चुनौती समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन से आने की संभावना है। पिछले राजनीतिक अनुभवों के आधार पर दोनों दल सामाजिक समीकरणों, पिछड़े वर्गों, दलितों, अल्पसंख्यकों और अन्य वर्गों के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश करेंगे। लेकिन विपक्ष की राह आसान नहीं है। बहुजन समाज पार्टी की अलग रणनीति, असदुद्दीन ओवैसी की सक्रियता और चंद्रशेखर आजाद की राजनीतिक भूमिका विपक्षी वोटों के समीकरण को प्रभावित कर सकती है। मायावती की बहुजन समाज पार्टी लंबे समय से अपनी स्वतंत्र राजनीतिक रणनीति पर चल रही है। बसपा का जाटव समुदाय में मजबूत पारंपरिक आधार रहा है, जबकि अन्य दल भी दलित मतदाताओं के बीच अपना प्रभाव बढ़ाने के प्रयास कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी, भाजपा और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के बीच दलित मतदाताओं को आकर्षित करने की प्रतिस्पर्धा आने वाले दिनों में और तेज हो सकती है। बसपा की स्वतंत्र चुनावी रणनीति को कुछ राजनीतिक विश्लेषक विपक्षी वोटों के बंटवारे की संभावना से जोड़कर देखते हैं, जबकि बसपा की राजनीति का अपना सामाजिक आधार और स्वतंत्र राजनीतिक उद्देश्य भी है। इसी बीच असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के बीच चुनाव पूर्व समझौते की घोषणा ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में नई चर्चा पैदा कर दी है। इस गठबंधन का प्रभाव केवल सीटों की संख्या तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच राजनीतिक प्रतिनिधित्व, स्थानीय नेतृत्व और चुनावी प्राथमिकताओं को भी प्रभावित कर सकता है। दोनों दलों की रणनीति यदि कुछ विधानसभा क्षेत्रों में प्रभावी होती है, तो वहां पारंपरिक राजनीतिक समीकरणों में बदलाव संभव है। प्रदेश में मुस्लिम मतदाताओं की आबादी लगभग 19 से 20 प्रतिशत मानी जाती है। लंबे समय से समाजवादी पार्टी और कांग्रेस इस वर्ग के मतदाताओं के बीच समर्थन मजबूत करने की कोशिश करती रही हैं। ऐसे में एआईएमआईएम, बसपा और अन्य दलों की सक्रियता को मुस्लिम मतदाताओं के संभावित विभाजन के संदर्भ में देखा जा रहा है। लेकिन यह मान लेना कि मुस्लिम मतदाता किसी एक दल के साथ पूरी तरह एकजुट हैं या किसी नए गठबंधन के कारण निश्चित रूप से विभाजित हो जाएंगे, राजनीतिक वास्तविकता को सरल बनाकर देखने जैसा होगा। मतदाता स्थानीय उम्मीदवार, राजनीतिक विश्वसनीयता, मुद्दों, सुरक्षा, रोजगार और नेतृत्व के आधार पर भी निर्णय लेते हैं।

धर्म और जाति की राजनीति के बीच बढ़ती संवेदनशीलता-

उत्तर प्रदेश की चुनावी राजनीति में धर्म और जाति लंबे समय से प्रभावशाली कारक रहे हैं। इस बार भी धार्मिक मुद्दों के साथ जातीय समीकरणों के उभार की संभावना है। राम जन्मभूमि आंदोलन और अयोध्या में मंदिर निर्माण के बाद भाजपा ने धार्मिक मुद्दों के माध्यम से अपनी राजनीतिक पहचान को मजबूत किया है। अब मथुरा की कृष्ण जन्मभूमि से जुड़ा मुद्दा भी राजनीतिक विमर्श में चर्चा का विषय बन सकता है। हालांकि, धार्मिक मुद्दों का चुनावी इस्तेमाल सामाजिक सद्भाव और संवैधानिक मूल्यों के संदर्भ में गंभीर बहस पैदा करता है। इसी बीच बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र शास्त्री के भगवान कृष्ण से संबंधित विवादित बयान को लेकर भी राजनीतिक और सामाजिक चर्चा हुई है। उनके बयान के बाद विरोध और समर्थन की प्रतिक्रियाएं सामने आईं तथा उन्होंने माफी भी मांगी। धार्मिक मंचों से दिए जाने वाले बयान जब राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनते हैं, तो उनका प्रभाव केवल समर्थकों और विरोधियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि सामाजिक संबंधों पर भी पड़ सकता है। ऐसे समय में धार्मिक आस्था, सार्वजनिक अभिव्यक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

जातीय राजनीति की दृष्टि से भी उत्तर प्रदेश का चुनाव बेहद महत्वपूर्ण होगा। ब्राह्मण समुदाय की राजनीतिक भूमिका, राजपूत और ठाकुर वर्ग के बीच असंतोष की चर्चाएं, पिछड़े वर्गों की विभिन्न उपजातियों का प्रतिनिधित्व और दलित समुदायों के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा चुनावी रणनीति का हिस्सा बन सकती हैं। टिकट वितरण में जातीय समीकरणों को प्राथमिकता देने की परंपरा कई दलों में दिखाई देती रही है। ऐसे में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में उम्मीदवार चयन स्थानीय जातीय संरचना और राजनीतिक प्रभाव को ध्यान में रखकर किया जा सकता है।

लेकिन जातीय समीकरणों को केवल संख्या और वोट बैंक तक सीमित करना भी उचित नहीं होगा। विभिन्न समुदायों के भीतर राजनीतिक विचारों, आर्थिक परिस्थितियों, शिक्षा, रोजगार और स्थानीय समस्याओं को लेकर मतभेद मौजूद हैं। यही विविधता चुनावी परिणामों को अप्रत्याशित बना सकती है।

डिजिटल प्रचार और भ्रामक सूचनाओं की चुनौती- 2027 का चुनाव डिजिटल प्रचार के लिहाज से भी महत्वपूर्ण होगा। सोशल मीडिया, व्हाट्सएप, वीडियो प्लेटफॉर्म और अन्य डिजिटल माध्यमों के जरिए राजनीतिक संदेश तेजी से प्रसारित होते हैं। इन माध्यमों ने राजनीतिक संवाद को व्यापक बनाया है, लेकिन इनके जरिए भ्रामक सूचनाएं, पुराने वीडियो, फर्जी दावे और धार्मिक अथवा जातीय आधार पर भड़काऊ सामग्री भी फैल सकती है। चुनावी माहौल में ऐसी सामग्री सामाजिक तनाव को बढ़ाने, मतदाताओं को भ्रमित करने और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ अविश्वास पैदा करने का माध्यम बन सकती है। निर्वाचन आयोग, प्रशासन, राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के सामने चुनौती होगी कि वे चुनावी प्रचार की स्वतंत्रता के साथ-साथ हिंसा, नफरत और भ्रामक सूचनाओं के प्रसार पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करें।

न्याय की प्रतीक्षा में एक महिला, जवाब की प्रतीक्षा में समाज

एक शिकायत, एक उम्मीद और निष्पक्ष जांच की राह



धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार

न्याय की पहली सीढ़ी शिकायत है और दूसरी सीढ़ी निष्पक्ष जांच। जब कोई महिला अपनी पीड़ा लेकर पुलिस या प्रशासन के दरवाजे तक पहुंचती है, तो वह केवल एक आवेदन नहीं देती, बल्कि व्यवस्था पर अपना भरोसा भी सौंपती है। इसलिए सवाल यह होना चाहिए कि शिकायत के बाद जांच कितनी गंभीरता और कितनी पारदर्शिता से आगे बढ़ी। बिहार के मधेपुरा जिले के उदाकिशुनगंज अनुमंडल क्षेत्र स्थित आलमनगर थाना कांड संख्या 291/26 को लेकर भी यही सवाल सामने आता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, संबंधित महिला ने 19 अक्टूबर 2026 को पुलिस के समक्ष आवेदन दिया, जिसके बाद 25 अक्टूबर 2026 को भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। प्राथमिकी में गंभीर आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, आरोपों को अंतिम सत्य मानना उचित नहीं होगा। उनकी पुष्टि या खंडन पुलिस जांच और न्यायिक प्रक्रिया से ही संभव है। इसलिए इस मामले में किसी पक्ष को दोषी ठहराने के बजाय सवाल जांच की प्रक्रिया पर होना चाहिए।

19 अक्टूबर के आवेदन से 25 अक्टूबर को प्राथमिकी दर्ज होने तक क्या प्रक्रिया अपनाई गई और प्राथमिकी के बाद जांच किस दिशा में आगे बढ़ी—यह स्पष्ट होना जरूरी है।

पुरानी शिकायत से वर्तमान प्राथमिकी तक: बताया जाता है कि संबंधित महिला इससे पहले भी प्रशासन के समक्ष शिकायत कर चुकी हैं। वर्ष 2018 में तत्कालीन पुलिस अधीक्षक के समक्ष शिकायत दिए जाने तथा उसके बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाने की बात सामने आती है। यदि संबंधित अभिलेख इसकी पुष्टि करते हैं, तो पुराने रिकॉर्ड की समीक्षा वर्तमान मामले को समझने में महत्वपूर्ण हो सकती है। सवाल यह भी है कि उस समय की शिकायत पर क्या जांच हुई? उसका निष्कर्ष क्या रहा? यदि कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी तो उसका कारण क्या था? इन सवालों का उद्देश्य किसी व्यक्ति या अधिकारी पर आरोप लगाना नहीं, बल्कि प्रशासनिक प्रक्रिया की पारदर्शिता को समझना है।

साक्ष्य बनें जांच का आधार: किसी मामले में पक्षकारों की सामाजिक, राजनीतिक या पारिवारिक पहचान जांच का आधार नहीं होनी चाहिए। जांच का आधार होना चाहिए—दस्तावेज, बयान, साक्ष्य और कानून। प्राथमिकी दर्ज होना दोष सिद्ध होने का प्रमाण नहीं है। इसी तरह शिकायत को नजरअंदाज करना भी न्याय के हित में नहीं है। शिकायतकर्ता को अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है और आरोपित पक्ष को निष्पक्ष जांच तथा कानूनी अधिकारों की रक्षा का अवसर मिलना चाहिए।

प्रशासन से अपेक्षा निष्पक्ष प्रक्रिया की: इस मामले में प्रशासन से किसी पक्ष के समर्थन या विरोध की अपेक्षा नहीं है। अपेक्षा केवल निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच की है। यदि आरोप साक्ष्यों से पुष्ट होते हैं तो नियमानुसार कार्रवाई हो और यदि आरोप प्रमाणित नहीं होते तो आरोपित पक्ष को भी न्याय मिले। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को लेकर लगातार जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। ऐसे में किसी महिला का न्याय और जवाब की प्रतीक्षा में रहना व्यवस्था के लिए आत्ममंथन का विषय है। लेकिन न्याय का अर्थ यह भी है कि केवल आरोप के आधार पर किसी व्यक्ति को दोषी न माना जाए। समाज को इस मामले में किसी पक्ष के समर्थन या विरोध में फैसला सुनाने के बजाय जांच के निष्कर्ष की प्रतीक्षा करनी चाहिए। न्याय किसी एक पक्ष की जीत नहीं, बल्कि तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर सत्य तक पहुंचने की प्रक्रिया है। अब जरूरत किसी निष्कर्ष को पहले से तय करने की नहीं, बल्कि जांच को निष्पक्ष और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने की है। शिकायतकर्ता को जवाब मिले, आरोपित पक्ष को निष्पक्षता मिले और कानून अपना काम करे—यही न्याय व्यवस्था की वास्तविक कसौटी है। एक शिकायत का जवाब निष्पक्ष जांच से, एक आरोप का जवाब साक्ष्य से और न्याय की प्रतीक्षा का जवाब स्पष्ट परिणाम से ही दिया जा सकता है।

महात्मा फुले की 200वीं जयंती पर विशेष

विधवाओं के सम्मान और अधिकार के लिए महात्मा फुले का ऐतिहासिक संघर्ष



हेमलता म्हस्के/ नई दिल्ली

महात्मा ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती उनके सामाजिक संघर्ष और सुधारवादी विचारों को याद करने का महत्वपूर्ण अवसर है। महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न हिस्सों में उनकी जयंती मनाई जा रही है। महात्मा फुले ने अपने समय में दलितों, वंचितों, किसानों, महिलाओं और बच्चों के अधिकारों के लिए जिस साहस के साथ आवाज उठाई, वह भारतीय सामाजिक सुधार आंदोलन की महत्वपूर्ण विरासत है। महात्मा फुले और उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले ने महिलाओं की शिक्षा के लिए उस दौर में संघर्ष किया, जब लड़कियों की शिक्षा को समाज का बड़ा वर्ग स्वीकार नहीं करता था। सावित्रीबाई को स्कूल जाते समय विरोध और अपमान का सामना करना पड़ा, लेकिन फुले दंपती पीछे नहीं हटे। उन्होंने शिक्षा को सामाजिक मुक्ति का माध्यम बनाया। महात्मा फुले का विशेष ध्यान विधवाओं की दयनीय स्थिति पर था। 19वीं सदी में कम उम्र में विधवा होने वाली महिलाओं का जीवन बेहद कठिन था। उनके सिर मुंडवा दिए जाते, अच्छे कपड़े और भोजन से वंचित किया जाता तथा उन्हें सामाजिक समारोहों से दूर रखा जाता था। पुनर्विवाह को भी सामाजिक स्वीकृति नहीं थी। ऐसी परिस्थितियों में विधवाओं का मानसिक और शारीरिक शोषण आम बात थी। फुले ने विधवा को दया का पात्र नहीं, बल्कि सम्मान और अधिकार रखने वाला इंसान माना। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया और इसके लिए समाज में जागरूकता पैदा की। विधवाओं का सिर मुंडवाने की कुप्रथा के खिलाफ उन्होंने नाइयों को संगठित किया और उनसे विधवाओं के सिर नहीं मुंडवाने की अपील की। यह सामाजिक रूढ़ियों के खिलाफ साहसिक कदम था।

बाल हत्या प्रतिबंधक गृह की स्थापना: विधवाओं के सामने सामाजिक कलंक और अनचाहे गर्भ की समस्या भी गंभीर थी। महात्मा फुले ने 1863 में बाल हत्या प्रतिबंधक गृह की स्थापना की। यहां विधवाएं सुरक्षित रूप से बच्चे को जन्म दे सकती थीं और उनकी पहचान गोपनीय रखी जाती थी। इसका उद्देश्य नवजात शिशुओं की हत्या रोकना और असहाय महिलाओं को सुरक्षा देना था। फुले ने जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता के खिलाफ भी संघर्ष किया। उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना कर रूढ़ियों और भेदभाव के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाया। महिलाओं और वंचित वर्गों को शिक्षा और सम्मान दिलाना उनके आंदोलन का प्रमुख उद्देश्य था। आज कानून ने महिलाओं और विधवाओं को कई अधिकार दिए हैं, लेकिन सामाजिक भेदभाव और रूढ़ मानसिकता पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। ऐसे में महात्मा फुले की 200वीं जयंती उनके विचारों को वर्तमान समाज में लागू करने का अवसर है। महात्मा फुले का संदेश स्पष्ट था—सामाजिक परिवर्तन केवल कानून बनाने से नहीं, बल्कि सोच बदलने से आता है। विधवाओं को सम्मान, महिलाओं को शिक्षा और वंचितों को समान अधिकार दिलाने का उनका संघर्ष आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

सत्य, सेवा, सद्भाव और मानवता का संदेश हैं - कार्तिक पूर्णिमा और गुरु नानक देव जी के उपदेश



जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

सत्य और आस्था मानव जीवन के ऐसे आधार स्तंभ हैं, जो कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी मनुष्य को रास्ता दिखाने के साथ उसे साहस, संबल और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करते हैं। सत्य हमें सही और गलत के बीच अंतर करना सिखाता है, जबकि आस्था जीवन में विश्वास, धैर्य और आत्मिक शांति का संचार करती है। इन दोनों का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को पवित्रता, सेवा, सद्भाव और श्रेष्ठ कर्मों की ओर प्रेरित करना है। आज का दिन इन्हीं जीवन मूल्यों की प्रधानता और आध्यात्मिक महत्ता का अद्भुत संगम लेकर आया है। मंगलवार को कार्तिक पूर्णिमा के साथ ही सिख धर्म के प्रथम गुरु, गुरु नानक देव जी का 557वां प्रकाश पर्व भी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। एक ओर कार्तिक पूर्णिमा आत्मशुद्धि, आस्था, दान, पुण्य और आध्यात्मिक जागरण का प्रतीक है, तो दूसरी ओर गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व मानवता, समानता, प्रेम, सेवा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। दोनों पर्वों का संदेश भले ही अलग-अलग धार्मिक परंपराओं से जुड़ा हो, लेकिन उनकी आत्मा एक ही है 'मनुष्य के भीतर सद्भाव और सदाचार का प्रकाश जगाना'। प्रकाश केवल अंधकार को समाप्त करने का माध्यम नहीं है। उसका वास्तविक अर्थ मनुष्य के अंतर्मन में छिपी अज्ञानता, अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष, लोभ और नकारात्मकता को दूर करना भी है। जब मन निर्मल होता है, विचार सकारात्मक होते हैं और कर्म निःस्वार्थ भावना से प्रेरित होते हैं, तभी जीवन में सच्चे प्रकाश का उदय होता है। भारतीय सनातन परंपरा में कार्तिक मास को अत्यंत पवित्र और पुण्यदायी माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह महीना भगवान विष्णु की आराधना, भगवान शिव की उपासना, दीपदान, स्नान, दान और भक्ति के लिए विशेष महत्व रखता है। कार्तिक मास की पूर्णिमा इस आध्यात्मिक यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में स्नान करने, दीपदान करने, जरूरतमंदों को दान देने और ईश्वर का स्मरण करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। गंगा, यमुना, नर्मदा और अन्य पवित्र नदियों के तटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना होती है और घरों से लेकर घाटों तक दीपों की रोशनी वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देती है। लेकिन कार्तिक पूर्णिमा की वास्तविक महत्ता केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है। इसका गहरा संदेश यह है कि मनुष्य अपने भीतर झांककर स्वयं का मूल्यांकन करे। वह यह समझने का प्रयास करे कि उसके विचार कितने पवित्र हैं, उसके व्यवहार में कितनी विनम्रता है और उसके कर्मों में कितनी निःस्वार्थता है। बाहरी शुद्धता के साथ आंतरिक शुद्धता भी आवश्यक है। शरीर को स्वच्छ रखना जितना महत्वपूर्ण है, मन को ईर्ष्या, द्वेष और अहंकार से मुक्त रखना उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यदि मन में किसी के प्रति घृणा है, व्यवहार में छल है और कर्मों में स्वार्थ है, तो केवल धार्मिक अनुष्ठान जीवन को पूर्णतः पवित्र नहीं बना सकते। कार्तिक पूर्णिमा हमें यही आत्मबोध कराती है कि धर्म का वास्तविक स्वरूप मानवता और सदाचार में निहित है। कार्तिक पूर्णिमा का एक अत्यंत आकर्षक और महत्वपूर्ण पक्ष देव दीपावली भी है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का वध कर देवताओं को उसके अत्याचार से मुक्ति दिलाई थी। इस विजय की स्मृति में देवताओं ने दीपोत्सव मनाया था। इसी कारण कार्तिक पूर्णिमा को देव दीपावली के रूप में भी विशेष श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। विशेष रूप से काशी में गंगा के घाटों पर देव दीपावली का दृश्य अद्भुत होता है। हजारों-लाखों दीपों से सजे घाट, गंगा की लहरों पर झिलमिलाती रोशनी, मंदिरों की घंटियां और वैदिक मंत्रोच्चार वातावरण को अलौकिक बना देते हैं। यह दृश्य केवल सौंदर्य का उत्सव नहीं है, बल्कि अंधकार पर प्रकाश, अधर्म पर धर्म और नकारात्मकता पर सकारात्मकता की विजय का प्रतीक भी है। दीपक स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है। यही उसके जीवन का सबसे बड़ा संदेश है। मनुष्य भी यदि अपने ज्ञान, सामर्थ्य, समय और संसाधनों का उपयोग दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने में करे, तो उसका जीवन सार्थक हो सकता है। एक दीप से हजारों दीप जलाए जा सकते हैं, लेकिन पहले दीप का स्वयं प्रज्वलित होना आवश्यक है। इसी तरह समाज में परिवर्तन लाने से पहले व्यक्ति को अपने भीतर परिवर्तन लाना होगा। दूसरा महत्वपूर्ण उत्सव सिख धर्म के संस्थापक और प्रथम गुरु, गुरु नानक देव जी का 557वां प्रकाश पर्व है। वर्ष 1469 में कार्तिक पूर्णिमा के दिन तलवंडी में उनका जन्म हुआ था, जिसे आज पाकिस्तान में ननकाना साहिब के नाम से जाना जाता है। गुरु नानक देव जी का जीवन मानवता, प्रेम, समानता, करुणा और आध्यात्मिक चेतना का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने ऐसे समय में समाज को नई दिशा देने का प्रयास किया, जब जाति-पाति, धार्मिक भेदभाव, ऊंच-नीच, रूढ़िवाद और सामाजिक असमानताएं गहराई तक फैली हुई थी। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि ईश्वर एक है और उसकी दृष्टि में सभी मनुष्य समान है। किसी व्यक्ति की महानता उसके जन्म, जाति, धन या सामाजिक प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि उसके विचारों, कर्मों और व्यवहार से निर्धारित होती है। गुरु नानक देव जी का प्रसिद्ध संदेश है "एक ओंकार सतनाम।" अर्थात परमात्मा एक है और उसका नाम सत्य है। यह विचार केवल धार्मिक सिद्धांत नहीं है, बल्कि मानव एकता का सार्वभौमिक दर्शन है। यह बताता है कि संसार में अनेक धर्म, भाषाएं, संस्कृतियां और परंपराएं हो सकती है, लेकिन मानवता का मूल आधार एक ही है। गुरु नानक देव जी ने लोगों को बाहरी दिखावे और आडंबर से ऊपर उठकर सच्चे आचरण को अपनाने की प्रेरणा दी। उनका मानना था कि ईश्वर की प्राप्ति के लिए मनुष्य को अपने भीतर सत्य, प्रेम और विनम्रता विकसित करनी चाहिए। गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को तीन प्रमुख सिद्धांतों में समझा जा सकता है, पहला 'नाम जपो'- ईश्वर का स्मरण करें। अपने मन को परमात्मा से जोड़ें और जीवन में आध्यात्मिक चेतना बनाए रखें। नाम जपने का अर्थ केवल शब्दों का उच्चारण नहीं है, बल्कि अपने विचारों और कर्मों को भी ईश्वर के आदर्शों के अनुरूप बनाना है। दूसरा किरत करो- ईमानदारी से परिश्रम करें। किसी का शोषण किए बिना, छल-कपट से दूर रहकर अपनी आजीविका अर्जित करें। श्रम की प्रतिष्ठा और ईमानदार जीवन ही समाज को मजबूत बनाते हैं। तीसरा वंड छको- अपनी कमाई और संसाधनों को जरूरतमंदों के साथ बांटकर उपयोग करें। भूखे को भोजन, असहाय को सहायता और दुखी को सहारा देना ही सच्ची मानव सेवा है। इन तीन सूत्रों में जीवन की संपूर्ण नैतिकता समाहित है। यदि प्रत्येक व्यक्ति इन सिद्धांतों को अपने जीवन में उतार ले, तो समाज में भूख, शोषण, भेदभाव और असमानता को काफी हद तक समाप्त किया जा सकता है। गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं का सबसे जीवंत स्वरूप गुरुद्वारों में संचालित लंगर व्यवस्था में दिखाई देता है। लंगर केवल भोजन कराने की परंपरा नहीं, बल्कि सामाजिक समानता और मानव सेवा का अद्भुत उदाहरण है। यहां अमीर-गरीब, ऊंच-नीच, जाति और धर्म का कोई भेद नहीं होता है। सभी लोग एक साथ पंगत में बैठकर भोजन करते हैं। भोजन तैयार करने से लेकर उसे परोसने और बर्तन साफ करने तक श्रद्धालु सेवा भाव से अपना योगदान देते हैं। इस व्यवस्था में एक गहरा सामाजिक संदेश छिपा है कि मनुष्य की पहचान उसकी सामाजिक हैसियत से नहीं, बल्कि उसकी मानवता से होनी चाहिए। आज जब समाज में आर्थिक असमानता, जातिगत भेदभाव और सामाजिक दूरी जैसी समस्याएं दिखाई देती है, तब लंगर की परंपरा हमें याद दिलाती है कि समानता केवल भाषणों से नहीं आती है, बल्कि उसे व्यवहार में उतारना पड़ता है। सेवा का अर्थ केवल धन देना नहीं है। किसी भूखे को भोजन कराना, किसी बीमार की सहायता करना, बुजुर्गों का सम्मान करना, जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में सहयोग देना और निराश व्यक्ति को उम्मीद देना भी सेवा के ही स्वरूप है। प्रकाश पर्व का शाब्दिक अर्थ प्रकाश का उत्सव है। लेकिन इसका आध्यात्मिक अर्थ कहीं अधिक व्यापक है। प्रकाश अंधकार को दूर करता है, लेकिन गुरु नानक देव जी के विचारों में यह प्रकाश मनुष्य की चेतना को जागृत करने वाला ज्ञान है। मनुष्य के भीतर कई प्रकार के अंधकार होते हैं। अज्ञानता उसे सत्य से दूर करती है। अहंकार उसे दूसरों से श्रेष्ठ समझने की भूल कराता है।

बचपन सुरक्षित होगा, तभी भविष्य मुस्कुराएगा

योगेश कुमार गोयल

बाल दिवस केवल भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के अधिकांश देशों में मनाया जाता है। भारत में बाल दिवस प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है लेकिन बच्चों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह दिवस 20 नवम्बर को मनाया जाता है। यह दिवस हमें बच्चों के अधिकारों की वकालत करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। इस वर्ष यह दिवस 'मेरा दिन, मेरे अधिकार, मेरा भविष्य' विषय के साथ मनाया जा रहा है, जो यह सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर देता है कि सभी बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा और सुरक्षित वातावरण सहित उनके मौलिक अधिकारों तक पहुंच हो। वैश्विक स्तर पर इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार करना, उनकी समस्याओं को हल करना, उनके कल्याण के लिए काम करना तथा अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देना है। बाल दिवस दुनियाभर में 190 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है और अनेक देशों में इसे मनाने की तारीखें अलग-अलग हैं। जनवरी माह से लेकर दिसम्बर तक हर माह किसी न किसी देश में बाल दिवस का आयोजन होता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 20 नवम्बर 1954 को 'विश्व बाल दिवस' मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसका उद्देश्य यही था कि इस विशेष दिन के माध्यम से अलग-अलग देशों के बच्चे एक-दूसरे के साथ जुड़ सकें, जिससे उनके बीच आपसी समझ तथा एकता की भावना मजबूत हो सके। सर्वप्रथम बाल दिवस जेनेवा के इंटरनेशनल यूनियन फॉर चाइल्ड वेलफेयर के सहयोग से विश्वभर में अक्तूबर 1953 में मनाया गया था।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में एसआईआर के तहत फॉर्म-6 के 9.72 लाख आवेदन डिजिटाइज, 22 दिसंबर को प्रकाशित होगी अंतिम मतदाता सूची

रांची। झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत दावा एवं आपत्ति अवधि में मतदाता सूची से संबंधित आवेदन प्राप्त होने और उनके डिजिटाइजेशन का कार्य जारी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की ओर से 25 नवंबर को जारी बुलेटिन के अनुसार, अब तक फॉर्म-6 के माध्यम से 9,72,418 आवेदन डिजिटाइज किए जा चुके हैं। वहीं, फॉर्म-6ए के जरिए 137 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जारी आंकड़ों के मुताबिक, फॉर्म-7 के माध्यम से कुल 2,16,278 आवेदन एवं आपत्तियां डिजिटाइज की गई हैं। इसके अलावा फॉर्म-8 के जरिए 5,97,813 आवेदन डिजिटाइज किए गए हैं। 24 नवंबर को एक ही दिन में फॉर्म-6 के 2,502, फॉर्म-7 के 5,371 और फॉर्म-8 के 1,334 आवेदन डिजिटाइज किए गए। वहीं, फॉर्म-6ए का कोई आवेदन उस दिन डिजिटाइज नहीं हुआ।

मंत्री श्रवण कुमार ने किया 'वे दिन, वे लोग' पुस्तक का विमोचन

रांची। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने मंगलवार को रांची के कांके स्थित आरोग्यम सीनियर सिटिजन होम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लेखिका मीनू (मीना) सिन्हा की पुस्तक 'वे दिन, वे लोग' का विमोचन किया। पुस्तक में कुल छह शीर्षकों के माध्यम से लेखिका ने अपने पिता एवं जमालपुर के पूर्व विधायक स्वर्गीय सुरेश कुमार सिंह के व्यक्तिगत संघर्ष, पारिवारिक जीवन और उनसे जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रसंगों को साझा किया है। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जमालपुर के बरियापुर स्थित पैतृक गांव के दौरे का भी उल्लेख किया गया है। इसके अलावा लेखिका ने अपने छात्र जीवन के दौरान कॉलेज में व्याप्त अनियमितताओं के खिलाफ किए गए संघर्ष और उस दौर के अनुभवों को भी पुस्तक में स्थान दिया है। पुस्तक में व्यक्तिगत स्मृतियों के साथ सामाजिक और राजनीतिक जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंगों को संजोने का प्रयास किया गया है।

टाटीझरिया के खैरा जंगल में स्थित बुढ़िया माता मंदिर, सच्ची श्रद्धा से पूर्ण होती है श्रद्धालुओं की मनोकामना

टाटीझरिया (हजारीबाग)। प्रखंड क्षेत्र के खैरा पंचायत अंतर्गत घने जंगलों के बीच स्थित बुढ़िया माता मंदिर आज भी क्षेत्रवासियों और राहगीरों के लिए अटूट आस्था का केंद्र बना हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, इस मंदिर की स्थापना सन 1966 ई. में गिरधारी महतो की धर्मपत्नी कर्मी देवी ने की थी और तब से आज तक सच्चे मन व श्रद्धा से मांगी गई हर मन्नत यहां अवश्य पूरी होती है। बताया जाता है कि उस समय गिरधारी महतो के परिवार को कई समस्याओं और आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा था। कठिन दौर में माता के प्रति गहरी आस्था और विश्वास को लेकर कर्मी देवी ने मंदिर की स्थापना की। वर्तमान में इस मंदिर के मुख्य पुजारी इनके वंशज पुत्र बैजनाथ महतो हैं, जिन्होंने मंदिर की विशेषताओं और मान्यता के बारे में जानकारी साझा की। श्री महतो ने यह भी कहा कि उस साल अकाल पड़ा था और क्षेत्र में अनाज की काफी समस्याएं थीं। फसल उत्पादन नहीं होने के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था और परिजनों के भरण-पोषण में भी भारी दिक्कतें आ रही थीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह माता जगत जननी अम्बे भवानी की ही माया है—जहां जीवन में कहीं धूप तो कहीं छाया है, वहीं श्रद्धालु उन्हें जिस भी रूप में पुकारते हैं, माता भक्तों की समस्याओं का समाधान करने अवश्य पहुंचती हैं। यह मंदिर खैरा से झरपो, खैरा से बरकट्ठा, इचाक, लूँदरू और हजारीबाग सहित सैकड़ों गांवों को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित है। इस मार्ग से गुजरने वाले हर राहगीर के साथ-साथ जनप्रतिनिधि, नेता, मंत्री और प्रशासनिक अधिकारी भी आवागमन के दौरान माता के दरबार में दर्शन करना नहीं भूलते। घने जंगल के शांत और प्राकृतिक परिवेश में स्थित होने के कारण यह स्थल श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति और संबल प्रदान करता है।

बड़कागांव में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, अधिकारियों व जवानों को दी गई अहम जानकारी



बड़कागांव (हजारीबाग)। पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग के निर्देशन में साइबर थाना के पुलिस पदाधिकारियों द्वारा CISF यूनिट, बड़कागांव में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति सतर्क और जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान साइबर थाना के पदाधिकारियों ने साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से साइबर फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट और डीपफेक जैसी उभरती चुनौतियों के बारे में जानकारी दी और इनसे सुरक्षित रहने के व्यावहारिक उपाय साझा किए। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम में CEIR पोर्टल के उपयोग की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से बताया गया। अधिकारियों एवं जवानों को समझाया गया कि मोबाइल फोन चोरी या गुम होने की स्थिति में पोर्टल के माध्यम से उसे कैसे ब्लॉक और ट्रेस कराया जा सकता है। अंत में, पुलिस पदाधिकारियों ने साइबर अपराधों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों—जैसे संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करना, व्यक्तिगत या बैंकिंग जानकारी साझा न करना और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देना—के प्रति सभी को जागरूक किया।

टाटीझरिया के कुबरी पुल के पास जर्जर एनएच-522 पर डस्ट लदा हाईवा पलटा, मरम्मत की मांग तेज



टाटीझरिया। कुबरी पुल के समीप एनएच-522 की जर्जर सड़क पर डस्ट से लदा एक हाईवा वाहन (नंबर JH02CA8997) अनियंत्रित होकर पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक मोटरसाइकिल सवार को बचाने के प्रयास में यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि हाईवा बोकारो से हजारीबाग की ओर जा रहा था। घटना की सूचना मिलते ही टाटीझरिया प्रशासन मौके पर पहुंचा और स्थिति का जायजा लिया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में जर्जर सड़क को लेकर नाराजगी देखी गई और क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से एनएच-522 की जल्द से जल्द ठोस मरम्मत कराने की मांग की। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों की संख्या में छोटी-बड़ी गाड़ियों का आवागमन होता है। सड़क की खराब स्थिति को लेकर पहले भी कई बार खबरें प्रकाशित हो चुकी हैं, लेकिन मरम्मत के नाम पर केवल खानापूर्ति की जाती है। सड़क पर जगह-जगह छोटे-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिसके कारण इस मार्ग पर पहले भी कई हादसे हो चुके हैं।

सोनाहातू में आजसू पार्टी का प्रखंड स्तरीय सम्मेलन, नई कमिटी का गठन

नई सोच एक्सप्रेस



रांची। आजसू पार्टी की ओर से संगठन विस्तार अभियान के तहत सोनाहातू पश्चिमी प्रखंड स्तरीय सम्मेलन का आयोजन माही बैंक्वेट हॉल में किया गया। सम्मेलन में पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान संगठन की मजबूती और विस्तार को लेकर चर्चा की गई तथा नई प्रखंड कमिटी का गठन किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुदेश कुमार महतो ने कहा कि संगठन की ताकत कार्यकर्ताओं के समर्पण में होती है और राजनीति की सार्थकता जनता के विश्वास में है। संगठन तभी मजबूत होगा, जब कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझेंगे और समाधान के लिए संघर्ष करेंगे। उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी आवाज बनना है। इसके लिए गांव, पंचायत और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना जरूरी है। वर्तमान सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने लूट को आचरण और वसूली को व्यवस्था बना दिया है। झारखंड की संपदा लुट रही है, जनता परेशान है और सत्ता में बैठे लोग मस्त हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर जनहित के मुद्दों को उठाने तथा युवाओं के रोजगार, शिक्षा, किसानों, महिलाओं और स्थानीय विकास से जुड़ी समस्याओं पर सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। सम्मेलन में संगठन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा के साथ नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने और आगामी सांगठनिक एवं राजनीतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विचार-विमर्श किया गया। नई कमिटी में विरेंद्र मुंडा को प्रखंड अध्यक्ष, अधीन महतो और रूप कुमार साहू को कार्यकारी अध्यक्ष तथा भजन सिंह मुंडा, कालीपद यादव और आमिन प्रामाणिक को उपाध्यक्ष बनाया गया है। विरेंद्र लोहरा को प्रधान सचिव, उमेश कोइरी, जय प्रकाश स्वांशी, भगीरथ महतो और शक्ति महतो को सह सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं कृष्ण महतो और विपिन पॉल संगठन सचिव, दुबराज प्रजापति और मनोज महतो प्रवक्ता तथा मिहिर महतो कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। दलेल महतो को सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा शिवनाथ मछुआ को अनुसूचित जाति मोर्चा, जिवाधन मुंडा को अनुसूचित जनजाति मोर्चा और बुद्धेश्वर कोइरी को अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया है। सम्मेलन में मौजूद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पंचायत, गांव एवं बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने तथा जनसमस्याओं के समाधान के लिए सक्रियता से काम करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, प्रखंड स्तरीय नेता, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मांडर में ग्राम चौपाल का आयोजन, एसआईआर और पेसा कानून पर हुई चर्चा



नई सोच एक्सप्रेस

रांची। मांडर विधानसभा क्षेत्र के चान्हो प्रखंड में 'वोट बचाओ–देश बचाओ' अभियान के तहत पारंपरिक ग्राम प्रधानों के साथ ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। इसमें विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और पेसा कानून को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। चौपाल में पेसा नियमावली के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी देते हुए ग्राम प्रधानों के अधिकारों एवं दायित्वों के साथ ग्रामसभा की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इस दौरान ग्रामीणों को पेसा कानून के तहत ग्रामसभा की शक्तियों और अधिकारों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कार्यसमिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य एवं झारखंड प्रभारी के. राजू, प्रदेश सह-प्रभारी भूपेंद्र मरावी एवं अवनीश कजला, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश पॉल मुजनी, जिला प्रभारी रियाजुल अंसारी, जिला अध्यक्ष सोमनाथ मुंडा, संजय कुमार और सुभाष नायक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सदर अस्पताल में राज्य स्तरीय VPD सर्विलांस कार्यशाला शुरू, आठ जिलों के स्वास्थ्य अधिकारी ले रहे भाग

नई सोच एक्सप्रेस



रांची। सदर अस्पताल रांची के सभागार में बुधवार को तीन दिवसीय राज्य स्तरीय IDSP-VPD Surveillance Transition Workshop (Phase-3) का शुभारंभ हुआ। 25 से 27 नवंबर तक आयोजित इस कार्यशाला में रांची समेत राज्य के आठ जिलों के स्वास्थ्य पदाधिकारी एवं कर्मी भाग ले रहे हैं। इससे पूर्व 16 जिलों में प्रशिक्षण पूरा किया जा चुका है। कार्यशाला का उद्देश्य टीकाकरण से बचाव योग्य बीमारियों (VPD) की निगरानी व्यवस्था को मजबूत करना, समय पर रोगों की पहचान, रिपोर्टिंग तथा प्रकोप की स्थिति में प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करना है। अब तक इन बीमारियों की निगरानी एवं जांच का कार्य WHO के सहयोग से किया जाता था, जिसे अब IDSP एवं नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के तहत संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम में अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने कहा कि निगरानी और टीकाकरण एक-दूसरे से जुड़े हैं। समय पर टीकाकरण, सही रिपोर्टिंग, सामुदायिक सहभागिता और जवाबदेही से व्यवस्था को मजबूत बनाया जा सकता है। उन्होंने U-WIN पोर्टल पर टीकाकरण संबंधी आंकड़ों की समयबद्ध प्रविष्टि सुनिश्चित करने पर जोर दिया। निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रभात कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण से रोगों की समय पर पहचान, रिपोर्टिंग और संभावित प्रकोपों पर नियंत्रण में मदद मिलेगी। राज्य महामारी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण कर्ण ने पोलियो, खसरा, रूबेला, डिप्थीरिया, काली खांसी एवं नवजात टिटनेस की निगरानी को मजबूत करने की जानकारी दी। प्रशिक्षण में क्लिनिकल जांच, स्टूल सैंपल संग्रह, CIF फॉर्म, VSIMS पोर्टल, MR सर्विलांस, आउटब्रेक इन्वेस्टिगेशन, क्रॉस नोटिफिकेशन एवं एक्टिव केस सर्च सहित विभिन्न तकनीकी विषयों पर जानकारी दी जा रही है। कार्यशाला में राज्य एवं जिला स्तर के स्वास्थ्य पदाधिकारी, WHO प्रतिनिधि, NCDC प्रतिनिधि तथा माइक्रोबायोलॉजिस्ट उपस्थित रहे।

भाजपा का संविधान गौरव दिवस मनाना राजनीतिक पाखंड : राकेश सिन्हा

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने भाजपा पर संविधान गौरव दिवस के नाम पर राजनीतिक पाखंड करने और जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि संविधान के प्रति सम्मान केवल आयोजन और भाषण से नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक अधिकारों, सामाजिक न्याय और समानता की रक्षा से साबित होता है। भाजपा को संविधान दिवस मनाने से पहले अपने राजनीतिक आचरण का आत्ममंथन करना चाहिए। राकेश सिन्हा ने कहा कि संविधान देश की आत्मा और लोकतंत्र की आधारशिला है। यह गरीबों, वंचितों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और कमजोर वर्गों के अधिकारों का सबसे मजबूत कवच है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता, चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और विपक्ष के अधिकारों को लेकर गंभीर चिंताएं हैं। ऐसे में भाजपा का संविधान गौरव दिवस मनाना महज राजनीतिक दिखावा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का संविधान के साथ ऐतिहासिक और वैचारिक रिश्ता रहा है। राहुल गांधी लगातार संविधान, लोकतंत्र, समानता और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। सिन्हा ने बताया कि संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर को प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से संविधान रक्षा मार्च निकाला जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में सुबह 11 बजे रांची के अंबेडकर चौक से बिरसा चौक तक मार्च निकलेगा। इसमें झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू, पार्टी के वरिष्ठ नेता, विधायक, सांसद, प्रदेश पदाधिकारी, विभिन्न विभागों एवं प्रकोष्ठों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं, युवाओं, सामाजिक संगठनों और संविधान में विश्वास रखने वाले नागरिकों से मार्च में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा किसी एक राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक भविष्य का सवाल है। कांग्रेस लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी।

मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन से पहले लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करें : के. रवि कुमार

नई सोच एक्सप्रेस



रांची। झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। इसे देखते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सभी संबंधित निर्वाचन पदाधिकारियों को लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन कर मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन की तैयारी पूरी करने का निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सभी पदाधिकारी जीरो पेंडेंसी के लक्ष्य के साथ काम करें और किसी भी स्तर पर मामले लंबित नहीं रहने दें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बुधवार को निर्वाचन सदन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विधानसभा क्षेत्रवार लंबित मामलों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। के. रवि कुमार ने निर्देश दिया कि लंबित मामलों का व्यक्तिगत रूप से नियमानुसार गहन निरीक्षण किया जाए। आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने और तथ्यों के सत्यापन के बाद संबंधित मतदाताओं को सुनवाई का अवसर दिया जाए। इसके बाद प्रत्येक मामले में नियमानुसार अंतिम निर्णय लिया जाए। उन्होंने कहा कि एसआईआर के तहत सुनवाई और सत्यापन के अलावा मतदान केंद्रों के नजरी नक्शे, मतदान केंद्रों की तस्वीरों और जियो टैगिंग से संबंधित कार्यों को भी शीघ्र पूरा किया जाए। ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद प्रतिदिन प्राप्त होने वाले आवेदनों को उसी दिन ECINET पर अपडेट करना सुनिश्चित किया जाए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने नए मतदाताओं के नामांकन के लिए कम आवेदन प्राप्त होने वाले मतदान केंद्रों पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सुपर चेकिंग के दौरान पदाधिकारी होम टू रोल वेरिफिकेशन की गहन समीक्षा करें। भौतिक सत्यापन के क्रम में कम से कम लगातार पांच घरों का दौरा कर वहां रहने वाले प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होने की जांच करें। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, राज्य प्रशिक्षण नोडल पदाधिकारी देव दास दत्ता, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित सभी जिलों के संबंधित निर्वाचन पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे।

विधायक रामचंद्र सिंह के बेटे के विवाह समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन



नई सोच एक्सप्रेस

लातेहार। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बुधवार को अपनी पत्नी एवं गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के साथ लातेहार जिले के बरवाडीह प्रखंड स्थित मंगरा गांव पहुंचे। यहां उन्होंने मनिका विधायक रामचंद्र सिंह के पुत्र विजय बहादुर सिंह के विवाह समारोह में शामिल होकर नवदंपती को आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन ने नवदंपती विजय बहादुर सिंह एवं महिमा को सुखमय वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने नवदंपती के जीवन में प्रेम, सद्भाव, सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहने की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विधायक रामचंद्र सिंह और उनके परिवार के सदस्यों एवं रिश्तेदारों से आत्मीय मुलाकात की तथा विवाह समारोह की बधाई दी। मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों का भी अभिवादन किया। मंगरा गांव पहुंचने पर हेलीपैड पर जिला प्रशासन की ओर से मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर प्रमंडलीय आयुक्त कुमुद सहाय, पलामू क्षेत्र के डीआईजी किशोर कौशल, लातेहार के उपायुक्त संदीप कुमार, पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव सहित कई अधिकारी, जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

स्थापना दिवस पखवाड़ा: रोजगार, आवास और शिक्षा के क्षेत्र में दिखी विकास की रफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड राज्य स्थापना दिवस पखवाड़ा-2026 के तहत बुधवार को राज्य के विभिन्न जिलों में विकास और जनकल्याण से जुड़ी कई गतिविधियां आयोजित की गईं। इस दौरान हजारों परिवारों को आवास योजनाओं का लाभ मिला, ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराया गया और विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच मिला। जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों की ओर से रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, महिला सशक्तीकरण और सामाजिक जागरूकता को लेकर विशेष अभियान चलाए गए। आवास योजनाओं के तहत पाकुड़ जिले के सभी छह प्रखंडों में 53 परिवारों ने नए घरों में गृह प्रवेश किया। वहीं सरायकेला-खरसावां में 61, सिमडेगा में 34 और गोड्डा में 22 परिवारों का पक्के घर का सपना साकार हुआ। लाभुकों को अबुआ आवास, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और पीएम-जनमन के तहत आवास उपलब्ध कराए गए। ग्रामीण रोजगार के क्षेत्र में सिमडेगा जिले में विकसित भारत-जी राम जी योजना के तहत 8,408 मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने तथा 4,822 मानव दिवस सृजित करने की जानकारी दी गई। जिले की सभी 94 पंचायतों में विशेष ग्रामसभा आयोजित की गई, जिसमें विकास योजनाओं के लिए 457 आवेदन प्राप्त हुए। शिक्षा और सांस्कृतिक गतिविधियों के तहत लोहरदगा, गोड्डा, कोडरमा, दुमका, गढ़वा और चतरा समेत कई जिलों में क्विज, निबंध, पेंटिंग, नृत्य, गायन, नाटक और कथावाचन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने झारखंड की संस्कृति, इतिहास और विरासत से जुड़ी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। सामाजिक जागरूकता के तहत नशामुक्ति, बाल विवाह, बाल श्रम और बाल संरक्षण को लेकर रैलियां, शपथ ग्रहण, पोस्टर, रंगोली और नुक्कड़ नाटक आयोजित किए गए। लोहरदगा में 128 विद्यार्थियों को जागरूक किया गया, जबकि रामगढ़ के आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित कार्यक्रमों में 17,326 लोगों की सहभागिता रही। स्वास्थ्य सेवाओं के तहत गोड्डा के बोआरीजोर प्रखंड के आठ गांवों में 222 बुखार पीड़ितों की मलेरिया जांच की गई, जिनमें 30 लोग संक्रमित पाए गए सरायकेला-खरसावां में खिलाड़ियों के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाए गए, जबकि चतरा समेत अन्य जिलों में रक्तदान शिविर आयोजित कर स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा दिया गया। कृषि क्षेत्र में चतरा, दुमका, लोहरदगा और रामगढ़ में रबी फसल कार्यशालाओं, खेत बचाओ अभियान, बीज वितरण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, मृदा स्वास्थ्य, फसल संरक्षण तथा दलहन-तिलहन उत्पादन बढ़ाने की जानकारी दी गई। महिला सशक्तीकरण के तहत दुमका के सरैयाहाट में जेंडर रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन किया गया, जबकि गोड्डा के मेहरमा में बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट केंद्र शुरू हुआ। कोडरमा में महिलाओं और किशोरियों को स्वास्थ्य एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके अलावा चतरा में आधार कार्यशाला, गोड्डा में जनवितरण प्रणाली विक्रेताओं का सम्मान और दुमका में बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए शिविर लगाए गए। राज्य स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने, स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और विकास कार्यों में जनभागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

IITF के अंतिम दिनों में भी आकर्षण का केंद्र बना झारखंड पवेलियन, माटी कला का लाइव डेमो देख उमड़े दर्शक

नई सोच एक्सप्रेस



रांची/नई दिल्ली। भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (IITF)-2026 के अंतिम दिनों में भी झारखंड पवेलियन दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। पवेलियन में माटी कला बोर्ड की ओर से मिट्टी के बर्तन बनाने की लाइव डेमो प्रस्तुति लोगों को खासा आकर्षित कर रही है। चाक पर मिट्टी को आकार देकर पारंपरिक तरीके से बर्तन और कलाकृतियां तैयार करते कारीगरों के हुनर को देखने के लिए बड़ी संख्या में आगंतुक पहुंच रहे हैं। इस दौरान हस्तकरघा एवं हस्तशिल्प विभाग की निदेशक प्रीति रानी ने भी मिट्टी के बर्तन बनाने की प्रक्रिया में हिस्सा लिया। उन्होंने स्वयं चाक पर मिट्टी को आकार देकर झारखंड की पारंपरिक माटी कला का अनुभव किया। उन्होंने कहा कि झारखंड की माटी में यहां की संस्कृति, परंपरा और स्थानीय कारीगरों की रचनात्मकता की पहचान समाहित है। माटी कला महज एक शिल्प नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक आजीविका का महत्वपूर्ण हिस्सा है। लाइव डेमो के माध्यम से लोगों को स्थानीय कलाकारों के हुनर और मेहनत को करीब से जानने का अवसर मिल रहा है। वहीं, मेले के समापन से पहले झारखंड पवेलियन के विभिन्न स्टॉलों पर खरीदारी को बढ़ावा देने के लिए विशेष छूट भी दी जा रही है। कई स्टॉलों पर चयनित उत्पादों की खरीद पर 20 से 30 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध है। इससे आगंतुक झारखंड के पारंपरिक हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पादों और कलात्मक वस्तुओं की खरीदारी किफायती दरों पर कर रहे हैं। झारखंड पवेलियन में पारंपरिक कला, संस्कृति, स्थानीय हुनर और आकर्षक छूट का संगम मेले के अंतिम दिनों में भी लोगों को अपनी ओर खींच रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सोना बस की चपेट में आने से महिला घायल, ग्रामीणों ने दिखाई तत्परता



चतरा। सिमरिया थाना क्षेत्र के चौथा पुल के समीप सोना बस की चपेट में आने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला की पहचान मनातू थाना क्षेत्र के बसरिया गांव निवासी सीता देवी (पति मनी उरांव) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, चौथा पुल के पास महिला सोना बस की चपेट में आ गई, जिससे वह घायल हो गई। घटना के बाद मौके पर स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने तत्परता और मानवता का परिचय देते हुए बिना देर किए घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। स्थानीय लोगों की तत्परता से घायल महिला को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई। घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा बनी हुई है।

नगवां पुल के निर्माण को लेकर एक्शन में अंचलाधिकारी सविता सिंह, संवेदक को फोन कर जल्द अधूरा कार्य पूरा करने का दिया निर्देश



इटखोरी (चतरा)। नगवां पुल के अधूरे निर्माण कार्य को लेकर इटखोरी अंचलाधिकारी सविता सिंह लगातार सक्रिय नजर आ रही हैं। बुधवार को पुल निर्माण स्थल पर पहुंचकर उन्होंने संवेदक को फोन लगाया और स्पष्ट शब्दों में कहा कि पुल का अधूरा कार्य जल्द से जल्द पूरा कराया जाए, ताकि आम लोगों को आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके। उन्होंने निर्माण कार्य में तेजी लाने पर जोर देते हुए जल्द काम पूरा करने का निर्देश दिया। पुल क्षतिग्रस्त होने के कारण लोगों को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में अंचलाधिकारी की इस पहल से स्थानीय लोगों में जल्द राहत मिलने की उम्मीद जगी है। पुल निर्माण को ले कर उच्च न्यायालय के अधिवक्ता और समाजसेवी योगेंद्र यादव ने चार दिनों तक शांतिपूर्ण अनशन किया था।मंगलवार को सिमरिया विधायक कुमार उज्ज्वल दास के आश्वासन के बाद आंदोलन स्थगित किया था। जनता की परेशानी को समझते हुए प्रशासन की सक्रियता, अब लोगों को इंतजार है नगवां पुल के निर्माण कार्य के जल्द पूरा होने का।

मयूरहंड से जिला परिषद चुनाव में विनय कुमार रजक ने ठोकी ताल, गरीबों के सुख-दुख में साथ रहने का किया वादा



मयूरहंड (चतरा)। मयूरहंड प्रखंड में आगामी जिला परिषद चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां धीरे-धीरे तेज होने लगी हैं। चुनावी सरगर्मी के बीच जिला परिषद उम्मीदवार के रूप में विनय कुमार रजक ने अपनी उम्मीदवारी की घोषणा कर क्षेत्र की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। उम्मीदवारी की घोषणा के साथ ही उन्होंने क्षेत्र की जनता के बीच अपनी सक्रिय भूमिका और विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है। विनय कुमार रजक ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल चुनाव लड़ना या जनप्रतिनिधि बनना नहीं, बल्कि क्षेत्र की जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करना है। उन्होंने कहा कि वे हमेशा गरीब, असहाय, जरूरतमंद और वंचित लोगों के सुख-दुख में साथ खड़े रहने का प्रयास करते रहे हैं। जनता की परेशानी को अपनी परेशानी समझना और जरूरत के समय लोगों के साथ खड़ा रहना उनकी प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि मयूरहंड प्रखंड आज भी विकास की कई बुनियादी जरूरतों से जूझ रहा है। क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाने की जरूरत है। यदि जनता उन्हें अपना आशीर्वाद और समर्थन देती है, तो वे इन समस्याओं को प्रमुखता से उठाने तथा संबंधित विभागों और अधिकारियों तक जनता की आवाज पहुंचाने का काम करेंगे। विनय कुमार रजक ने आगे कहा कि गरीब परिवारों, किसानों, मजदूरों, युवाओं और जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाएगा। उनका प्रयास रहेगा कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति अपने अधिकारों से वंचित न रहे। उन्होंने क्षेत्र की जनता से सहयोग और समर्थन की अपील करते हुए कहा कि वे चुनावी मौसम तक सीमित रहने वाले नेता नहीं, बल्कि हमेशा जनता के बीच रहकर उनकी सेवा करने की सोच रखते हैं। इधर, मयूरहंड प्रखंड में जिला परिषद चुनाव को लेकर संभावित उम्मीदवारों की सक्रियता बढ़ने लगी है। ऐसे में विनय कुमार रजक की उम्मीदवारी की घोषणा के बाद चुनावी मुकाबले को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। अब देखना दिलचस्प होगा कि आगामी चुनाव में क्षेत्र की जनता किस उम्मीदवार पर अपना भरोसा जताती है।

सिमरिया में फ्लाई ऐश का कहर, उड़ती राख से स्कूली बच्चों और राहगीरों की सेहत पर खतरा



सिमरिया (चतरा)। सिमरिया मुख्य चौक से कर्बला मैदान तक सड़क पर बिखरी फ्लाई ऐश लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। सड़क से गुजरने वाले वाहनों के कारण उड़ रही राख से स्कूली बच्चों, राहगीरों, दुकानदारों और ठेला लगाने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क पर फैली फ्लाई ऐश हवा में उड़कर आसपास के वातावरण को प्रदूषित कर रही है। इससे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है। खासकर स्कूली बच्चों और सड़क किनारे दुकान लगाने वाले लोगों को अधिक परेशानी हो रही है। लोगों का सवाल है कि आखिर इस गंभीर समस्या पर प्रशासन कब संज्ञान लेगा? क्या किसी बड़ी स्वास्थ्य समस्या के बाद ही जिम्मेदार अधिकारियों की नींद खुलेगी? स्थानीय लोगों ने प्रशासन से अविलंब सड़क पर फैली फ्लाई ऐश की सफाई कराने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई करने की मांग की है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

कायस्थ महासभा के पदाधिकारियों ने जाना भाजपा महानगर अध्यक्ष की माँ का हाल



बरेली। भाजपा महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना की माता जी का स्वास्थ्य कुछ समय से ठीक नहीं चल रहा है वे मेडिसिटी अस्पताल में आईसीयू में भर्ती हैं। कायस्थ महासभा का प्रतिनिधिमंडल आज उनको देखने गया ।प्रतिनिधिमंडल में सर्व श्री वेद प्रकाश सक्सेना कातिब, श्रीमती किरन सक्सेना, डॉ सुबोध अस्थाना, धर्मेंद्र सक्सेना, आलोक सक्सेना बब्बल, शैलेन्द्र सक्सेना शैलू आदि शामिल थे।

आरसेटी खूंटी में जल्द शुरू होगा महिला दर्जी व फास्ट फूड प्रशिक्षण

नई सोच एक्सप्रेस



खूंटी |ग्रमीण क्षेत्र के बेरोजगार युवक-युवतियों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), खूंटी में जल्द ही दो नए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू होने जा रहे हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं बैंक ऑफ इंडिया द्वारा संचालित इस संस्थान में 31 दिवसीय महिला दर्जी और 12 दिवसीय फास्ट फूड उद्यमी प्रशिक्षण के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आरसेटी खूंटी के वरिष्ठ संकाय सदस्य सुशील कुमार ने बुधवार को बताया कि संस्थान का मुख्य लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ना है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद प्रतिभागियों को भारत सरकार से मान्यता प्राप्त एनसीवीटी प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही, प्रशिक्षुओं की दो वर्षों तक व्यक्तिगत निगरानी की जाएगी और अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए उन्हें बैंकों के माध्यम से मुद्रा ऋण एवं केसीसी की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।उन्होंने बताया कि पलायन जैसी समस्या को रोकने के लिए प्रतिवर्ष 900 युवाओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है।उन्होंने बताया कि संस्थान में हार्ड और सॉफ्ट स्किल्स के अलावा बाजार प्रबंधन, प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने और सरकारी योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी दी जाती है। आगामी दिसंबर से मार्च माह के बीच संस्थान द्वारा जूट प्रोडक्ट, बकरी पालन, मोबाइल रिपेयरिंग, व्यावसायिक बागवानी, सब्जी नर्सरी एवं खेती, कृषि उद्यमी, प्लंबर व सैनिटरी कार्य, राजमिस्त्री तथा सीसीटीवी कैमरा व स्मोक डिटेक्टर सर्विसिंग जैसे रोजगारपरक प्रशिक्षण भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के इच्छुक अभ्यर्थी अपना आधार कार्ड, राशन कार्ड या जॉब कार्ड, बैंक पासबुक, 5 पासपोर्ट साइज फोटो तथा उपलब्ध होने पर आवासीय व जाति प्रमाण पत्र के साथ कर्रा रोड, बगडू स्थित बैंक ऑफ इंडिया आरसेटी कार्यालय में संपर्क कर अपना पंजीकरण सुनिश्चित करा सकते हैं।

ताला काटकर 72 हजार की कोल्ड ड्रिंक ले उड़े चोर

नई सोच एक्सप्रेस



पूर्वी सिंहभूम।पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका थाना क्षेत्र में चोरों ने एक गोदाम को निशाना बनाते हुए करीब 72 हजार रुपये मूल्य की कोल्ड ड्रिंक चोरी कर ली। घटना हाता स्थित साईं मंदिर के समीप की है। मंगलवार की रात चोरों ने गोदाम के दरवाजे पर लगे ताले और सिक्कड़ को काटकर अंदर प्रवेश किया और वहां रखी रेड बुल कोल्ड ड्रिंक की 30 पेटियां लेकर फरार हो गए।घटना की जानकारी बुधवार को पीड़ित दुकानदार विजय माहेश्वरी और उनके पुत्र ने दी। उन्होंने बताया कि चोरों ने योजनाबद्ध तरीके से पहले गोदाम के दरवाजे का ताला और सिक्कड़ काटा। इसके बाद अंदर रखी कोल्ड ड्रिंक की 30 पेटियां चोरी कर लीं। चोरी किए गए सामान की अनुमानित कीमत करीब 72 हजार रुपये बताई गई है।पीड़ित दुकानदार के अनुसार, चोर सामान चोरी करने के बाद गोदाम के पिछले दरवाजे से बाहर निकल गए। रात के अंधेरे का फायदा उठाकर घटना को अंजाम दिया गया।

मेहता विकास मंच का 19वां वर्षगांठ समारोह संपन्न, शिक्षा व सामाजिक सुधार पर जोर

नई सोच एक्सप्रेस



हजारीबाग।शहर के जुलू पार्क स्थित मेहता भवन में बुधवार को मेहता विकास मंच का 19वां वर्षगांठ समारोह धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष नागेश्वर प्रसाद मेहता ने की, जबकि मंच का संचालन इचाक प्रखंड अध्यक्ष ओमप्रकाश मेहता ने किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य संरक्षक सह पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर संरक्षक बटेश्वर प्रसाद मेहता और लखनलाल मेहता शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि शिक्षा, सामाजिक एकता और कुरीतियों के उन्मूलन से ही समाज का सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने बाल विवाह और नशाखोरी जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ सामूहिक चिंतन और जागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया तथा इसके लिए युवाओं, बुद्धिजीवियों और समाज के हर वर्ग से आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने शिक्षा को प्रगति का सबसे मजबूत आधार बताते हुए कहा कि शिक्षित समाज ही विकास की गाथा लिखता है। उन्होंने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने, प्रतिभावान छात्रों को प्रोत्साहित करने और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों की पढ़ाई में सहयोग करने की पहल पर जोर दिया। साथ ही आपसी सहयोग और सकारात्मक सोच से समाज को नई दिशा देने की बात कही। विशिष्ट अतिथि बटेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि समाज की मजबूती केवल समारोहों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि जरूरतमंदों की मदद, बच्चों की शिक्षा, महिलाओं के सम्मान और नई पीढ़ी को संस्कार व बेहतर अवसर देने के लिए निरंतर काम होना चाहिए। वहीं संरक्षक लखनलाल मेहता ने मतभेद भुलाकर एकजुट होने का संदेश दिया। इस अवसर पर संगठन की मजबूती, शिक्षा के विस्तार और सामाजिक जागरूकता को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। कार्यक्रम में सचिव बिंदेश्वरी प्रसाद मेहता, पूर्व अध्यक्ष जयनारायण मेहता, कोषाध्यक्ष अनंत कुमार आर्य, संयुक्त सचिव अजय प्रसाद मेहता, राजकुमार मेहता, विजय मेहता, अजय मेहता, उमेश प्रसाद मेहता, पदमा प्रमुख बीणा कुमारी, कंचन देवी, नीलम देवी, मंजू देवी सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हजारीबाग में धूमधाम से मना गुरु नानक देव जी का 557वां प्रकाश पर्व

नई सोच एक्सप्रेस



हजारीबाग। सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी का 557वां प्रकाश पर्व मंगलवार को हजारीबाग में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। गुरु गोविंद सिंह रोड स्थित गुरुद्वारा परिसर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ से गुलजार रहा और गुरबाणी व कीर्तन की मधुर ध्वनियों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। प्रकाश पर्व के अवसर पर 48 घंटे से चल रहे श्री अखंड पाठ साहिब की पूर्णता के बाद अरदास की गई। सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक चले विशेष कीर्तन दीवान में भाई परमजीत सिंह (गोलू वीरजी), सचखंड श्री दरबार साहिब (अमृतसर) के हजूरी रागी भाई ईश्वर सिंह, समूह संगत और टाटानगर से आईं बीबी मनप्रीत कौर ने गुरबाणी कीर्तन से संगत को निहाल किया। इस पावन अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल और पुलिस अधीक्षक अमन कुमार गुरुद्वारा पहुंचे तथा गुरु नानक देव जी के समक्ष मत्था टेक आशीर्वाद लिया। गुरुद्वारा कमेटी ने दोनों अतिथियों का स्वागत किया, जिसके बाद एसपी अमन कुमार ने लंगर का प्रसाद ग्रहण किया। इनके साथ ही जिले के कई गणमान्य नागरिक और समाजसेवी भी गुरुद्वारा पहुंचे। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं मानवता, सेवा, प्रेम, समानता और आपसी सद्भाव का मार्ग दिखाती हैं, जो समाज को जोड़ने की प्रेरणा देती हैं। वहीं एसपी अमन कुमार ने कहा कि गुरु साहिब का मानवता, समानता और सेवा का संदेश आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है और इसे जीवन में अपनाकर समाज में भाईचारे व शांति को और मजबूत किया जा सकता है। गुरुद्वारा कमेटी ने कहा कि यह पर्व केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि गुरु की शिक्षाओं को आत्मसात करने और समाज में सद्भाव बनाए रखने का अवसर है। कमेटी ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी श्रद्धालुओं व शहरवासियों का आभार जताया। दीवान और अरदास के बाद गुरुद्वारा परिसर में गुरु का अटूट लंगर चला, जिसमें शहर व आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। यह दृश्य समानता, सेवा और भाईचारे का सजीव उदाहरण बना।

बड़कागांव से 28 नवंबर को रवाना होगा सांसद तीर्थ दर्शन महाभियान का 100वां और 101वां जत्था, ऐतिहासिक आयोजन की तैयारी जोरों पर

नई सोच एक्सप्रेस



हजारीबाग/बड़कागांव।बुजुर्गों के सम्मान, आस्था और सेवा की अनूठी मिसाल बन चुका हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल का 'सांसद तीर्थ दर्शन महाभियान' एक ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंचने जा रहा है। इस महाभियान का 100वां और 101वां जत्था आगामी 28 नवंबर 2026 (शनिवार) को बड़कागांव की धरती से भव्य एवं ऐतिहासिक समारोह के बीच तीर्थ यात्रा के लिए रवाना होगा। इस अवसर पर बड़कागांव क्षेत्र की सांढ़ पंचायत (बड़कागांव मंडल) और नयाटांड़ पंचायत (उरीमारी मंडल) के कुल 130 बुजुर्ग श्रद्धालु उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध तीर्थस्थलों काशी, विंध्याचल, अयोध्या और प्रयागराज स्थित त्रिवेणी संगम के दिव्य दर्शन करेंगे। महाभियान के 100वें जत्थे के प्रस्थान और शतकीय पड़ाव की पूर्णता के अवसर पर बड़कागांव थाना के सामने स्थित मां अम्बे परिसर, गुरुचट्टी में भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। इसमें भाजपा के कई दिग्गज नेताओं के साथ धार्मिक, सामाजिक और आध्यात्मिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य लोगों का जुटान होगा। कार्यक्रम की शुरुआत हवन-पूजन से होगी। इसके बाद तीर्थयात्रियों के पांव पखारकर और उन पर पुष्पवर्षा कर सम्मानपूर्वक विदाई दी जाएगी। सांसद मनीष जायसवाल की अगुवाई में सभी तीर्थयात्री बड़कागांव चौक होते हुए करीब दो किलोमीटर की पदयात्रा कर सूर्य मंदिर पहुंचेंगे, जहां से उन्हें तीर्थ दर्शन यात्रा के लिए रवाना किया जाएगा। इस भव्य पदयात्रा को आकर्षक बनाने के लिए हरे कृष्ण-हरे राम संकीर्तन टोली, टाना भगतों की टोली, विशेष शंखनाद, छऊ नृत्य के कलाकार, ताशा पार्टी और भगवा परिधान में सजे तीर्थयात्रियों की टोली विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। आयोजन को लेकर बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र की सभी 83 पंचायतों के गांवों से हजारों लोगों के जुटने की संभावना है। आयोजकों को उम्मीद है कि जनभागीदारी और धार्मिक उत्साह से यह आयोजन क्षेत्र के लिए यादगार बनेगा। **गांव-गांव पहुंचकर लोगों को दिया जा रहा आमंत्रण**:इस ऐतिहासिक आयोजन को भव्य और यादगार बनाने के लिए पिछले करीब एक पखवाड़े से सांसद मनीष जायसवाल की टीम और भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ता लगातार तैयारियों में जुटे हैं। कार्यकर्ता गांव-गांव पहुंचकर लोगों से कार्यक्रम में शामिल होने और इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने की अपील कर रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को सांसद प्रतिनिधियों, भाजपा नेताओं और आयोजन से जुड़े स्थानीय लोगों ने कार्यक्रम स्थल एवं भोजन व्यवस्था के स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इसके बाद बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह से मुलाकात कर आयोजन के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने और श्रद्धालुओं एवं आम लोगों की सुविधा के लिए आवश्यक प्रबंधों पर विस्तार से चर्चा की गई। **उक्त अवसर पर ये गणमान्य लोग रहें मौजूद**:उक्त अवसर पर विशेषरूप से लोकसभा सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, लोकसभा सांसद सह प्रतिनिधि अनिल मिश्रा, लोकसभा सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, भाजपा जिला महामंत्री जय नारायण प्रसाद, बड़कागांव विधानसभा सांसद प्रतिनिधि पूनम साहू, विधानसभा सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी, बड़कागांव मण्डल सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, बड़कागांव मंडल अध्यक्ष शिवकुमार शिबू, उरीमारी मंडल अध्यक्ष विजय यादव, बेलतू मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार राज उर्फ शेर सिंह, उदय कुमार, अवध किशोर, सत्यजीत, विद्या अलंकार, दामोदर प्रसाद मेहता, सत्यदेव कुमार, कुंवर महतो, प्रमोद साहू समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

भोजपुरी फिल्म घात अपघात का प्रदर्शन 27 नवंबर से झारखंड और उत्तरप्रदेश के सिनेमाघरों में



नई सोच एक्सप्रेस

रांची / लखनऊ।जॉली फिल्म्स एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित भोजपुरी फिल्म घात अपघात आगामी 27 नवंबर से झारखंड और उत्तरप्रदेश के सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जायेगी। फिल्म का ट्रेलर और म्यूजिक वीडियो यूट्यूब पर रिलीज हैं और सिनेमाघरों में प्रदर्शन के उपरांत पूरी फिल्म भी डिजिटली रिलीज़ कर दी जायेगी। कहानी बेहद ही मनोरंजक और पारिवारिक हैं। जिसमें दर्शकों को एक्शन, कॉमेडी, रोमांस और फैमिली ड्रामा भरपूर देखने को मिलेगा। दर्शकों को पूरी फिल्म में मनोरंजन ही मनोरंजन का अनुभव मिलेगा। प्रमुख कलाकार सुरेंद्र कुमार, अवधेश मिश्रा, देव सिंह, रोहित सिंह मटरू, सिप्पी सिंह, अनीता रावत, रियाज सैयद, हरप्रीत कौर, प्रिंस कामले सहित अन्य ने अभिनय किया हैं। जबकि निर्माता मनमीत सिंह, एम नय्यर एवं निर्देशक कबीर हैं।

गिरिडीह जॉइंट्स को 7 विकेट से रौंदकर फाइनल में पहुंची रांची कैपिटल, अब देवघर से होगी खिताबी भिड़ंत

नई सोच एक्सप्रेस



हजारीबाग।शहर के संजय सिंह स्टेडियम (वेल्स ग्राउंड) में आयोजित डे-नाइट मेयर लीग टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 के रोमांचक मुकाबले में मंगलवार रात रांची कैपिटल ने गिरिडीह जॉइंट्स को 7 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। शाम 7 बजे से फ्लडलाइट की रोशनी में खेले गए इस मुकाबले में रांची की टीम ने महज 9 ओवर में जीत का लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही फाइनल मुकाबला अब बाबा बैद्यनाथ देवघर और रांची कैपिटल के बीच तय हो गया है। मुकाबले में रांची कैपिटल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, जो पूरी तरह सही साबित हुआ। रांची के गेंदबाजों की सधी हुई गेंदबाजी के सामने गिरिडीह जॉइंट्स के बल्लेबाज टिक नहीं सके और पूरी टीम 106 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। 106 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रांची कैपिटल की टीम ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया। बल्लेबाजों ने चौकों-छक्कों की बरसात करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और मात्र 9 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले युवराज को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच के दौरान महापौर अरविंद राणा ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और युवाओं को प्रेरित करने के लिए शुभकामनाएं दीं। टूर्नामेंट के सफल संचालन में संयोजक कुणाल की अहम भूमिका रही। मुकाबले में अंपायरिंग कुणाल कुमार एवं खुर्शीद आलम ने की, जबकि स्कोरर की जिम्मेदारी अनिकेतन ने संभाली। वहीं, उद्घोषक चंदन सिंह और शरीफुल्ला गुड्डू ने अपनी कमेंट्री से देर रात तक मैदान में मौजूद दर्शकों का उत्साह बनाए रखा।

जमीन विवाद में मां की गला घोंटकर हत्या, दो बेटे गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस



पूर्वी सिंहभूम|एमजीएम थाना क्षेत्र के बड़ाबांकी पंचायत अंतर्गत बांधडीह टोला में जमीन के लालच में दो बेटों ने अपनी 80 वर्षीय मां गंगामनी महतो की गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपितों ने वारदात के साक्ष्य मिटाने के इरादे से शव को जलाने का प्रयास भी किया। घटना की जानकारी मंगलवार सुबह ग्राम प्रधान को मिलने के बाद पुलिस हरकत में आई और छापेमारी कर बुधवार को दोनों आरोपितों बेटों रवि महतो तथा दुर्योधन महतो को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में हत्या के पीछे जमीन का विवाद सामने आया है। बताया जाता है कि गंगामनी महतो ने दो शादियां की थीं और दोनों पतियों से उनके एक-एक बेटे हैं। वह पहले भी अपनी कई जमीनें बेच चुकी थीं। बची हुई जमीन पर दोनों बेटों की नजर थी। वे जमीन अपने कब्जे में लेकर उसे बेचने की तैयारी कर रहे थे। इसके लिए मां के हस्ताक्षर की जरूरत थी, लेकिन गंगामनी महतो जमीन से संबंधित कागजात पर हस्ताक्षर करने को तैयार नहीं थीं। इसी बात को लेकर सोमवार शाम घर में मां और बेटों के बीच विवाद हुआ। आरोप है कि इसी विवाद के बाद रात में दोनों भाइयों ने मिलकर मां की गला घोंटकर हत्या कर दी। वरदात को छिपाने के लिए दोनों ने शव को जलाने की कोशिश की। मंगलवार सुबह ग्राम प्रधान को घटना की जानकारी मिली तो उन्होंने तत्काल एमजीएम थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।एमजीएम थाना प्रभारी सचिन दास ने बुधवार को बताया कि जमीन विवाद में दोनों बेटों ने अपनी मां की हत्या की है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर पूछताछ की, जिसमें उनके द्वारा वारदात में शामिल होने की बात स्वीकार किए जाने की जानकारी मिली है। थाना प्रभारी के अनुसार, दोनों आरोपित पूर्व में भी मारपीट के मामले में जेल जा चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

स्वर्ण भारत कीर्ति सम्मान की अंतिम सूची में डॉ. गणेश तुकाराम पुंडे का नाम



पुणे।महाराष्ट्र के कवि, लेखक एवं शिक्षक डॉ. गणेश तुकाराम पुंडे को प्रतिष्ठित स्वर्ण भारत कीर्ति सम्मान–2026-27 के लिए चयनित किया गया है। भव्या फाउंडेशन एवं भव्या इंटरनेशनल द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मैत्री सम्मेलन की चतुर्थ अंतिम सूची में उनका नाम शामिल किया गया है। डॉ. पुंडे वर्तमान में पुणे के लिटिल स्टार इंग्लिश मीडियम स्कूल में शिक्षक हैं। साहित्य सृजन के साथ वे सामाजिक सेवा, मानवता, दिव्यांग सशक्तिकरण तथा विश्व शांति से जुड़े कार्यों में भी सक्रिय हैं। उनके कार्यों को देखते हुए सम्मान के लिए उनका चयन किया गया है। ग्रामीण परिवेश से जुड़े डॉ. पुंडे ने अपनी लेखनी को सामाजिक जागरूकता का माध्यम बनाया है। उनकी रचनाओं में प्रेम, भाईचारा, मानवीय संवेदना, सामाजिक समरसता और शिक्षा जैसे विषय प्रमुखता से सामने आते हैं। वे साहित्य को समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम मानते हैं। भव्या फाउंडेशन की संस्थापक डॉ. निशा माथुर एवं आयोजन समिति की ओर से जारी सूची में उनके चयन की घोषणा की गई। इसके बाद साहित्य, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। अपनी प्रतिक्रिया में डॉ. पुंडे ने आयोजन समिति के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गौरव के साथ समाज और मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को और मजबूती से निभाने की प्रेरणा है। उन्होंने अपनी उपलब्धि का श्रेय परिवार, गुरुजनों, सहयोगियों एवं शुभचिंतकों को दिया।

राजभाषा कार्यान्वयन में नराकास कोलकाता को मिला सम्मान



सिलीगुड़ी/कोलकाता।राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं प्रभावी कार्यान्वयन में उत्कृष्ट योगदान के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम-2), कोलकाता को प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। वर्ष 2025-26 की गतिविधियों के आधार पर पूर्व क्षेत्र के 72 नराकासों में समिति ने यह उपलब्धि हासिल की। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, पूर्व क्षेत्र कोलकाता की ओर से एनएचपीसी लिमिटेड, सिलीगुड़ी में आयोजित राजभाषा सम्मेलन-सह-कार्यशाला में यह सम्मान दिया गया। समारोह की अध्यक्षता उप निदेशक (कार्यान्वयन) डॉ. विचित्र सेनगुप्त ने की। मौके पर एनएचपीसी के महाप्रबंधक भागमत मरांडी, इंडियन बैंक के क्षेत्र महाप्रबंधक बिनु जे. पिल्लई तथा उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय की प्रो. (डॉ.) मनीषा झा उपस्थित थीं। समिति की ओर से सदस्य सचिव संजित कुमार दास, सदस्य सह-सचिव अजय शंकर मिश्र एवं डॉ. अमित कुमार दीक्षित ने सम्मान ग्रहण किया। समिति ने इस सफलता का श्रेय अध्यक्ष एवं सेल (सीएमओ, कोलकाता) के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) देबब्रत दत्ता के मार्गदर्शन तथा सदस्य कार्यालयों के सामूहिक प्रयासों को दिया।

अरविंद कुमार सिंह को उत्तर रेलवे की जोनल कमेटी में मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी,क्षेत्र में खुशी की लहर



वाराणसी।भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं वाराणसी महानगर में उत्तरी विधानसभा के पूर्व संयोजक अरविंद कुमार सिंह को उत्तर रेलवे की जोनल रेलवे यूजर्स कंसल्टेटिव कमेटी (ZRUCC) का सदस्य नामित किया गया है | उत्तर रेलवे मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा जारी पत्र 17 नवंबर 2026 के अनुसार उन्हें 1 नवंबर 2026 से 31 अक्टूबर 2028 तक दो वर्षों के लिए विशेष रुचि श्रेणी (स्पेशल इंट्रेस्ट नॉमिनी) के अंतर्गत सदस्य नामित किया गया है | अरविंद कुमार सिंह भारतीय जनता पार्टी में लंबे समय से सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं वाराणसी महानगर में उत्तरी विधानसभा के संयोजक के रूप में भी उन्होंने संगठनात्मक दायित्व का निर्वहन किया है | राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में उनकी सक्रियता और विभिन्न वर्गों के लोगों से उनके संपर्क के कारण क्षेत्र में उनकी पहचान रही है उनके साथ युवाओं, व्यापारियों,सामाजिक कार्यकर्ताओं, प्रबुद्धजनों सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों का जुड़ाव रहा है उनका जनसंपर्क और सामाजिक सहभागिता उन्हें क्षेत्र में एक अलग पहचान प्रदान करता है | उत्तर रेलवे की इस महत्वपूर्ण समिति में सदस्य के रूप में नामित होने से उन्हें रेल यात्रियों की सुविधाओं,रेलवे से संबंधित जनसमस्याओं तथा क्षेत्रीय आवश्यकताओं को संबंधित मंच पर रखने का अवसर मिलेगा | इस मनोनयन की सूचना मिलते ही उनके शुभचिंतकों,समर्थकों एवं सामाजिक- राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों में प्रसन्नता व्यक्त की जा रही है | लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की है | अरविंद कुमार सिंह को इस नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ||

जग ज्योति दरबार में मार्गशीर्ष प्रतिपदा से विशेष पूजन का हुआ शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस



कुरुक्षेत्र।मार्गशीर्ष माह की प्रतिपदा के अवसर पर बुधवार को जग ज्योति दरबार में विशेष अनुष्ठान और पूजन का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर दरबार परिसर में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन कर पुण्य अर्जित किया। जग ज्योति दरबार में पूजन के उपरांत महंत राजेंद्र पुरी ने श्रद्धालुओं को मार्गशीर्ष महीने की महिमा के बारे में बताया कि सनातन परंपरा में इस महीने का अत्यधिक आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व है। उन्होंने कहा कि स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद भगवत गीता में मार्गशीर्ष महीने को अपना ही स्वरूप बताते हुए कहा है कि मासानां मार्गशीर्षोऽयम् अर्थात महीनों में मैं मार्गशीर्ष हूँ। इस कारण इस पूरे महीने में की गई पूजा-अर्चना, जप-तप और दान का कई गुना अधिक फल प्राप्त होता है। महंत राजेंद्र पुरी ने बताया कि इसी पावन महीने में गीता जयंती महोत्सव भी मनाया जाता है, जो इसे और भी विशिष्ट बनाता है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से कहा कि वे इस पवित्र नियमित में नियमित रूप से ईश्वर का स्मरण करें और सनातन संस्कृति के मूल्यों को अपने जीवन में उतारें। उन्होंने कहा कि इस महीने में भगवान श्री कृष्ण की प्रिय गौ माता की सेवा व पूजन करें। पूजन के समापन पर आरती की गई और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर लाजवंती, शोभा रानी, कविता चौहान, नरेंद्र, शर्मा, अनुज शर्मा, कृपाल सिंह, हरदेव, लाभ चंद, ईश्वर चंद, कन्हैया लाल, मनप्रीत सिंह, विजय राठी, अजय राठी तथा अक्षय राठी इत्यादि भी मौजूद रहे।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में बच्चों, शिक्षकों एवं क्षेत्रवासियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण,वितरित की गईं दवाइयां

नई सोच एक्सप्रेस



वाराणसी।काशी ओरल एंड ओवरऑल हेल्थ सोसाइटी के तत्वावधान में मां शांति इंटर कॉलेज,झबरा,जंसा में निशुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया | शिविर का उद्देश्य निशुल्क चिकित्सा सुविधा, स्वास्थ्य जागरूकता,रोगों की पहचान एवं व्यक्तिगत उपचार के माध्यम से लोगों के मौखिक एवं संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाना तथा स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देना रहा | शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे छात्र-छात्राओं,शिक्षकों,विद्यालय कर्मचारियों एवं क्षेत्रवासियों का चिकित्सकों की टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया | इस दौरान लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए आवश्यक परामर्श दिया गया तथा जरूरतमंदों को विभिन्न आवश्यक दवाइयां भी निशुल्क वितरित की गईं | इस अवसर पर सोसाइटी की ओर से कहा गया कि स्वस्थ समाज ही सशक्त समाज की आधारशिला है प्रत्येक व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना और लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना बेहद जरूरी है इसी उद्देश्य से सोसाइटी द्वारा जनसेवा के ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं | इस पुनीत सेवा कार्य को सफल बनाने में सोसाइटी के टीम प्रबंधन एवं चिकित्सकों का विशेष योगदान रहा | सोसाइटी की ओर से डॉ.रोहित कुमार चौबे,डॉ. रोबिन चौबे एवं काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के प्रोफेसर एस.के.चौबे सहित पूरी चिकित्सकीय टीम के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए उनके सेवा भाव की सराहना की गई ||

अगली श्वेत क्रांति के लिए पशु पोषण पर ध्यान देना जरूरी : डॉ. ए.वाई. राजेंद्र

नई सोच एक्सप्रेस



भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। वर्ष 2024-25 में देश का दूध उत्पादन बढ़कर 247.87 मिलियन टन तक पहुंच गया। इस उपलब्धि को बनाए रखने और डेयरी क्षेत्र को अधिक मजबूत बनाने के लिए केवल दूध उत्पादन बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पशुओं के जीवन के प्रत्येक चरण में संतुलित पोषण, गुणवत्तापूर्ण चारा और स्वच्छ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी जरूरी है। राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के अवसर पर गोदरेज एग्रोवेट के एनिमल न्यूट्रिशन बिजनेस के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर कैप्टन (डॉ.) ए.वाई. राजेंद्र ने पशु पोषण को अगली श्वेत क्रांति का आधार बताया। उन्होंने कहा कि भारत का डेयरी क्षेत्र लाखों छोटे किसानों पर आधारित है, जो सीमित संसाधनों के बीच पशुपालन कर अपनी आजीविका चलाते हैं। ऐसे में प्रति पशु उत्पादकता बढ़ाना महत्वपूर्ण है। पशुओं की आनुवंशिक क्षमता दूध उत्पादन की संभावना निर्धारित करती है, लेकिन उस क्षमता को हासिल करने में संतुलित पोषण की अहम भूमिका होती है। उचित पोषण मिलने पर संकर नस्ल की गायें स्थानीय नस्लों की तुलना में दो से तीन गुना अधिक दूध उत्पादन कर सकती हैं। इसके साथ ही स्थानीय जलवायु के अनुकूल नस्लों का चयन पशुपालकों के खर्च और मेहनत को कम करने में मददगार हो सकता है। उन्होंने कहा कि पशु पोषण की शुरुआत बछड़े के जन्म से ही हो जाती है। शुरुआती विकास के दौरान पोषण की कमी पशु के स्वास्थ्य और भविष्य की उत्पादकता को प्रभावित कर सकती है। पांच से 14 महीने की उम्र के बीच पर्याप्त पोषण पशु के बेहतर शारीरिक विकास और समय पर प्रजनन क्षमता हासिल करने में मदद करता है। इससे संकर नस्ल की गायें 24 से 26 महीने की उम्र में पहली बार बछड़ा दे सकती हैं। पशु के जल्दी दूध उत्पादन शुरू करने से किसानों को पालन-पोषण पर होने वाले खर्च की अवधि कम करने में भी लाभ मिलता है। डॉ. राजेंद्र के अनुसार, गाय के बछड़ा देने से पहले का ड्राई पीरियड भी पोषण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। गर्भावस्था की अंतिम तिमाही में बछड़े का लगभग 70 प्रतिशत विकास होता है। इस दौरान संतुलित पोषण मिलने से बछड़े का जन्म के समय वजन, स्वास्थ्य और रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर हो सकती है। पोषण की कमी और गर्मी का तनाव गाय के अगले दूध उत्पादन चक्र तथा बछड़े के विकास दोनों को प्रभावित कर सकता है।उन्होंने कहा कि भारत में पशुपालन करने वाले लगभग चार में से तीन लोगों को चारा और पशु आहार की कमी का सामना करना पड़ता है। जलवायु परिवर्तन के कारण हरे चारे की उपलब्धता पर भी असर पड़ रहा है। पशुओं के लिए पौष्टिक चारा, स्वच्छ पानी, पर्याप्त छाया, उचित आवास और स्वास्थ्य देखभाल जरूरी है। डेयरी पशुओं के पालन की कुल लागत का लगभग 60 से 70 प्रतिशत हिस्सा आहार पर खर्च होता है। इसलिए पशुओं की उम्र, स्वास्थ्य और दूध उत्पादन की अवस्था के अनुसार वैज्ञानिक तरीके से तैयार संतुलित आहार देना किसानों के आर्थिक लाभ के लिए महत्वपूर्ण है। बछड़ों, युवा पशुओं, दूध देने वाली गायों और ड्राई पीरियड में रहने वाले पशुओं की पोषण संबंधी जरूरतें अलग-अलग होती हैं। उन्होंने पशु आहार कंपनियों, शोध संस्थानों और नीति निर्माताओं से गुणवत्तापूर्ण चारा एवं पशु आहार की उपलब्धता बढ़ाने तथा किसानों को वैज्ञानिक पशु पोषण के प्रति जागरूक करने के लिए सामूहिक प्रयास करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगली श्वेत क्रांति केवल दूध उत्पादन केंद्रों तक सीमित नहीं होगी, बल्कि इसकी नींव बछड़ों के पालन, गायों के पोषण और चारा उत्पादन के क्षेत्र में रखी जाएगी।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रामबिलास पांडेय की स्मृति में कविकल्प गोष्ठी आयोजित



नई सोच एक्सप्रेस

मऊ। प्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. रामबिलास पांडेय की पुण्य स्मृति में कोलकाता की साहित्यिक संस्था बंगीय हिंदी परिषद की ओर से मऊ के इटौरा बुजुर्ग में कविकल्प गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ अध्यापक एवं साहित्यकार जनार्दन पांडेय ने की, जबकि कमलाकांत उपाध्याय प्रधान अतिथि रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. श्रीकांत पांडेय, चंद्रिका प्रसाद पांडेय अनुरागी एवं मनोज सिंह उपस्थित रहे। परिषद के मंत्री डॉ. राजेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने स्वागत वक्तव्य में स्व. रामबिलास पांडेय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक योगदान को स्मरण करते हुए उनके राष्ट्र समर्पण को नमन किया। कृपाशंकर कर्णधार की सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। वक्ताओं ने साहित्यिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बंगीय हिंदी परिषद के प्रयासों की सराहना की। स्थानीय संयोजक उमेशचंद्र पांडेय ने आयोजन के लिए आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप कुमार धानुक एवं संयोजन डॉ. मनोज मिश्र ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन उमेश चंद्र पांडेय ने किया। गोष्ठी में कई कवि, साहित्यकार एवं श्रोता उपस्थित रहे।

जयराम विद्यापीठ में गीता जयंती अवसर पर विभिन्न जिलों से हजारों विद्यार्थी दिखाएंगे प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा

नई सोच एक्सप्रेस



कुरुक्षेत्र। देशभर में संचालित श्री जयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष एवं श्री जयराम शिक्षण संस्थान के चेयरमैन ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी की प्रेरणा से भव्य गीता जयंती महोत्सव के अवसर पर युवाओं और बच्चों को भगवान श्री कृष्ण के श्री मुख से उत्पन्न पावन गीता से जोड़ने के लिए हर वर्ष स्कूली बच्चों की गीता पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जाती हैं। परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी का लक्ष्य है कि बच्चे अपनी शिक्षा के साथ गीता को भी अपने जीवन में उतार लें। श्री जयराम संस्थाओं के मीडिया प्रभारी ने बताया कि गीता जयंती महोत्सव 2026 के अवसर पर 14 दिसम्बर से 17 दिसम्बर तक जयराम विद्यापीठ में विभिन्न अंतर्विद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। गीता पर आधारित इन प्रतियोगिताओं में राज्य के विभिन्न जिलों से 80 स्कूलों के 7 हजार के करीब विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाएंगे। उन्होंने बताया कि विद्यापीठ में प्रतियोगिताओं के क्रम में गीता श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता, कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता व पॉट डेकोरेशन प्रतियोगिता होगी। विद्यापीठ में गीता पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए स्कूली बच्चे महीनों पहले अपनी तैयारी करना शुरू करते हैं। उन्होंने कहा कि गीता श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता में नन्हे नन्हे बच्चे जो प्रस्तुतियां देते हैं उसे देखकर बड़े बड़े लोग एवं विद्वान भी दंग रह जाते हैं। इन्हीं स्कूली बच्चों की अंतर्विद्यालय प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यापीठ में गीता का निरंतर प्रवाह होगा।

मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने जय श्री कृष्णा फाउंडेशन के संस्थापक संजीव अग्रवाल सहित पांच विभूतियों को काशी गौरव सम्मान 2026 से किया सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस



वाराणसी।मलदहिया स्थित श्री राम मशीनरी मार्केट एक महत्वपूर्ण व्यापारी संगठन है अपनी व्यापारिक गतिविधियों के अतिरिक्त सामाजिक कार्यक्रमों में सक्रियता के कारण श्री राम मशीनरी मार्केट का व्यापारिक जगत में विशेष सम्मान है | वर्ष पर्यंत चलने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के अतिरिक्त कार्तिक चतुर्दशी को वार्षिक भंडारा एवं सांस्कृतिक संध्या के रूप में कार्यक्रम संपादित होता है इसमें राजनीतिक,सामाजिक एवं व्यवसायिक क्षेत्र के लगभग हजारो भक्त प्रसाद ग्रहण करते हैं | इस अवसर पर काशी को अपनी उल्लेखनीय सेवाएं देने वाली पांच विभूतियों को काशी गौरव सम्मान-2026 से अलंकृत किया जाता है | इस वर्ष जय श्री कृष्णा फाउंडेशन के संस्थापक संजीव अग्रवाल को सम्मान से अलंकृत हुये पांच विभूतियों का अलंकृत किया गया | मुख्य अतिथि मंत्री रविंद्र जायसवाल के कर कमलों द्वारा यह पुरस्कार प्रदान किया गया | स्वागत जेएसके विपिन अग्रवाल ने किया सम्मानित होने पर समस्त जय श्री कृष्णा परिवार एवं व्यापारिक जगत में हर्ष का वातावरण है | इस अवसर पर पर अनिल केशरी,मुदित अग्रवाल,डॉ वीरेंद्र केसरवानी,राकेश अग्रवाल,दिव्या अग्रवाल,मुरली गोपाल, अग्रवाल,मनीष गर्ग,सुयश मिश्रा,मनीष राय,चंद्र शेखर राय सहित अनेको को विशिष्ट जन उपस्थित रहे ||

संविधान की शक्ति से सशक्त हो रहा सामान्य नागरिक, 2047 के विकसित भारत का मार्गदर्शक बनेगा संविधान : प्रधानमंत्री मोदी

नई सोच एक्सप्रेस



वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान दिवस के अवसर पर अपने लेख के माध्यम से संविधान की महत्ता, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकसित भारत के संकल्प को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान केवल शासन चलाने का दस्तावेज नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक को समान अवसर, अधिकार और सम्मान देने वाली सबसे बड़ी शक्ति है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसके लिए प्रत्येक नागरिक को 'राष्ट्र प्रथम' और 'कर्तव्य भाव' के मंत्र को अपनाना होगा। प्रधानमंत्री ने 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा संविधान अंगीकार किए जाने के ऐतिहासिक अवसर का स्मरण करते हुए डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. भीमराव आंबेडकर और संविधान सभा के सभी सदस्यों को नमन किया। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माताओं ने भारत की समृद्ध परंपराओं, सभ्यता और विविधता को संविधान में उचित स्थान दिया। सरकार ने एक दशक पहले 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय इसलिए लिया, ताकि विशेषकर युवाओं में संविधान के प्रति जागरूकता और जुड़ाव बढ़े। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक साधारण परिवार में जन्म लेने वाला व्यक्ति भी संविधान की शक्ति से देश के सर्वोच्च लोकतांत्रिक दायित्व तक पहुंच सकता है। यह भारतीय संविधान की असाधारण ताकत का प्रमाण है। संविधान यह सुनिश्चित करता है कि किसी व्यक्ति की जन्म परिस्थितियां उसके भविष्य की सीमाएं तय न करें। उन्होंने सामाजिक और आर्थिक न्याय को संविधान की मूल भावना बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, मुद्रा योजना और पीएम स्वनिधि जैसी योजनाओं ने आम नागरिकों को सशक्त बनाने का काम किया है। गरीब परिवारों को पक्का मकान, महिलाओं को धुएं से मुक्ति, जरूरतमंदों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और छोटे उद्यमियों को आर्थिक सहायता मिलना संवैधानिक आदर्शों को जमीन पर उतारने का उदाहरण है। डिजिटल तकनीक, रूपे कार्ड और यूपीआई ने भी वित्तीय समावेशिता को मजबूत किया है। प्रधानमंत्री ने संविधान में किए गए संशोधनों का उल्लेख करते हुए कहा कि 101वें संशोधन से जीएसटी व्यवस्था का मार्ग प्रशस्त हुआ, 102वें संशोधन से राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा मिला और 103वें संशोधन के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया। उन्होंने कहा कि संविधान का अद्यतन संस्करण आठवीं अनुसूची की सभी 22 भाषाओं में उपलब्ध कराना भी इसे आम नागरिकों के और करीब लाने का प्रयास है। आपराधिक न्याय व्यवस्था में बदलाव का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता के माध्यम से औपनिवेशिक काल की दंड केंद्रित व्यवस्था को नागरिक केंद्रित न्याय व्यवस्था में बदलने का प्रयास किया गया है। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण जैसे अभियानों को नागरिक कर्तव्यों की भावना से जोड़ते हुए कहा कि अधिकारों के साथ कर्तव्यों का पालन भी उतना ही आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने अपने लेख में संविधान के इतिहास के कुछ विवादास्पद अध्यायों का भी उल्लेख किया। उन्होंने पहले संविधान संशोधन, आपातकाल के दौरान हुए 42वें संशोधन और अनुच्छेद 356 के कथित दुरुपयोग को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा का दायित्व निभाने वालों द्वारा ही कई बार इसकी मूल भावना को कमजोर किया गया। अनुच्छेद 370 और 35-ए का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में लंबे समय तक संविधान के पूर्ण प्रावधान लागू नहीं हो सके और वर्ष 2019 में इस स्थिति में बदलाव आया। उन्होंने नक्सलवाद को गरीबों और आदिवासी क्षेत्रों के लोगों के संवैधानिक अधिकारों में बाधा बताते हुए कहा कि नक्सलवाद के खात्मे से अब देश के गरीब नागरिक बिना भय के अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर सकेंगे। प्रधानमंत्री ने विपक्ष की भूमिका, ओबीसी आरक्षण और महिला आरक्षण से जुड़े मुद्दों पर भी विपक्षी दलों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की जिम्मेदारी केवल विरोध करना नहीं, बल्कि संवैधानिक प्रक्रियाओं में सकारात्मक भागीदारी निभाना भी है। प्रधानमंत्री ने संविधान निर्माण में महिलाओं के योगदान को याद करते हुए विधायी संस्थाओं में महिलाओं की पर्याप्त भागीदारी सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने देश की नारीशक्ति को भरोसा दिलाया कि महिला सशक्तीकरण के संकल्प को पूरा करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। लेख के अंत में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए 'राष्ट्र प्रथम' की सोच और 'कर्तव्य भाव' से काम करने का संकल्प आवश्यक है। संविधान से शक्ति लेकर यदि देश का प्रत्येक नागरिक अपनी जिम्मेदारी निभाए तो आने वाली पीढ़ियों का भविष्य उज्ज्वल और भारत का विकास अधिक समावेशी होगा।

संक्षिप्त समाचार

डैफोडिल्स बचपन व डेफोडिल्स एकेडमी में बाल भोजन समारोह का भव्य आयोजन



पुटकी। डेफोडिल्स बचपन एवं डेफोडिल्स एकेडमी के प्रांगण में बाल भोजन समारोह का भव्य आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद बुधवार को किया गया। इस अवसर पर कक्षा नर्सरी से लेकर दशम वर्ग तक के लगभग 1000 छात्र-छात्रा,अभिभावक एवं अतिथिओ ने विद्यालय में उपस्थित होकर सामूहिक मिष्ठान भोजन का आनंद उठाया। सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने इस आयोजन की खूब सराहना की। इस अवसर पर बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गयो जिसमें नन्हे-मुन्ने बच्चे पंडित जवाहरलाल नेहरू सहित विभिन्न महापुरुषों एवं अन्य आकर्षक पात्रों के वेश में सजकर आए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर विद्यालय छात्र-छात्रा द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। विद्यालय प्राचार्य तापस बनर्जी ने पंडित जवाहरलाल नेहरु की जीवन पर प्रकाश डाले एवं अनुशासन पर बल देते हुए बताए कि अनुशासन पर रहकर ही जीवन में उन्नति किया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होने विद्यालय संस्थापक स्व०चंडीचरण बनर्जी (चंडीसर) भूतपूर्व गणित शिक्षक पुटकी उच्च विद्यालय ,पुटकी को भी याद किए एवं उनके तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित, प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया जोर



कोडरमा। समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में शुक्रवार को उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, उपलब्धियों और आ रही बाधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समय पर पहुंचाने का निर्देश दिया।बैठक के दौरान छात्रवृत्ति योजना की विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि छात्रवृत्ति का लाभ किसी भी योग्य विद्यार्थी से छूटना नहीं चाहिए। इसके लिए विद्यालयों और महाविद्यालयों से समन्वय बनाकर आवेदन की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया जाए। लंबित आवेदनों का शीघ्र निपटारा करने और भुगतान में हो रही देरी को दूर करने का निर्देश दिया गया।सरना स्थल के लिए आवश्यक सामग्री की उपलब्धता पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त ने कहा कि सरना स्थल आदिवासी समुदाय की आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है, इसलिए वहां सभी मूलभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। सामग्री की गुणवत्ता और आपूर्ति में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।छात्रावासों के निर्माण एवं जीर्णोद्धार के कार्य की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्माण कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि छात्रावासों में रह रहे विद्यार्थियों को भोजन, पेयजल, बिजली, शौचालय और सुरक्षा जैसी सुविधाओं में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। जीर्णोद्धार के अधूरे कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया।इसके अलावा कल्याण विभाग की अन्य योजनाओं जैसे पेंशन, आवास, जाति प्रमाण पत्र और अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त ने पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने, फील्ड में जाकर निरीक्षण करने और योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया।बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी प्रकाश बैठा, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी सुभाष यादव, जिला अग्रणी प्रबंधक विमल झा, विधायक प्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

संविधान बचेगा तो देश बचेगा: सांसद सुखदेव भगत



लोहरदगा। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेता, स्थायी आमंत्रित सदस्य, एआईसीसी प्रभारी छत्तीसगढ़ व लोहरदगा लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत बुधवार को छत्तीसगढ़ के लिए रवाना हुए। संविधान दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा रायपुर के गांधी मैदान में संविधान बचाओ मार्च का आयोजन किया जा रहा है। सांसद श्री भगत इस मार्च में मुख्य रूप से भाग लेंगे और विशाल जनसभा को संबोधितकरेंगे उक्त जानकारी सांसद के निजी सहायक आलोक कुमार साहू ने दिया। सांसद के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में संविधान बचाओ मार्च ऐतिहासिक होगा।छत्तीसगढ़ के लिए रवाना होने से पहले सांसद श्री भगत ने कहा कि संविधान बचेगा तो देश बचेगा। संविधान बचेगा तो आदिवासी -दलित- पिछड़ा, अल्पसंख्यक, गरीब, किसान, मजदूर, महिला, युवा - सबका हक बचेगा।आज संविधान पर खतरा है। संविधान को कमजोर करने की कोशिश हो रही है। वोट चोरी हो रही है, ढएरअ कानून को कमजोर किया जा रहा है, बिना ग्राम सभा के आदिवासियों की जमीन छीनी जा रही है, तारा जैसे कोल ब्लॉक में बिना अनुमति के खनन किया जा रहा है। यह सब संविधान के खिलाफ है। राहुल गांधी ने कहा है कि संविधान हमारी आत्मा है, संविधान हमारी रक्षा कवच है। हम संविधान को मिटने नहीं देंगे। सांसद के आने की खबर से छत्तीसगढ़ कांग्रेस में जबरदस्त उत्साह है। प्रदेश अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री, विधायकों और हजारों कार्यकतार्ओं उपस्थित रहेंगे।

स्कूल भवन निर्माण में अनियमितता का आरोप, ग्रामीणों ने की जांच की मांग

सिमड़ेगा /कोलेबिरा। प्रखंड के शाहपुर ग्राम पंचायत अंतर्गत राजकीयकृत माध्यमिक विद्यालय जितिया टोली में शिक्षा विभाग की ओर से कराए जा रहे स्कूल भवन निर्माण कार्य में अनियमितता बरते जाने का मामला सामने आया है। करीब 50 लाख रुपये की लागत से विद्यालय परिसर में नए भवन का निर्माण कराया जा रहा है। निर्माण कार्य में कथित अनियमितता को लेकर स्थानीय ग्रामीणों एवं अभिभावकों ने सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि भवन निर्माण में प्राक्कलन के अनुरूप निर्माण सामग्री का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। निर्माण कार्य में जंग लगी छड़ और रिंग का उपयोग किए जाने के साथ ही मिट्टीयुक्त बालू तथा कम गुणवत्ता वाले सरिया लगाए जाने की बात कही जा रही है।

छह दिवसीय एक्यूप्रेशर जांच शिविर का सफल समापन, लोगों को दिए गए स्वस्थ रहने के जरूरी टिप्स

नई सोच एक्सप्रेस



गिरिडीह। कर्बला रोड स्थित साईं परमेश्वर हॉस्पिटल में रोटरी क्लब ऑफ गिरि डीह ग्रेटर एवं साईं परमेश्वर हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित छह दिवसीय एक्यूप्रेशर जांच शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। शिविर के दौरान गिरिडीह के लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के जरूरी निर्देश दिए गए। शिविर को सफल बनाने में साईं परमेश्वर हॉस्पिटल के संचालक डॉ. रविकांत, डॉ. वंदना कुमारी, डॉ. संजय यादव एवं उनकी पूरी टीम के साथ रोटरी क्लब ऑफ गिरिडीह ग्रेटर के अध्यक्ष राजेंद्र तर्वे, सचिव अनिल मिश्रा, सह सचिव सीए आकाश रौशन, सुजय राज गुप्ता, रंजीत लाल, विकास शर्मा, विकास सिन्हा, संतोष बरनवाल, सुबोध मोदी, अनिल गुप्ता, सीए ब्रह्मदेव प्रसाद, मनीष गुप्ता सहित अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा। इस मौके पर क्लब के अध्यक्ष राजेंद्र तर्वे ने कहा कि समाज के कल्याण और लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से क्लब आगे भी इस तरह के स्वास्थ्य शिविर आयोजित करता रहेगा। उन्होंने शिविर में पहुंचे चिकित्सकों एवं सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए हुआ। शिविर के दौरान गिरिडीह के लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के जरूरी निर्देश दिए गए। शिविर को सफल बनाने में साईं परमेश्वर हॉस्पिटल के संचालक डॉ. रविकांत, डॉ. वंदना कुमारी, डॉ. संजय यादव एवं उनकी पूरी टीम के साथ रोटरी क्लब ऑफ गिरिडीह ग्रेटर के अध्यक्ष राजेंद्र तर्वे, सचिव अनिल मिश्रा, सह सचिव सीए आकाश रौशन, सुजय राज गुप्ता, रंजीत लाल, विकास शर्मा, विकास सिन्हा, संतोष बरनवाल, सुबोध मोदी, अनिल गुप्ता, सीए ब्रह्मदेव प्रसाद, मनीष गुप्ता सहित अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा। इस मौके पर क्लब के अध्यक्ष राजेंद्र तर्वे ने कहा कि समाज के कल्याण और लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से क्लब आगे भी इस तरह के स्वास्थ्य शिविर आयोजित करता रहेगा। उन्होंने शिविर में पहुंचे चिकित्सकों एवं सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए।

झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित,

नई सोच एक्सप्रेस



कोडरमा। झारखंड के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन, कोडरमा द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर आमजनों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। इस दौरान समाहरणालय के समीप विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के तहत समाहरणालय के कर्मियों, अधिवक्ताओं एवं आमजनों के दोपहिया वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चलाते हुए पाए गए लोगों को दंडित करने के बजाय अनूठे तरीके से जागरूक किया गया। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रमोद कुमार केशरी सहित अन्य अधिकारियों ने बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों का फूल देकर स्वागत कर सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया।इस अवसर पर उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग करें, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें तथा शराब पीकर वाहन न चलाएं।उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना तथा आम नागरिकों के जीवन की रक्षा करना है। इसके लिए प्रत्येक नागरिक को यातायात नियमों के प्रति जागरूक एवं जिम्मेदार होना आवश्यक है। जिला प्रशासन ने आमजनों से अपील की कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें तथा अपने परिवार, मित्रों एवं अन्य लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। इस मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, थाना प्रभारी, कोडरमा, सहायक प्रशासी पदाधिकारी उदय बख्शी, पुलिस बल, सड़क सुरक्षा दल सहित अन्य उपस्थित थे।

देव दीपावली के बाद घाटों से रातोरात हटे 21 लाख दीये

नई सोच एक्सप्रेस



वाराणसी।देव दीपावली की अलौकिक छटा के अगले ही दिन बुधवार को काशी के घाटों पर फिर से स्वच्छता और व्यवस्था की तस्वीर दिखी | महापौर अशोक कुमार तिवारी के निर्देश पर नगर निगम की टीम ने रातोरात अभियान चलाकर शहर के 84 घाटों से जले हुए करीब 21 लाख मिट्टी के दीयों को हटवा दिया | इन दीयों का कुल वजन करीब 42 टन से 52.5 टन के बीच आंका गया है | धार्मिक आस्था और पवित्रता का पूरा सम्मान रखते हुए इन दीयों को रमना स्थित कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज (सीएंडडी) प्लांट भेजा गया है ताकि इनका सुरक्षित व सम्मानजनक निस्तारण हो सके | घाटों से दीयों और अन्य अवशेषों को हटाने के लिए निगम ने बड़े स्तर पर संसाधन और मानवबल झोंका | पूरे अभियान में 250 से अधिक सफाई कर्मियों को लगाया गया जिन्होंने रात भर लगातार काम कर घाटों की सीढ़ियों और किनारों से दीयों को एकत्र किया | दीयों के उठान और परिवहन के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि धार्मिक कार्यों में प्रयुक्त सामग्री की मर्यादा बनी रहे और किसी तरह की अव्यवस्था न हो | उल्लेखनीय है कि रमना में कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज (सीएंडडी) प्लांट संचालित है जिसकी प्रतिदिन 200 मीट्रिक टन क्षमता है | चूंकि दीये पूरी तरह से प्राकृतिक मिट्टी से बने होते हैं और धार्मिक अनुष्ठानों से जुड़े रहे हैं इसलिए इनके निस्तारण को लेकर संवेदनशीलता बरती जा रही है | मिट्टी से बने होने के कारण ये दीये प्राकृतिक रूप से पुनः मिट्टी में मिलने की प्रक्रिया के अनुरूप हैं जिससे पर्यावरण को भी किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचता | इस संबंध में नगर आयुक्त शाश्वत त्रिपुरारि ने बताया कि देव दीपावली के अवसर पर घाटों पर लाखों दीये प्रज्वलित किए गए थे | उत्सव के बाद श्रद्धालुओं और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो,इसके लिए 250 से अधिक सफाई कर्मियों की टीम ने रातोरात अभियान चलाकर 84 घाटों से दीये हटवाने का कार्य पूरा किया | उन्होंने कहा कि एकत्र किए गए दीयों को पूरी पवित्रता के साथ रमना स्थित प्लांट में भेजा गया है जहां इनका उचित निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है | सुबह तक घाटों की सफाई व्यवस्था दुरुस्त कर दी गई जिससे आमजन व पर्यटकों को स्वच्छ व सुंदर घाटों का दृश्य मिला ||

धनबाद में 29 नवंबर को निःशुल्क मेडिकल कैंप, मोफीज शाहील को दिया निमंत्रण



नई सोच एक्सप्रेस

झरिया। झारखंड मानव कल्याण सोसाइटी के अध्यक्ष रामाशीष चौहान के नेतृत्व में 29 नवंबर को धनबाद के आम्रपाली सिटी हॉस्पिटल, दमकड़ा बरवा, बाइपास रोड, बरवाअड्डा में निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया जाएगा। कैंप सुबह 11 बजे से शुरू होगा। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सोसाइटी की ओर से फॉरवर्ड ब्लॉक के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष मोफीज शाहील को निमंत्रण दिया गया तथा गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के साथ कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया गया। कैंप में डॉ. राम मनोहर लोहिया मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के वरिष्ठ सर्जन डॉ. रवि रंजन अपनी टीम के साथ धनबाद पहुंचेंगे। विदेश से चिकित्सा शिक्षा पूरी करने के बाद वंचित समाज की सेवा के उद्देश्य से वह पहली बार धनबाद में आयोजित इस शिविर में शामिल होंगे। शिविर में हड्डी, नस एवं जोड़ों से संबंधित समस्याओं का उपचार और चिकित्सकीय परामर्श दिया जाएगा। सोसाइटी ने जरूरतमंद लोगों से शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

बागपत में वर्ल्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथी ऑर्गेनाइजेशन ने किया होलिस्टिक थैरेपीज़ सेंटर का शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

बागपत, उत्तर प्रदेश।बागपत नगर में नेशनल हाईवे-709बी पर बागपत-बड़ौत मार्ग स्थित बसंत गार्डन के सामने गोकुलधाम में वर्ल्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथी ऑर्गेनाइजेशन - डब्लूईएचओ के माध्यम से संचालित होलिस्टिक थैरेपीज़ सेंटर - एचटीसी इंड़िया का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर हवन-यज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉक्टर अनिल कृष्णात्रेय सहित उपस्थित अतिथियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आहुतियां अर्पित कर केंद्र के सफल संचालन की कामना की। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों को पुष्पमाला पहनाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। समारोह में देश-विदेश से जुड़े इलेक्ट्रो होम्योपैथी एवं स्पैजिरिक थेरेपी के विशेषज्ञों ने ऑनलाइन माध्यम से सहभागिता की। इस अवसर पर वर्ल्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथी ऑर्गेनाइजेशन यूके के निदेशक डॉक्टर विनोद कुमार, डॉक्टर प्रदीप कौर एवं डॉक्टर सविता आर्या (लंदन, यूके) ने ऑनलाइन संवाद के माध्यम से उपस्थित चिकित्सकों एवं गणमान्य लोगों को संबोधित किया। उन्होंने संगठन की गतिविधियों, अध्ययन, प्रशिक्षण, अनुभवों के आदान-प्रदान तथा आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। ऑनलाइन संवाद में वर्ल्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथी ऑर्गेनाइजेशन इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर सतेंद्र यादव, डॉक्टर हितेश खैरनार, डॉक्टर प्रेम, डॉक्टर कुंडू, डॉक्टर पंकज, डॉक्टर हरिओम, डॉक्टर वीरेंद्र, डॉक्टर ओमपाल, डॉक्टर गजेंद्र, मास्टर सुरेंद्र लाल शर्मा, मास्टर राकेश मोहन गर्ग, सभासद मोंटी चौहान, डॉक्टर जयंत चौधरी (पश्चिम बंगाल), डॉक्टर रजनीश शर्मा (हिमाचल प्रदेश), डॉक्टर बिजेंद्र चमोली (देहरादून), महामहिम राष्ट्रपति जी व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार विपुल जैन बागपत, कर्नल नरेश कुमार, अजीत मास्टर, पूनम शर्मा, सोनिया शर्मा, बाला शर्मा एवं लक्ष्मी सहित अनेक गणमान्य लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में उपस्थित चिकित्सकों ने स्पैजिरिक थेरेपी एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अध्ययन, प्रशिक्षण, अपने अनुभवों को साझा करने और इस क्षेत्र में आपसी सहयोग को मजबूत बनाने की आवश्यकता पर विस्तार से विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि ज्ञान के आदान-प्रदान, प्रशिक्षण और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से इस क्षेत्र से जुड़े लोगों को एक साझा मंच उपलब्ध कराया जा सकता है। इस अवसर पर मां चंदना रानी की स्मृति में सेवा कार्य करने का संकल्प भी व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के समापन पर समन्वयक एवं वर्ल्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथी ऑर्गेनाइजेशन इंडिया के राष्ट्रीय सचिव डाक्टर अनिल कृष्णात्रेय ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग और सहभागिता से इस केंद्र को अध्ययन, प्रशिक्षण, आपसी सहयोग एवं सामाजिक सेवा के एक उपयोगी केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि होलिस्टिक थैरेपीज़ सेंटर - एचटीसी इंड़िया प्राकृतिक चिकित्सा, स्पैजिरिक थेरेपी एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथी के समन्वित अध्ययन, प्रशिक्षण, उपचार संबंधी गतिविधियों तथा स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन के लिए समर्पित रहेगा।

संविधान की गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना हम सभी का दायित्व : डॉ. भोला सिंह

नई सोच एक्सप्रेस



नई दिल्ली। संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं बुलंदशहर के सांसद डॉ. भोला सिंह ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए संविधान के मूल्यों, लोकतांत्रिक परंपराओं और राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक महत्व रखता है। वर्ष 1949 में इसी दिन संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकार किया था। डॉ. भोला सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान देश के लोकतंत्र की आत्मा तथा एकता और अखंडता का सबसे मजबूत आधार है। यह प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व का अधिकार प्रदान करता है। संविधान निर्माण में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का योगदान ऐतिहासिक और अतुलनीय रहा है। उनका सपना ऐसा भारत बनाने का था, जहां प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, सम्मान और न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने जातिगत भेदभाव, सामाजिक असमानता और शोषण के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। वे सामाजिक और आर्थिक समानता के प्रबल समर्थक थे। उनका मानना था कि देश की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति, वंचित वर्गों और महिलाओं को भी शिक्षा, सम्मान तथा आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें। शिक्षा को उन्होंने सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम बताया। भाजपा सांसद ने कहा कि संविधान दिवस हमें केवल अपने अधिकारों की याद नहीं दिलाता, बल्कि मौलिक कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक करता है। संविधान की मर्यादा बनाए रखना, लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान करना और सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा किसी एक राजनीतिक दल या विचारधारा का विषय नहीं, बल्कि सरकार, संस्थाओं और देश के प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व है। डॉ. भोला सिंह ने कहा कि संविधान दिवस को केवल औपचारिक कार्यक्रमों और भाषणों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से नई पीढ़ी को संवैधानिक अधिकारों, कर्तव्यों और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना जरूरी है। उन्होंने देशवासियों से बाबा साहब के विचारों को अपने जीवन और व्यवहार में अपनाने तथा भेदभाव और असमानता को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास करने की अपील की। अंत में उन्होंने कहा कि संविधान की भावना को आत्मसात कर शिक्षा, जागरूकता, समानता और कर्तव्यनिष्ठा के आधार पर ही एक सशक्त, समृद्ध, न्यायपूर्ण और समावेशी भारत का निर्माण किया जा सकता है। इस संविधान दिवस पर सभी को देश की एकता और अखंडता को सर्वोपरि रखते हुए बाबा साहब के सामाजिक न्याय के सपने को साकार करने का संकल्प लेना चाहिए। जय संविधान! जय हिंद!

स्वामी विवेकानंद नेत्र मंदिर ट्रस्ट की देश भर में 108 नेत्र-देखभाल केंद्र स्थापित करने की योजना

नई सोच एक्सप्रेस



मुंबई। देश भर के दृष्टिबाधित और जरूरतमंद मरीजों को उन्नत, उच्च गुणवत्ता वाली और मुफ्त नेत्र चिकित्सा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, 'स्वामी विवेकानंद नेत्र मंदिर ट्रस्ट, सुपा' लगभग 450 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक विश्व स्तरीय नेत्र अस्पताल स्थापित करने जा रहा है। ट्रस्ट की महत्वाकांक्षी पहल 'विज़न फॉर एवरी होम' के तहत, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ.भाविन पटेल ने मुंबई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि पूरे भारत में 108 आई केयर सेंटर (नेत्र देखभाल केंद्र) स्थापित करने की योजना है। उन्होंने पत्रकारों से आग्रह किया कि अगर उन्हें कोई जरूरतमंद मरीज मिले, तो वे उसे उनके पास ले आएं या उन्हें सूचित करें, ताकि वे अपनी संस्था में उसका इलाज कर सकें या तो बिल्कुल मुफ्त में या फिर बहुत कम खर्च पर। स्वामी विवेकानंद नेत्र मंदिर ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य आँखों की बीमारियों से पीड़ित हर मरीज की तकलीफ को दूर करना और उनके चेहरों पर मुस्कान लाना है। इसका लक्ष्य समाज के सबसे वंचित वर्गों को उच्च गुणवत्ता वाली नेत्र देखभाल सेवाएँ प्रदान करना है। इस परियोजना के पहले चरण में 21 अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर होंगे, जिनमें हर साल 1.2 लाख आंखों की सर्जरी की जा सकेगी। अस्पताल परिसर में दृष्टिबाधित बच्चों के लिए एक विशेष उपचार केंद्र, ऑप्टोमेट्री और नर्सिंग का एक कॉलेज, दृष्टिबाधित छात्रों के लिए एक स्कूल और एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र भी होगा। इस पहल का उद्देश्य आंखों की देखभाल की सेवाओं को शिक्षा और पुनर्वास सुविधाओं के साथ जोड़ना है। अक्टूबर 2022 और अगस्त 2026 के बीच, ट्रस्ट ने 1,991 से अधिक नेत्र जांच शिविर आयोजित किए और 191,333 मरीजों की जांच की। इस दौरान, मोतियाबिंद के 51,376 से अधिक मुफ्त ऑपरेशन किए गए। 'रेटिनोपैथी ऑफ प्री-मैच्योरिटी' कार्यक्रम के तहत 33,944 नवजातों की जांच की गई, और 1,014 लेजर उपचार तथा 164 सर्जरी की गईं। इसके अलावा, ट्रस्ट ने 10,000 से अधिक मरीजों और उनके रिश्तेदारों को भोजन और पोषण संबंधी सहायता उपलब्ध कराई। ट्रस्ट का लक्ष्य वर्ष 2026-27 के दौरान 926 से अधिक नेत्र जांच शिविर आयोजित करना है। डॉ. भाविन पटेल ने विश्वास जताया कि यह नया अस्पताल नेत्र देखभाल, शिक्षा और पुनर्वास के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बदलाव लाएगा एक ऐसा विकास जो बेहद मूल्यवान साबित होगा, खासकर यह देखते हुए कि भारत में लगभग 2,50,000 बच्चे दृष्टि संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। स्वामी विवेकानंद नेत्र मंदिर ट्रस्ट (SVNM ट्रस्ट) के चेयरमैन डॉ.भाविनभाई पटेल ने कहा,"आजकल आंखों से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इसके समाधान के रूप में, नवसारी जिले के सुपा गांव में लगभग 16 बीघा जमीन पर 'दृष्टि धाम' नाम से एक अत्याधुनिक सुपर-स्पेशलिटी नेत्र अस्पताल बनाने की योजना है। इस अस्पताल में 200 बिस्तर, 21 ऑपरेशन थिएटर और 64 OPD (आउटपेशेंट डिपार्टमेंट) सुविधाएं होंगी। 'दृष्टि धाम' में विशेषज्ञ डॉक्टर मोतियाबिंद, ग्लूकोमा और रेटिना से जुड़ी विभिन्न बीमारियों का इलाज करेंगे। इस अस्पताल में सालाना लगभग 120,000 सर्जरी करने की क्षमता होगी, जिनमें मोतियाबिंद, रेटिना संबंधी समस्याओं, ग्लूकोमा और कॉर्निया ट्रांसप्लांट जैसी सर्जरी शामिल हैं। इसके अलावा, आँखों से जुड़ी अन्य जटिल समस्याओं का इलाज भी यहाँ किया जाएगा। इस मानवीय पहल के अंतर्गत, 5 से 13 दिसंबर 2026 तक पूर्णा नदी के तट पर स्थित नवसारी सुपा ग्राम (गुरुकुल) में पूज्य मोरारी बापू द्वारा एक भव्य 'राम कथा' का आयोजन किया जाएगा।

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के पवित्र अंश के दर्शन को पहुंचीं नुसरत जहां, बोलीं- ईश्वर एक हैं

आध्यात्मिक जुड़ाव सबसे अहम - नुसरत



अभिनेत्री नुसरत जहां ने हाल ही में अपने आध्यात्मिक विश्वास, जीवन दर्शन और ईश्वर के प्रति अपनी गहरी आस्था को लेकर खुलकर बात की है। कोलकाता में जब एक हजार साल पुराने सोमनाथ ज्योतिर्लिंग का पवित्र अंश पहुंचा, तो बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालुओं के बीच नुसरत भी यश के साथ दर्शन और आशीर्वाद लेने के लिए पहुंचीं। इस धार्मिक और सांस्कृतिक अवसर पर शहर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई और पूरे परिसर का वातावरण भक्तिमय व आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर नजर आया। नुसरत ने इस विशेष आयोजन को कोलकाता के लोगों के लिए एक बड़ा सौभाग्य करार दिया। उन्होंने कहा कि एक हजार साल पुराने सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के पवित्र अंश का कोलकाता पहुंचना किसी बड़े आशीर्वाद से कम नहीं है और इस ऐतिहासिक व आध्यात्मिक क्षण का हिस्सा बनना उनके लिए भी विशेष अनुभव रहा। अवसर विशेष पर अपनी आस्था साझा करते हुए नुसरत जहां ने कहा कि उनका हमेशा से यही मानना और विश्वास रहा है कि ईश्वर एक है और इस पूरे संसार को संचालित करने वाली एक ही परम शक्ति है। उन्होंने अपने विचार स्पष्ट करते हुए कहा कि मनुष्य अपने विश्वास, परंपरा और धर्म के अनुसार उस परम शक्ति को किसी भी नाम से पुकार सकता है या कोई भी नाम दे सकता है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भीतर से उससे आध्यात्मिक जुड़ाव बना रहे। नुसरत के अनुसार, बाहरी रूप, औपचारिकताओं या नामों के भेद से कहीं अधिक मूल्यवान वह आंतरिक शांति और जुड़ाव है, जो व्यक्ति को ईश्वर के प्रति सच्ची आस्था से महसूस होता है। कोलकाता में आए इस पवित्र अंश को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा गया और दर्शन के लिए लोगों का तांता लगा रहा। नुसरत जहां भी यश के साथ वहां पहुंचीं, उन्होंने शांति और श्रद्धा के साथ दर्शन किए तथा इस आयोजन के महत्व पर अपने विचार रखे। उनका कहना था कि ऐसे अवसर समाज में सकारात्मकता, श्रद्धा और सद्भाव का वातावरण बनाते हैं, जहां अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोग भी एक ही आध्यात्मिक भाव के साथ जुड़ते हैं। जब कोई प्राचीन और ऐतिहासिक धरोहर या पवित्र अंश लोगों के बीच पहुंचता है, तो उससे जुड़े भाव और श्रद्धा का माहौल अपने आप एक अलग ही अनुभूति देता है। बातचीत के दौरान नुसरत जहां की बातों में आस्था को सहज और समावेशी ढंग से देखने का दृष्टिकोण झलकता है। उन्होंने यह रेखांकित किया कि हर व्यक्ति की अपनी धार्मिक समझ और आस्था का तरीका हो सकता है, लेकिन मूल भावना में सभी का जुड़ाव एक ही सर्वोच्च शक्ति से होता है। उनके मुताबिक, नाम और स्वरूप भले ही भिन्न-भिन्न हों, पर आध्यात्मिक जुड़ाव की गहराई ही व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाती है और जीवन की भागदौड़ व चुनौतियों के बीच संतुलन व शांति का अहसास कराती है। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के पवित्र अंश के कोलकाता आगमन को लेकर जहां स्थानीय लोगों और भक्तों में आस्था का विशेष उत्साह दिखा, वहीं नुसरत जहां की उपस्थिति और उनके बयान ने इस आयोजन से जुड़ी चर्चाओं को और विस्तार दिया। उन्होंने दोहराया कि कोलकातावासियों के लिए यह एक अत्यंत शुभ और सौभाग्यपूर्ण क्षण है कि उन्हें इस पवित्र अंश के दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिला। श्रद्धा, विश्वास और आध्यात्मिक जुड़ाव को केंद्र में रखते हुए दिए गए उनके इन विचारों ने यह संदेश दिया कि आस्था का असली अर्थ भीतर की अनुभूति और उस परम शक्ति से जुड़े रहने में है।

14 साल का सफर और बदलते दौर की सीख : आकांक्षा पुरी ने बताया इंडस्ट्री में टिके रहने का मंत्र



मनोरंजन जगत में पिछले चौदह वर्षों से सक्रिय अभिनेत्री आकांक्षा पुरी ने अपने करियर के अनुभवों को साझा करते हुए बताया है कि बदलते दौर में लंबे समय तक अपनी जगह बनाए रखने के लिए निरंतरता और खुद को अपडेट रखना सबसे जरूरी है। तमिल सिनेमा से अपने अभिनय की शुरुआत करने वाली आकांक्षा पुरी ने हिंदी फिल्मों, टेलीविजन और अब ओटीटी प्लेटफॉर्म तक का लंबा व विविधतापूर्ण सफर तय किया है। विभिन्न माध्यमों में काम करने के अपने अनुभवों के आधार पर उनका मानना है कि मनोरंजन उद्योग की दुनिया बेहद गतिशील है, जहां हर कुछ वर्षों में दर्शकों की पसंद, कहानी कहने के ढंग और काम करने के तरीकों में बड़ा बदलाव आता है। ऐसे में केवल बीते समय की सफलताओं या पुराने तरीकों के सहारे आगे नहीं बढ़ा जा सकता, बल्कि बदलते समय के साथ खुद को ढालना और हर नए अवसर के अनुरूप अपनी तैयारी को और बेहतर बनाना बेहद आवश्यक हो जाता है। एक विशेष कार्यक्रम के दौरान बातचीत करते हुए आकांक्षा पुरी ने स्पष्ट किया कि उनके लिए कंसिस्टेंसी यानी निरंतरता सबसे अधिक महत्व रखती है। उनके अनुसार, अभिनय के क्षेत्र में केवल अचानक मिली चमक या एक-दो चर्चित प्रोजेक्ट काफी नहीं होते, बल्कि रोजमर्रा के प्रयास, अनुशासन और काम के प्रति समर्पण ही किसी कलाकार को लंबे समय तक प्रासंगिक बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा कि एक कलाकार को लगातार खुद पर काम करते रहना चाहिए, क्योंकि समय के साथ अभिनय की बारीकियों से लेकर प्रेजेंटेशन, मेकअप और हेयरस्टाइल तक बहुत कुछ बदल जाता है। दर्शक हर बार कुछ नया और ताजा देखना चाहते हैं, इसलिए कलाकार के लिए यह जरूरी है कि वह अपने शिल्प और व्यक्तित्व दोनों को समय के अनुसार निखारता रहे। आकांक्षा पुरी ने यह भी कहा कि मनोरंजन जगत में प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है और नए चेहरे व नई प्रतिभाएं हर दिन सामने आ रही हैं। ऐसे माहौल में यदि कोई कलाकार समय के साथ खुद को अपडेट नहीं करता है, तो उसकी जगह कोई दूसरा आसानी से ले सकता है। उनका मानना है कि आत्मसंतुष्टि या बदलाव से बचने की प्रवृत्ति करियर की रफ्तार को धीमा कर सकती है, जबकि सीखने की ललक और खुद को तराशने की आदत नए दरवाजे खोलती है। तमिल फिल्मों से शुरुआत करने के बाद अलग-अलग भाषाओं और माध्यमों में काम करने के दौरान उन्होंने महसूस किया कि हर माध्यम की अपनी लय, जरूरतें और चुनौतियां होती हैं। टेलीविजन की नियमितता, बड़े पर्दे की भव्यता और ओटीटी की बदलती संवेदनाओं के बीच संतुलन बनाते हुए उन्होंने समझा कि अनुकूलनशीलता किसी भी कलाकार की सबसे बड़ी ताकत होती है। बातचीत के दौरान उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। चाहे शुरुआती दौर हो या अनुभव से भरा आज का समय, हर चरण में ईमानदारी से किया गया परिश्रम ही पहचान को मजबूत करता है। जब निरंतर मेहनत के साथ समय के अनुरूप बदलाव की समझ जुड़ती है, तो कलाकार को नए अवसरों को पहचानने और उन्हें भुनाने में आसानी होती है। आकांक्षा पुरी के मुताबिक, बदलते ट्रेंड्स और तकनीकों को समझते हुए अपनी मौलिकता को बचाए रखना ही लंबे सफर की कुंजी है। चौदह वर्षों के इस सफर ने उन्हें यह सिखाया है कि जो कलाकार समय के साथ चलता है और खुद को लगातार बेहतर बनाता रहता है, वही इस अनिश्चित लेकिन रोमांचक दुनिया में अपनी अलग और टिकाऊ पहचान कायम रख पाता है।

जैकी श्रॉफ ने गीतादत्त को उनकी जयंती पर याद किया : एक अमर संगीत विरासत



बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ अक्सर पुराने दौर के कलाकारों और भारतीय संगीत से जुड़ी यादगार लम्हों को अपने खास अंदाज में सोशल मीडिया पर ताजा करते रहते हैं। इसी कड़ी में, इस बार उन्होंने हिंदी सिनेमा की महान और सदाबहार गायिका गीतादत्त को उनकी 96वीं जयंती के अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जैकी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर गायिका की कुछ पुरानी ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें साझा करते हुए उन्हें याद किया। उन्होंने गीतादत्त की अद्वितीय आवाज और उनकी अमर संगीत विरासत को सराहा, जो आज भी लाखों संगीत प्रेमियों के दिलों में अपनी जगह बनाए हुए है। जैकी श्रॉफ ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर गीतादत्त की कई तस्वीरें पोस्ट कीं। इनमें से एक तस्वीर उनकी पोर्ट्रेट थी, जबकि दूसरी में वह रिकॉर्डिंग स्टूडियो में माइक्रोफोन के सामने गाती हुई नजर आ रही थीं, जो उनके कलात्मक जीवन की एक झलक पेश करती है। इन तस्वीरों के साथ जैकी ने लिखा, गीतादत्त जी की जयंती पर उन्हें याद कर रहा हूं। उनकी संगीत विरासत हमेशा यादगार रहेगी। गीतादत्त हिंदी सिनेमा की उन चुनिंदा गायिकाओं में शामिल थीं, जिनकी जादुई आवाज ने कई दशकों तक फिल्मी संगीत को एक विशिष्ट और मधुर पहचान दी। उनका जन्म 23 नवंबर 1930 को हुआ था और उनका असली नाम गीता रॉय था। उन्होंने 1940 के दशक में फिल्मों के लिए गाना शुरू किया और साल 1947 में आई फिल्म दो भाई के गाने मेरा सुंदर सपना बीत गया से उन्हें विशेष पहचान और प्रसिद्धि मिली। इस यादगार गाने को महान संगीतकार एसडी बर्मन ने संगीतबद्ध किया था। इसके बाद गीतादत्त ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक अनमोल और यादगार गाने गाए, जो आज भी संगीत प्रेमियों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। इनमें फिल्म आर पार का बाबूजी धीरे चलना, गुरु दत्त की क्लासिक फिल्म कागज के फूल का मार्मिक गीत वक्त ने किया क्या हसीं सितम, फिल्म हावड़ा ब्रिज का चुलबुला गाना मेरा नाम चिन चिन चू और साहिब बीबी और गुलाम का दर्द भरा गीत ना जाओ सैंया छुड़ा के बैंया जैसे सदाबहार नग्मे शामिल हैं। इन गीतों ने उनकी आवाज की विविधता और भावनाओं को व्यक्त करने की अद्भुत क्षमता को दर्शाया। गीतादत्त की जिंदगी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा फिल्ममेकर और अभिनेता गुरु दत्त से भी जुड़ा रहा। दोनों की पहली मुलाकात फिल्म बाजी के सेट पर हुई थी, जिसके बाद उनका रिश्ता परवान चढ़ा। साल 1953 में दोनों ने विवाह कर लिया। शादी के बाद भी गीतादत्त ने फिल्मों के लिए गाना जारी रखा और गुरु दत्त की कई चर्चित फिल्मों में अपनी मधुर आवाज दी। इनमें बाजी, मिस्टर एंड मिसेज 55, प्यासा, कागज के फूल और साहिब बीबी और गुलाम जैसी कालजयी फिल्में शामिल हैं, जहाँ उनकी आवाज ने पात्रों की भावनाओं को गहराई दी। गीतादत्त का निधन 20 जुलाई 1972 को महज 41 साल की कम उम्र में हो गया। उनकी असामयिक मृत्यु ने भारतीय संगीत जगत को एक अपूरणीय क्षति पहुंचाई, लेकिन उनकी गायकी और संगीत विरासत आज भी जीवित है और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। जैकी श्रॉफ का यह श्रद्धांजलि उनके प्रति सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है।



जेनेलिया और इमरान ने हिमेश के साथ अपनी यादें ताज़ा कीं



पटनाः जेनेलिया देशमुख और इमरान हाशमी ने सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के इंडियन आइडल लेजेंड्स रिटर्न में शिरकत कर गनमास्टर जी9 के संगीत के ज़रिए संगीतकार एवं गायक हिमेश रेशमिया के साथ अपनी पुरानी यादों को ताज़ा किया। अपना अनुभव साझा करते हुए जेनेलिया देशमुख ने इसे संगीत की भावनाएं जगाने वाली चिरस्थायी शक्ति बताया और इमरान ने हिमेश के साथ अपने समय की कसौटी पर खरे उतरे संगीतमय सफ़र और पीढ़ियों को जोड़ने वाले अपने गीतों पर खुशी जताई। फ्रीमेंटल द्वारा निर्मित यह शो हर शनिवार और रविवार रात 8 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होता है।

"उन्होंने पहली ही मुलाकात में मुझे बेहद सहज महसूस कराया और हमारे बीच किसी तरह की झिझक नहीं थी," सोनी सब के लो चुड़ैल चली ससुराल में हिबा नवाब से अपनी पहली मुलाकात के बारे में बोले अधिक मेहता



मुंबईः सोनी सब का आगामी फैमिली कॉमेडी शो लो चुड़ैल चली ससुराल प्रेम और जादुई उठापटक से भरी एक कहानी में हिबा नवाब को उर्वशी और अधिक मेहता को आरव के रूप में साथ लेकर आ रहा है। 18 नवंबर को प्रीमियर होने जा रहा यह शो सोमवार से शनिवार रात 8 बजे प्रसारित होगा। शो के प्रीमियर की तैयारी के बीच, अधिक मेहता हिबा नवाब के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हैं और बताते हैं कि कैसे उनकी ऑन-स्क्रीन साझेदारी की शुरुआत पहली ही मुलाकात में बने सहज अपनत्व और दोस्ताना तालमेल के साथ हुई। अपना अनुभव साझा करते हुए अधिक बताते हैं कि उन्हें पहले से ही अंदाज़ा था कि हिबा उनकी सह-कलाकार बनने वाली हैं। मॉक शूट के दौरान इस भूमिका के लिए दो अभिनेत्रियों को चुना गया था और जब उनकी आखिरकार हिबा से मुलाकात हुई, तो उन्होंने उन्हें लगभग तुरंत ही सहज महसूस करा दिया। एक पेशेवर मुलाकात के रूप में शुरू हुई यह पहचान जल्द ही एक खूबसूरत दोस्ती में बदल गई। अधिक का मानना है कि यह सहजता और आपसी समझ स्वाभाविक रूप से आरव और उर्वशी के रूप में उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री में भी झलकती है। अपनी पहली मुलाकात के बारे में बात करते हुए अधिक मेहता ने कहा, "मैंने सुना था कि मेरे अपोज़िट किरदार निभाने के लिए शायद हिबा को चुना जा सकता है। जब आखिरकार मेरी उनसे मॉक शूट के दौरान मुलाकात हुई, तो वह बहुत ही गर्मजोशी भरी और दोस्ताना स्वभाव की लगीं। उन्होंने मुझे लगभग तुरंत ही सहज महसूस करा दिया, इसलिए हमारे बीच किसी तरह की झिझक नहीं थी। उनके साथ बातचीत करना बेहद आसान था और मुझे लगता है कि इसी वजह से शुरुआत से ही हमारे बीच अच्छी समझ बन गई। उनके साथ काम करना बहुत मजेदार है और मुझे खुशी है कि हमारी पहली मुलाकात से ही हमारी अच्छी दोस्ती हो गई।" 18 नवंबर से देखिए लो चुड़ैल चली ससुराल, सोमवार से शनिवार रात 8 बजे, सिर्फ सोनी सब पर।

लंबे इंतजार के बाद हुई मुलाकात, हंसी से भरी एक शाम : नेटफ्लिक्स के 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में मनोज बाजपेयी और आशुतोष राणा साथ आएंगे नजर



मजेदार किस्सों और खुलकर हुई बातचीत के साथ मनोज बाजपेयी और आशुतोष राणा कपिल के सोफे पर जमाएंगे मनोरंजन का रंग कुछ जोड़ियां ऐसी होती हैं, जिन्हें एक साथ देखना हमेशा खास होता है! नेटफ्लिक्स के 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के सीजन 5 में मनोज बाजपेयी और आशुतोष राणा एक ही काउच पर साथ नजर आएंगे। पिछले दो महीनों से जिस मुलाकात का इंतजार किया जा रहा था, वह अब इस शो के जरिए पूरी होने जा रही है। अभिनय की दुनिया के दो अनुभवी कलाकार, सालों का अनुभव और ढेर सारे मजेदार किस्से इस एपिसोड को खास बनाने वाले हैं। बातचीत के दौरान जब कपिल, आशुतोष राणा के हर किरदार में पूरी तरह ढल जाने की उनकी खास कला का जिक्र करते हैं, तो बातचीत और भी दिलचस्प हो जाती है। लोग अक्सर मजाक में कहते हैं कि आशुतोष राणा को रावण के बारे में मंदोदरी से भी ज्यादा जानकारी है। इस पर मनोज बाजपेयी भी अपना एक मजेदार अनुभव साझा करते हैं। वह बताते हैं कि जब भी उनके दोस्त कहते हैं, "सॉरी यार, मेरी हिंदी इतनी अच्छी नहीं है," तो आशुतोष तुरंत पूछते हैं, "ये लज्जित होने वाली बात है या गर्व करने वाली बात?" इस बातचीत से दोनों कलाकारों के बीच की दोस्ती और आपसी तालमेल साफ नजर आता है। मनोज की मजेदार बातें और आशुतोष के तुरंत जवाब देने का अंदाज दर्शकों को खूब हंसाने वाला है। इन दोनों कलाकारों की मजेदार बातचीत के साथ सुनील ग्रोवर, कृष्णा अभिषेक और कीकू शारदा भी अपने लोकप्रिय किरदारों के साथ वापसी कर रहे हैं। ऐसे में कपिल के मंच पर मनोरंजन और हंसी का भरपूर तड़का देखने को मिलेगा। दो अनुभवी कलाकारों की दिलचस्प बातें, मजेदार किस्से और उनकी खास अंदाज वाली बातचीत इस एपिसोड को देखने लायक बनाएगी। जिस मुलाकात का दर्शकों को इंतजार था, वह आखिरकार होने जा रही है। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' सीजन 5 का यह खास एपिसोड इस शनिवार रात 8 बजे केवल नेटफ्लिक्स पर देखना न भूलें।

नई सोच एक्सप्रेस
हर खबर पर पैनी नजर
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाजों का जलवा, पंत छठे, गिल सातवें और जायसवाल नौवें स्थान पर पहुंचे

वेलिंगटन टेस्ट में शानदार प्रदर्शन का मिला इनाम, गेंदबाजी में बुमराह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंचे

एजेंसी, दुबई

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन का असर आईसीसी की ताजा टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग में देखने को मिला है। वेलिंगटन में खेला गया यह मुकाबला ड्रॉ रहा था, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने अपनी बेहतरीन पारियों के दम पर रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। ऋषभ पंत, शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल अब शीर्ष 10 में शामिल हैं। गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय बल्लेबाजों में ऋषभ पंत सबसे आगे बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ 128 रन की आकर्षक पारी खेलने वाले पंत एक स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं। कप्तान शुभमन गिल ने 98 रन की पारी के दम पर तीन स्थान की छलांग लगाई और सातवें स्थान पर पहुंच गए। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज यशस्वी



जायसवाल 85 रन बनाने के बाद पांच स्थान ऊपर चढ़कर नौवें नंबर पर आ गए हैं। इस तरह अब तीन भारतीय बल्लेबाज टेस्ट रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। वेलिंगटन में भारत की पहली पारी में नौ विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित किए गए स्कोर में सर्वाधिक 136 रन बनाने वाले केएल राहुल को भी फायदा हुआ है। वह चार स्थान ऊपर चढ़कर 25वें नंबर पर पहुंच गए हैं। देवदत्त पडिक्कल ने 80 रन बनाए थे, जिसके बाद उन्हें 15 स्थान का फायदा हुआ और वह 39वें नंबर पर आ गए हैं। न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों में प्लेयर ऑफ द मैच हेनरी निकोल्स को सबसे अधिक फायदा हुआ है। उन्होंने नाबाद 175 और 31 रन की पारियां खेलीं, जिसके दम पर वह 10 स्थान ऊपर चढ़कर 30वें नंबर पर पहुंच गए हैं। ग्लेन फिलिप्स ने 118 और नाबाद 26 रन बनाए थे। उन्हें 13 स्थान का फायदा हुआ और वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 17वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के बीच पहले टेस्ट तथा पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच दूसरे टेस्ट के बाद जारी ताजा रैंकिंग में बांग्लादेश के बल्लेबाजों को भी फायदा हुआ है। पहली पारी में 137 रन बनाने वाले तौहीद हृदोय 28 स्थान ऊपर चढ़कर 33वें नंबर पर पहुंच गए हैं। लिटन दास ने 120 रन की पारी खेली थी, जिसके बाद वह नौ स्थान ऊपर चढ़कर 24वें स्थान पर आ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज रयान रिकेल्टन करियर की सर्वश्रेष्ठ संयुक्त 15वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं, जबकि मार्क्स एकरमैन 60वें स्थान पर हैं। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने वेलिंगटन टेस्ट में पांच विकेट लिए थे। इसके दम पर वह तीन स्थान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को भी फायदा हुआ है। जोहान्सबर्ग टेस्ट में आठ विकेट लेकर अपनी टीम को नौ विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले रबाडा दो स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने भी दो स्थान की छलांग लगाई है। रावलपिंडी टेस्ट में प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए अब्बास ने दोनों पारियों में तीन-तीन विकेट लिए थे। वह अब 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। आईसीसी की पुरुष वनडे खिलाड़ी रैंकिंग में इंग्लैंड के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज बेन डकेट को तीन स्थान का फायदा हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होबार्ट में निर्णायक तीसरे वनडे में 115 गेंदों पर 133 रन की अहम पारी खेलने वाले डकेट करियर की सर्वश्रेष्ठ चौथी रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। उनके सलामी जोड़ीदार टॉम बेंटन भी करियर की सर्वश्रेष्ठ 12वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में गस एटकिंसन 10 स्थान ऊपर चढ़कर 23वें, लियाम डॉसन 14 स्थान की छलांग लगाकर 39वें और नेपाल के स्पिनर संदीप लामिछाने सात स्थान ऊपर चढ़कर 34वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

आईपीएल-2027 की नीलामी के लिए 1220 खिलाड़ियों ने कराया पंजीकरण

66 स्थानों के लिए लगेगी बोली

एजेंसी, नई दिल्ली

टाटा आईपीएल-2027 की खिलाड़ी नीलामी के लिए कुल 1220 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। इनमें 939 भारतीय और 17 देशों के 281 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। नीलामी से पहले फ्रेंचाइजी ने 184 खिलाड़ियों को अपने साथ बरकरार रखा है या चुना है। ऐसे में नीलामी के दौरान अधिकतम 66 स्थान भरे जाने हैं, जिनमें 25 विदेशी खिलाड़ियों के स्थान शामिल हैं। पंजीकृत खिलाड़ियों में 184 अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके खिलाड़ी, 994 ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है और 42 खिलाड़ी एसोसिएट देशों से हैं। बिना अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले खिलाड़ियों में 925 भारतीय हैं। इनमें से 127 खिलाड़ी पहले भी आईपीएल के किसी सत्र में खेल चुके हैं। विदेशी खिलाड़ियों के पंजीकरण में ऑस्ट्रेलिया सबसे आगे है। वहां के 53 खिलाड़ियों ने नीलामी के लिए



नाम दिया है। दक्षिण अफ्रीका के 40, वेस्टइंडीज के 36, न्यूजीलैंड के 25 और अफगानिस्तान के 23 खिलाड़ी सूची में शामिल हैं। एसोसिएट देशों में अमेरिका के 13 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है, जबकि संयुक्त अरब अमीरात और नेपाल के 10-10 खिलाड़ी नीलामी की दौड़ में हैं। नीलामी के लिए पंजीकृत 1220 खिलाड़ियों को छह श्रेणियों में रखा गया है। इनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके 14 भारतीय खिलाड़ी और 170 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। एसोसिएट देशों के 42 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। इसके अलावा, पहले आईपीएल खेल चुके 127 गैर-अंतरराष्ट्रीय भारतीय खिलाड़ी, 798 अन्य गैर-अंतरराष्ट्रीय भारतीय खिलाड़ी और 69 गैर-अंतरराष्ट्रीय विदेशी खिलाड़ी सूची में शामिल हैं। देश के अनुसार देखें, तो भारत के 939 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। ऑस्ट्रेलिया के 53, दक्षिण अफ्रीका के 40, वेस्टइंडीज के 36, न्यूजीलैंड के 25, अफगानिस्तान के 23 और श्रीलंका के 21 खिलाड़ी सूची में हैं। इंग्लैंड के 16, अमेरिका के 13, बांग्लादेश के 12, संयुक्त अरब अमीरात और नेपाल के 10-10 तथा आयरलैंड के सात खिलाड़ी शामिल हैं। जिम्बाब्वे के छह, नीदरलैंड के तीन, जबकि कनाडा, जापान और स्कॉटलैंड के दो-दो खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। अब फ्रेंचाइजी नीलामी के लिए पंजीकृत सूची में से उन खिलाड़ियों के नाम सौंपेंगी, जिन्हें वे अंतिम खिलाड़ी सूची में शामिल करने के लिए विचारार्थ रखना चाहती हैं। अंतिम नीलामी सूची और खिलाड़ियों के समूह चार दिसंबर 2026, शुक्रवार को जारी किए जाएंगे। नीलामी से पहले सभी 10 फ्रेंचाइजी के पास कुल 66 स्थान खाली हैं। इनमें 25 विदेशी खिलाड़ियों के स्थान हैं।

खेल पंचाट न्यायालय ने सेनेगल को घोषित किया अफ्रीका कप ऑफ नेशंस 2025 का विजेता

एजेंसी, लुसाने

खेल पंचाट न्यायालय ने मंगलवार को सेनेगल को अफ्रीका कप ऑफ नेशंस 2025 का विजेता घोषित कर दिया। न्यायालय ने अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ (सीएएफ) के अपील बोर्ड के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें मोरक्को को चैंपियन घोषित किया गया था। इसके साथ ही सीएएफ की अनुशासन समिति का मूल फैसला बहाल हो गया और फाइनल में सेनेगल की 1-0 की जीत को बरकरार रखा गया। स्विट्जरलैंड स्थित खेल पंचाट न्यायालय ने अपने फैसले में कहा, "खेल पंचाट न्यायालय (सीएएस) ने सेनेगल फुटबॉल महासंघ (एफएसएफ) की



ओर से अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ (सीएएफ) और रॉयल मोरक्कन फुटबॉल महासंघ (एफआरएमएफ) के खिलाफ दायर अपील स्वीकार कर ली है। यह अपील अफ्रीका कप ऑफ नेशंस मोरक्को 2025 के फाइनल से संबंधित थी। सीएएफ अपील बोर्ड का फैसला रद्द किया जाता है और सीएएफ अनुशासन समिति का फैसला बहाल किया जाता है।" न्यायालय ने आगे कहा, "परिणामस्वरूप, अफ्रीका कप ऑफ नेशंस 2025 के फाइनल के अंत में प्राप्त नतीजे की पुष्टि की जाती है। सेनेगल ने यह मुकाबला 1-0 से जीता था।" सेनेगल ने अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें जनवरी में रबात में खेले गए फाइनल में मेजबान मोरक्को को चैंपियन घोषित किया गया था। सेनेगल ने अतिरिक्त समय में मोरक्को को 1-0 से हराया था, लेकिन बाद में सीएएफ के फैसले के कारण उससे खिताब छिन गया था। फाइनल के नियमित समय के अंतिम क्षणों में सेनेगल के खिलाफ पेनाल्टी दिए जाने के बाद टीम के खिलाड़ियों ने विरोध जताते हुए मैदान छोड़ दिया था। कुछ खिलाड़ी विरोध में ड्रेसिंग रूम तक चले गए थे। करीब 14 मिनट तक खेल रुका रहा, जिसके बाद सेनेगल की टीम दोबारा मैदान पर लौटी और मुकाबला शुरू हुआ।

घुटने की सर्जरी के बाद छह सप्ताह तक क्रिकेट से दूर रहेंगे जेवियर बार्टलेट

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट के टेस्ट टीम में जगह बनाने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। बाएं घुटने की सर्जरी कराने के बाद वह करीब छह सप्ताह तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। इस चोट के कारण वह आगामी बिग बैश लीग के शुरुआती मुकाबलों में भी नहीं खेल पाएंगे। बार्टलेट को इस टूर्नामेंट में ब्रिस्बेन हीट की ओर से खेलना है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को उक्त जानकारी दी। बार्टलेट को पिछले सप्ताह होबार्ट में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले के दौरान क्षेत्ररक्षण करते हुए बाएं घुटने में चोट लगी थी। इस मुकाबले



में ऑस्ट्रेलिया को हार का सामना करना पड़ा था और टीम ने श्रृंखला भी गंवा दी थी। चोट के कारण मैदान छोड़ने के बावजूद बार्टलेट दोबारा गेंदबाजी करने लौटे और तीन ओवर किए। उन्होंने सात ओवर में 66 रन देकर एक विकेट लिया। इसके बाद उन्हें पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर कर दिया गया। बाद में उनके घुटने की दूरबीन विधि से सर्जरी की गई। बार्टलेट पहली बार ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में जगह बनाने की दौड़ में शामिल थे। उन्होंने शेफील्ड शील्ड के मौजूदा सत्र की शुरुआत क्वींसलैंड की ओर से शानदार प्रदर्शन करते हुए की थी। उन्होंने दो मैचों में 16 विकेट हासिल किए थे। ऑस्ट्रेलिया का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की मेजबानी करनी है और इसके बाद पांच मैचों की श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करना है। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया मेलबर्न में इंग्लैंड के खिलाफ क्रिकेट के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर खेले जाने वाले विशेष टेस्ट मुकाबले में हिस्सा लेगा। ऐसे में बार्टलेट की चोट से उनके टेस्ट पदार्पण की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। यदि बार्टलेट का पुनर्वास कार्यक्रम तय योजना के अनुसार आगे बढ़ता है, तो भारत दौरे के आसपास उनकी वापसी संभव हो सकती है।

बिजनेस

नहीं बढ़े घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम, उपभोक्ताओं को राहत

नवंबर की शुरुआत में कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में हुई थी बढ़ोतरी

एजेंसी, नई दिल्ली

बुधवार को घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई नया बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि, नवंबर की शुरुआत में तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की थी। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू गैस सिलेंडर अब भी 942 रुपए में मिल रहा है, जबकि 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत बढ़कर 2,820 रुपए हो गई है। कमर्शियल सिलेंडर के दाम में नवंबर की शुरुआत में दिल्ली में 10 रुपए की बढ़ोतरी हुई थी, जबकि मुंबई में



10.50, कोलकाता में 17 और चेन्नई में 11.50 रुपए का इजाफा हुआ था।

कमर्शियल सिलेंडर का इस्तेमाल मुख्य रूप से होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों जैसी व्यावसायिक जगहों पर होता है। ऐसे में इनकी कीमतों में बढ़ोतरी से कारोबारियों की लागत बढ़ती है, जिसका सीधा असर बाहर खाना खाने वाले ग्राहकों की जेब पर पड़ सकता है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में आखिरी बड़ी बढ़ोतरी मार्च 2026 में हुई थी, जब 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर के दाम में 60 रुपये का इजाफा किया गया था। इसके बाद जून में भी कीमतों में बदलाव हुआ और दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 942 रुपए का हो गया। नवंबर में घरेलू गैस के दाम स्थिर रखे गए हैं, जिससे फिलहाल घरों में इस्तेमाल होने वाले सिलेंडर के लिए ग्राहकों को पिछले महीने जितनी ही कीमत चुकानी पड़ रही है।

देश के कई शहरों में एलपीजी सिलेंडर के दाम में अंतर देखने को मिलता है। दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 939.50 रुपए और कमर्शियल सिलेंडर 2,820 रुपए में उपलब्ध है। मुंबई में घरेलू सिलेंडर 941.50 रुपए, जबकि कमर्शियल सिलेंडर 2,774.50 रुपए का है। इसी तरह, पटना में घरेलू सिलेंडर 1,031.50 रुपए और कमर्शियल सिलेंडर 3,110.50 रुपए का है। लखनऊ में घरेलू सिलेंडर 979.50 रुपए और कमर्शियल सिलेंडर 2,932.50 रुपए में मिल रहा है। उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे अपने शहर के ताजा रेट की जानकारी के लिए तेल कंपनियों की वेबसाइट देखें।

कोका-कोला या पेप्सी नहीं आजकल लोग का भा रहा लाहौरी जीरा, मसालों से है भरपूर

एजेंसी, नई दिल्ली । आजकल कोल्ड ड्रिंक्स कोका-कोला और पेप्सी की जगह लाहौरी जीरा तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। लोग इसे एक स्वस्थ विकल्प के रूप में देख रहे हैं, क्योंकि यह सोडा-आधारित होने के साथ-साथ जीरा और मसालों से भरपूर है, जो पाचन के लिए फायदेमंद है। इस देसी ड्रिंक की बढ़ती मांग ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा खड़ी कर दी है। लाहौरी जीरा की कहानी 2017 में पंजाब के तीन चचेरे भाइयों, सौरभ मुंजाल, निखिल डोडा और सौरभ भूटना की एक साधारण रसोई के प्रयोग से शुरू हुई। निखिल डोडा ने घर पर ही जीरे और मसालों से एक ठंडी, मसालेदार ड्रिंक बनाई, जिसका स्वाद तीनों भाइयों को इतना पसंद आया कि उन्होंने इसे व्यावसायिक रूप देने का फैसला किया। परिवार से शुरुआती आर्थिक मदद मिलने के बाद, उनका यह छोटा सा प्रयोग करीब नौ सालों में एक बड़े ब्रांड में बदल गया। लाहौरी जीरा की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण इसकी किफायती कीमत भी है, क्योंकि इसकी एक बोतल सिर्फ 10 रुपए की है। यह देसी स्वाद और सोडा का अनूठा मिश्रण प्रदान करता है, जो उन उपभोक्ताओं को आकर्षित कर रहा है जो कोल्ड ड्रिंक में कुछ अलग चाहते हैं।

क्विक-कॉमर्स डिलीवरी बॉय ने पहले महीने में ही कमाए 39,000, सुनकर सब हैरान

एजेंसी, नई दिल्ली

क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के जरिए 10 मिनट में सामान आप तक पहुंचाने वाले डिलीवरी बॉयज की कमाई को लेकर अक्सर चर्चा होती है। हाल ही में चंडीगढ़ के एक ब्लिंकिट डिलीवरी पार्टनर ने अपने पहले महीने की कमाई का खुलासा करके लोगों को हैरान कर दिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने पहले महीने में करीब 39,000 रुपए कमाए हैं, जो कि कई पारंपरिक नौकरियों से ज्यादा है। यह डिलीवरी पार्टनर, जिन्होंने अपनी पहचान गोपनीय रखी, उन्होंने एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपना अनुभव साझा किया।

उन्होंने बताया कि पहले महीने की नौकरी का अनुभव काफी अच्छा रहा और उन्हें कोई बड़ी समस्या नहीं आई। आमतौर पर वह सप्ताह के दिनों में करीब 12 घंटे काम करते हैं, लेकिन सप्ताहांत में ग्राहकों के ऑर्डर बढ़ जाने के कारण उनकी शिफ्ट करीब 16 घंटे तक खिंच जाती है। इस कमाई में डिलीवरी शुल्क के साथ-साथ ग्राहकों से मिलने वाली



टिप भी शामिल है। डिलीवरी पार्टनर ने उन लोगों को कुछ अहम सलाह भी दी है, जो डिलीवरी बॉय बनने के बारे में सोच रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने सुझाव दिया कि यदि आप इस काम में उतरने की योजना बना रहे हैं, तो सबसे पहले एक इलेक्ट्रिक बाइक खरीद लें। उन्होंने बताया कि चंडीगढ़ जैसे विकसित और संपन्न शहर में, जहां अच्छी खासी टिप मिलती है, इलेक्ट्रिक बाइक से काम करना काफी आसान हो जाता है और ईंधन का खर्च भी बचता है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि यह काम शारीरिक रूप से काफी थका देने वाला हो सकता है। 12 से 16 घंटे की लंबी शिफ्ट उन लोगों के लिए मुश्किल हो सकती है जो शारीरिक रूप से अक्षम हैं। यह मामला क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर काम करने वाले डिलीवरी पार्टनर्स की आय और उनके काम की परिस्थितियों पर नई रोशनी डालता है, साथ ही गिग इकोनॉमी में अवसरों और चुनौतियों को भी दर्शाता है।

टीवीएस मोटर तमिलनाडु में 2 हजार करोड़ रुपये का करेगी निवेश

एजेंसी, नई दिल्ली

वाहन निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी तमिलनाडु में अगले चार वर्षों के दौरान 2 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इससे एक हजार रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। कंपनी ने बुधवार को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। दोपहिया और तिपहिया वाहन निर्माता कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने तमिलनाडु सरकार के साथ एक गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन



(एमओयू) किया है। टीवीएस मोटर ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी ने तमिलनाडु सरकार के साथ एक गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत वह चार वर्षों में 2 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इससे एक हजार नौकरियां पैदा होगी। सूचना के अनुसार तमिलनाडु सरकार अपनी नोडल एजेंसी 'गाइडेंस' के माध्यम से टीवीएस मोटर कंपनी को जरूरी बुनियादी ढांचागत सुविधाएं और नियामकीय प्रक्रियाओं में सहायता उपलब्ध कराएगी। प्राप्त सूचना के मुताबिक यह सहयोग लागू कानूनों के अधीन होगा। टीवीएस मोटर कंपनी लिमिटेड एक भारतीय बहुराष्ट्रीय मोटरसाइकिल निर्माता कंपनी है, जिसका मुख्यालय चेन्नई में है। राजस्व के लिहाज से यह भारत की तीसरी सबसे बड़ी मोटरसाइकिल कंपनी है।

हरे निशान पर खुला घरेलू शेयर बाजार, सेंसेक्स 1447 अंक उछला

एजेंसी, नई दिल्ली । हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को घरेलू शेयर बाजार ने बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की है। सेंसेक्स 1447 अंकों की उछाल के साथ 83,850 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी भी 400 अंक की तेजी के साथ 25,775 के स्तर पर है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 1,447.52 अंकों यानी 1.76 फीसदी की उछाल के साथ 83,883.51 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 427.15 अंक यानी 1.69 फीसदी की तेजी के साथ 25,776.80 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स में शामिल शेयरों में एचडीएफसी बैंक 3.54 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। इसके अलावा इंफोसिस में 3.43 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक में 3.19 फीसदी, बजाज फाइनेंस में 2.65 फीसदी, एक्सिस बैंक में 2.13 फीसदी और बजाज फिनसर्व में 2.09 फीसदी की तेजी दिख रही है।

अमेजन के मंच से भारत का ई-कॉमर्स निर्यात 2,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर पहुंचा

एजेंसी, नई दिल्ली

ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अमेजन के 'अमेजन ग्लोबल सेलिंग' कार्यक्रम के तहत भारत से कुल निर्यात 2,700 करोड़ डॉलर (27 अरब) अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया है। ई-कॉमर्स कंपनी ने बुधवार को अपने 'अमेजन ग्लोबल सेलिंग' प्रोग्राम के माध्यम से भारत से कुल 27 अरब डॉलर का निर्यात किये जाने की जानकारी दी है। अमेजन ने कहा कि इस प्लेटफॉर्म पर निर्यातकों की संख्या एक साल में 20 फीसदी बढ़कर 2.4 लाख



हो गई है। कंपनी ने कहा कि वर्ष 2015 में शुरू किए गए इस कार्यक्रम के तहत भारत में बने एक अरब से अधिक उत्पाद अमेजन के वैश्विक बाजारों के ग्राहकों को बेचे जा चुके हैं। अमेजन के अनुसार इस कार्यक्रम के तहत 36 हजार से भी अधिक निर्यातकों के साथ नई दिल्ली राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सूची में पहले स्थान पर है। इसके बाद राजस्थान (32,500 से अधिक), उत्तर प्रदेश (29,000 से अधिक), गुजरात (28,000 से अधिक) और महाराष्ट्र (23,500 से अधिक) का स्थान है। कंपनी ने कहा कि छोटे शहरों में तमिलनाडु के इरोड के निर्यातकों ने जनवरी 2025 से 2026 की तीसरी तिमाही तक 12.15 करोड़ यूएस डॉलर से अधिक की बिक्री की। कंपनी ने बयान में कहा कि यह उपलब्धि 2030 तक भारत से कुल आठ लाख करोड़ डॉलर का ई-कॉमर्स निर्यात संभव बनाने के उसके लक्ष्य की दिशा में प्रगति को दर्शाती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।